THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 9 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.8 2083 शुक्रवार, 10 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'नया आधार कार्ड छह साल तक के बच्चों को ही मिले'

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है। इसमें मांग की गई है कि नया आधार कार्ड जारी करने की उम्र सीमा तय की जाए। याचिका के अनुसार, नया आधार केवल 6 साल तक के बच्चों को ही मिलना चाहिए। वयस्कों और किशोरों के लिए आधार बनवाने के नियम बहुत कड़े होने चाहिए।

वकील और सामाजिक कार्यकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने यह याचिका लगाई है। याचिका में कहा गया है कि मौजूदा व्यवस्था का फायदा उठाकर घुसपैठिये आसानी से आधार कार्ड बनवा रहे हैं। इसके बाद वे खुद को भारतीय नागरिक बताने लगते हैं। इससे देश की सुरक्षा, सरकारी संसाधनों और चुनाव प्रक्रिया को खतरा पैदा हो रहा है। >14

✻ बीजेपी का नया नारा ✻ बंगाल में पीएम ने दी छह गारंटी

'सबका साथ, सबका विकास और लुटेरों का हिसाब होगा'

कोलकाता, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राज्य में तीन बड़ी चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य सरकार पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सामान्य नहीं, बल्कि बंगाल के गौरव को फिर से स्थापित करने का चुनाव है। पीएम ने कहा कि बंगाल की जनता इस बार के चुनाव में ममता सरकार को हटाने वाली है। पीएम मोदी ने सबका साथ, सबका विकास नारे को दोहराते हुए कहा कि सबका हिसाब लिया जाएगा।

यह चुनाव विकसित बंगाल की नींव रखेगा

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह चुनाव विकसित बंगाल की मजबूत नींव रखने का चुनाव है और इसका पहला तथा सबसे अहम कदम इस निर्दयी सरकार को सत्ता से बाहर करना होगा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर राज्य के विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने देश की आर्थिक प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि जहां देश के कई राज्य विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं, वहीं टीएमसी की सरकार बंगाल को पीछे धकेल रही है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में मतदाताओं से बदलाव का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य को विकास के रास्ते पर लाने के लिए निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है। साथ ही प्रधानमंत्री ने भाजपा सरकार की छह गारंटियों को बताया।

मत्स्य पालन और सी-फूड क्षेत्र को लेकर ममता सरकार का घेरा

पीएम मोदी ने कई मुद्दों को लेकर ममता सरकार को घेरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल में मत्स्य पालन और सी-फूड के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बावजूद राज्य आज भी मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं बन पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारी मांग के बावजूद बंगाल को अपनी जरूरतों के लिए दूसरे राज्यों से मछली आयात करनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि 15 साल सत्ता में रहने के बाद भी टीएमसी सरकार आपको मछली जैसी बुनियादी चीज भी उपलब्ध नहीं करा पाई। यह उनकी गलत नीतियों का स्पष्ट उदाहरण है। पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत का कुल मछली उत्पादन और समुद्री निर्यात दोगुना हुआ है, लेकिन बंगाल में टीएमसी सरकार के कारण यह प्रगति नहीं हो पाई। युवाओं के मुद्दे पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी सरकार ने राज्य के युवाओं के साथ दोहरा विश्वासघात किया है। >14

आसनसोल में गरजे पीएम मोदी : भर गया टीएमसी के पापों का घड़ा

आसनसोल, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल के आसनसोल में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत देवी कल्यानेश्वरी और घाघर बुरी चंडी का आह्वान करके की। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल में अब सत्ता परिवर्तन निश्चित है, जिसे आसनसोल और पूरे बंगाल की जनता चाहती है। उन्होंने टीएमसी पर सिंडिकेट राज, कोयला और रेत माफिया को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने दावा किया कि टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और बदलाव के बाद बंगाल नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने बताया कि कभी समृद्ध औद्योगिक क्षेत्र रहे आसनसोल से निवेश पलायन कर गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल भाजपा की डबल इंजन सरकार ही इस स्थिति को सुधार सकती है। उन्होंने उल्लेख किया कि बंगाल का राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 12 फीसदी से घटकर केवल पांच फीसदी रह गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने आसनसोल में उद्योगों के पुनरुद्धार के लिए 45,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी ने बंगाल को केवल निर्ममता दी है, जबकि भाजपा ने बाधाओं के बावजूद आसनसोल का विकास किया है। मोदी ने कहा कि आसनसोल और दुर्गापुर दोनों में महानगर बनने की क्षमता है। उन्होंने वादा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार यह विकास लाएगी।

असम, केरल, पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की वोटिंग खत्म

> एंटनी बोले-केरल में बीजेपी को कोई पसंद नहीं करता

> पुडुचेरी में कांग्रेस-भाजपा समर्थक भिड़े

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे वोटिंग खत्म हो गई। अब वही वोटर्स मतदान कर सकेंगे, जो शाम 6 बजे तक बूथ में आ गए थे। चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक असम में 84.42%, केरलम में 75.01% और पुडुचेरी में 86.92% वोटिंग हुई। पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे। केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। उन्होंने मीडिया से कहा- केरलम के लोग भाजपा को पसंद नहीं करते। राज्य में 10 साल के कुशासन की सरकार है। इसलिए इस बार सरकार बदलेगी। वहीं, असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला।

असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। पुडुचेरी में 20 पार्टियां के 294 कैंडिडेट अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। दोनों राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में करीब 10 लाख से ज्यादा वोटर्स ने पहली बार मतदान किया। केरलम में 70 साल में पहली बार कोई सीएम हैट्रिक के लिए चुनाव लड़ रहा है। असम में बीजेपी हिमंता बिस्व सरमा के सहारे लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दांव खेल रही है। पुडुचेरी में कांग्रेस से निकले एन. रंगास्वामी पांचवी बार सत्ता में काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं। केरलम तिरुवनंतपुरम में एक्टर मोहनलाल ने वोट किया। केरलम भाजपा के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने तिरुवनंतपुरम में वोट किया। वे नेमम सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। केरलम के सीएम पिनाराई विजयन ने कन्नूर में आरसी अमला बेसिक अपर प्राइमरी स्कूल में वोट डाला।

सरकार बोली-कई मंदिरों में प्रसाद में शराब दी जाती है

> कोर्ट यह नहीं कह सकता वहां शराब मत दो

सबरीमाला केस में सुनवाई

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को केरल के सबरीमाला मंदिर में सुनवाई के दौरान रीति-रिवाजों का जिक्र किया। एएसजी नटराज ने कहा, दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रसाद के रूप में मदिरा दी जाती है। कल को आप इस पर यह आपत्ति नहीं उठा सकते कि मदिरा न दी जाए।

एक उदाहरण देता हूं, कई मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, और अगर कोई व्यक्ति अपनी पसंद या अंतरात्मा की आवाज पर कहता है कि वह मांसाहारी भोजन करना चाहता है, तो वह किसी खास संप्रदाय के पास जाकर यह नहीं कह सकता कि मेरा यह अधिकार है और मुझे यही परोसा जाना चाहिए। उसे उन श्रद्धालुओं के अधिकारों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है।

उधर सरकार ने सबरीमाला मंदिर में मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का समर्थन किया। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का 2018 का फैसला इस धारणा पर आधारित है कि पुरुष श्रेष्ठ हैं और महिलाएं निम्न हैं। इसी वजह से सभी महिलाओं को एंट्री देने का आदेश दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की बुधवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई कर रही है। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में हैं। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4:1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संविधान बेंच 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर ने संयुक्त कार्रवाई के महत्व को बताया : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने डोमेन जॉइंटनेस की दिशा में भारत की प्रगति को दिखाया है। इस सैन्य अभियान को एकीकरण के परिचालन महत्व का निर्णायक केस स्टडी बताया। पिछले साल मई में, भारत ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी लॉन्चपैड को निशाना बनाते हुए सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। पहलगाम हमले में 26 भारतीय पर्यटक मारे गए थे।

जनरल द्विवेदी ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर, विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्तता की दिशा में भारत की प्रगति का सबसे शक्तिशाली साधन था। लेकिन हमें विभिन्न क्षेत्रों का एकीकरण और विलय हासिल करना होगा।' दरअसल, वह यहां रण संवाद मंच पर 'थल सेना द्वारा बहु-क्षेत्रीय संचालन (एमडीओ) का दृश्य-विश्लेषण विषय पर संबोधित कर रहे थे। सेना प्रमुख ने कहा कि एमडीओ के बारे में उनकी कल्पना छह डोमेन के समानांतर संचालन की नहीं है, बल्कि उन सभी की निरंतर गतिशील बातचीत की है, जहां भार बदलता है और नेतृत्व में परिवर्तन होता है।

सेना प्रमुख ने क्या कहा?

सेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक युद्ध अब भौगोलिक सीमाओं या किसी एक सेना के प्रभुत्व तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों, हितधारकों और संघर्ष के स्तरों में निरंतर क्रिया द्वारा परिभाषित होता है। उन्होंने कहा, 'हम अपने समय के एक बिखरे हुए, अघोषित, बहु-मोर्चे वाले, बहु-क्षेत्रीय युद्ध का सामना कर रहे हैं। सवाल यह नहीं है कि क्या क्षेत्र आपस में परस्पर क्रिया करते हैं, बल्कि यह है कि युद्ध क्षेत्र में यह परस्पर क्रिया किस प्रकार संचालित होती है।'

स्थलीय क्षेत्र और स्थलीय बलों के बीच अंतर

इसके साथ ही जनरल द्विवेदी ने स्थलीय क्षेत्र और स्थलीय बलों के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए समझाया कि जहां पहला परिचालन क्षेत्र को संदर्भित करता है। वहीं दूसरा उन सभी छह क्षेत्रों - भूमि, वायु, समुद्री, साइबर, अंतरिक्ष और संज्ञानात्मक को शामिल करता है जो एक साझा वातावरण में काम करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये क्षेत्र अब पृथक नहीं हैं बल्कि गतिशील तालमेल के माध्यम से काम करते हैं।

'बंगाल में चुनाव कर्मियों की हिफाजत के लिए केंद्रीय बल तैनात हों'

> हिंदू महासभा ने लगाई गुहार

कोलकाता, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। संगठन ने जनहित याचिका दायर कर मांग की है कि चुनाव ड्यूटी में लगे सरकारी कर्मचारियों, न्यायिक अधिकारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती हो।

हिंदू महासभा ने यह याचिका संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की है। इसमें निष्पक्ष, स्वतंत्र और सुरक्षित चुनाव कराने के लिए केंद्र सरकार को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई। याचिका में आरोप लगाया गया है कि पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसा, धमकी और उत्पीड़न की घटनाएं होती रही हैं, जिससे चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित होती है। इसमें 2013 के पंचायत चुनावों का हवाला देते हुए कहा गया है कि उस दौरान कथित तौर पर 39 लोगों की हत्या हुई थी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बड़ी संख्या में सीटें जीती थीं। वहीं 2018 के पंचायत चुनावों में भी करीब 20 लोगों की हत्या और विपक्षी उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने से रोकने के आरोप लगाए गए हैं। याचिका में हाल के घटनाक्रमों का भी जिक्र किया गया है। इसमें नवंबर 2020 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से कोयला तस्करी और हवाला मामले में जांच दर्ज करने और जनवरी 2026 में कोलकाता व दिल्ली में छापेमारी का उल्लेख है, जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोप लगाए गए। इसके अलावा, मार्च 2026 में नदिया और हुगली जिलों में चुनावी ड्यूटी कर रहे अधिकारियों को घेरने और धमकाने की घटनाओं का हवाला दिया गया है।

ईरान ने होर्मुज से सुरक्षित निकलने का मैप जारी किया

धमाके से बचने के लिए हमसे बात करें; रिपोर्ट-प्रति बैरल 1 डॉलर टोल लगाएगा

तेल अवीव/तेहरान, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों के लिए नया मैप जारी किया है। इसका मकसद जहाजों को समुद्र में बिछी बारूदी सुरंगों से बचाना है।

इस मैप में उन खतरनाक इलाकों को दिखाया गया है, जहां जहाजों का जाना मना है। रिपोर्ट के मुताबिक, पहले जहाज ओमान के किनारे के पास से गुजरते थे, लेकिन अब उन्हें ईरान के किनारे के पास से निकलने की सलाह दी गई है। इससे माइन वाले इलाकों से बचा जा सकता है।

ईरान ने जहाजों से कहा है कि वे पहले उसके अधिकारियों से संपर्क करें, तभी उन्हें सुरक्षित रास्ता बताया जाएगा। ईरान अब इस रास्ते से गुजरने वाले तेल के जहाजों पर नजर भी रखेगा। हर जहाज को पहले अपने माल यानी कार्गो की पूरी जानकारी देनी होगी, उसके बाद ही आगे जाने की इजाजत मिलेगी। वहीं फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान हर बैरल तेल पर 1 डॉलर टैक्स लेने की तैयारी कर रहा है और यह पैसा क्रिप्टोकरेंसी में लेना चाहता है।

लेबनान में इजराइली हमलों से एक दिन में 254 मौतें

इजराइली सेना ने बुधवार को लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है।

जारी संकट के बीच कतर जाएंगे पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी

एलएनजी सप्लाई पर करेंगे अहम बातचीत

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी 9 से 10 अप्रैल के बीच कतर का दौरा करेंगे। इस दौरान वे चल रहे ईरान संघर्ष के कारण प्रभावित हुई लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की सप्लाई को लेकर अहम बातचीत करेंगे। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में मंत्रालय ने कहा, 'केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी 9-10 अप्रैल, 2026 को कतर राज्य की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे।' वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव के बावजूद भारत घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है।

इससे पहले कतर की सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने पिछले महीने लंबी अवधि के एलएनजी सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट्स पर 'फोर्स मेजर' लागू कर दिया था, जिससे इटली, बेल्जियम, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों को जाने वाली सप्लाई प्रभावित हुई थी।

हालांकि भारत का नाम इस सूची में नहीं था, लेकिन कतर से एलएनजी खरीदने वाले प्रमुख देशों में भारत भी शामिल है।

कतर एनर्जी के सीईओ साद अल-काबी के अनुसार, फरवरी के अंत में संघर्ष शुरू होने के बाद से कतर पर ईरान के हमलों के कारण ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। इससे देश की करीब 17 प्रतिशत एलएनजी निर्यात क्षमता प्रभावित हुई है।

'दलाल' पाकिस्तान को प्रियंका चतुर्वेदी ने दिखाया आईना

आतंकवाद-खस्ताहाल इकॉनमी पर खूब लताड़ा; जयशंकर की तारीफ की

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच हुए युद्ध विराम की पोल उस वक्त खुल गई, जब इजरायल ने लेबनान पर भीषण बमबारी की और ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है। अब 'दलाल' बने पाकिस्तान का पूरी दुनिया में मजाक उड़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में शिवसेना (उद्धव गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पाकिस्तान की चुटकी ली है। साथ ही भारत की कूटनीति की तारीफ की है।

शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर युद्ध विराम के बाद भी इजरायल के लेबनान पर हमले और होर्मुज स्ट्रेट बंद होने पर पाकिस्तान की चुटकी ली। उन्होंने लिखा- पाकिस्तान की मध्यस्थता करने की क्षमता उतनी ही है, जितनी कि वहां पर मौजूद आतंकी शिविरों को समाप्त करने की क्षमता है। यहीं नहीं पूर्व राज्यसभा सांसद ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर भी चुटकी लेते हुए कहा, पाकिस्तान की जीरो अर्थव्यवस्था की तरह ही उसकी मध्यस्थता कराने की क्षमता जीरो है। प्रियंका चतुर्वेदी ने अपनी एक दिन पुरानी पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने उन लोगों को जवाब दिया था, जो ईरान-अमेरिका युद्ध में भारत की भूमिका न होने पर नई दिल्ली की कूटनीति पर सवाल उठा रहे थे। प्रियंका ने कहा, आलोचना समझ में नहीं आती क्योंकि यह युद्ध हमारा नहीं था।

उन्होंने कहा, यह मौका पाकिस्तान के लिए उस दलाल की तरह है जो पैसे लेकर संकट का समाधान करने का दावा करता है।

बाल तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

राज्यों को कहा-तुरंत कदम नहीं उठाए तो हालात होंगे बेकाबू

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में बढ़ते बाल तस्करी के मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि संगठित गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और अगर राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि अदालत निगरानी कर सकती है, लेकिन वास्तविक कार्रवाई राज्य सरकार, पुलिस और संबंधित एजेंसियों को ही करनी होगी। कोर्ट ने इस मुद्दे पर राज्यों के लापरवाह रवैया पर नाराजगी जताई। पीठ ने कहा कि कुछ मामलों में बच्चों की बरामदगी से यह स्पष्ट है कि समस्या से निपटा जा सकता है, लेकिन इसके लिए जरूरी राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति फिलहाल नजर नहीं आ रही है। >14

आईएफ का दावा-हिज्बुल्लाह महासचिव नईम कासिम की मौत

बेरूत, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायली सेना का गुरुवार को भी लेबनान पर हमला जारी है। सीजफायर ऐलान के बाद इजरायल ने देश के विभिन्न इलाकों पर एयर स्ट्राइक की। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के अनुसार, इसमें 254 लोगों की मौत हो गई जबकि हवाई हमले में 1,165 लोग घायल हुए। देश में राष्ट्रीय शोक का ऐलान कर दिया गया है। इजरायल डिफेंस फोर्सेस ने गुरुवार को दावा किया कि उसके हमले में हिज्बुल्लाह महासचिव नईम कासिम और उनके सलाहकार अली यूसुफ अर्शी की मौत हो गई। इजराइली सेना (आईडीएफ) के मुताबिक, यह कार्रवाई लेबनान में जारी सैन्य ऑपरेशन के तहत की गई।

आईडीएफ ने कहा कि सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर नईम कासिम को निशाना बनाया गया। कथित तौर पर वो हिज्बुल्लाह के प्रमुख नेताओं में से एक थे और संगठन संचालन में अहम भूमिका निभाते थे। उनके निजी सचिव और सलाहकार हर्शी पर कासिम की सुरक्षा और दफ्तर के प्रबंधन की जिम्मेदारी थी।

अल जजीरा के अनुसार पूर्व में लेबनान के कस्बे अल-शेख और मेइफादौन के अलावा दक्षिण में कुनिन और अली अल-ताहिर हाइट्स पर इजरायल के हमले जारी हैं। इजरायली सेना का कहना है कि यह हमला 2 मार्च से शुरू किए गए उनके नए सैन्य ऑपरेशन के बाद लेबनान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला था।

आप विधायक हरमीत पठानमाजरा पटियाला से बठिंडा जेल में शिफ्ट

पटियाला, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा को पटियाला से बठिंडा जेल में शिफ्ट कर दिया गया है। उन्हें गुरुवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच शिफ्ट किया गया। पटियाला के सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन में हरमीत सिंह पठानमाजरा के खिलाफ रेप, धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके बाद, दो सितंबर को हरियाणा के करनाल में पठानमाजरा को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस गई थी, जहां पुलिस के अनुसार उन्होंने गोलीबारी और पत्थरबाजी करके पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की थी।

इस दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया था। जिसके बाद मामला कोर्ट तक पहुंच गया। उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी थी, लेकिन कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। दिसंबर 2025 में, पटियाला कोर्ट ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया। ऑस्ट्रेलिया भाग गए हैं और वहां से इंटरव्यू भी दे रहे हैं। जिसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया। इसके बाद पठानमाजरा को एमपी से गिरफ्तार कर लिया गया।

सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर

राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि सीआरपीएफ में भेदभाव खत्म करने की मांग भी की

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीआरपीएफ शौर्य दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देश के जवानों को श्रद्धांजलि दी और उनके मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने अपने संदेश में सीआरपीएफ और अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों के साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि ये जवान हर दिन देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कांग्रेस नेता ने अपने पोस्ट में कहा, "आपका साहस और बलिदान हर दिन हमारे देश की रक्षा करता है। आप सीमाओं पर तैनात रहकर देश को सुरक्षित रखते हैं।

आतंकवाद और नक्सलवाद से लोहा लेते हैं और लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव, चुनावों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाते हैं।" उन्होंने कहा, "सच्ची श्रद्धांजलि केवल शब्दों से नहीं होती। वर्षों के त्याग, तपस्या और सेवा के बावजूद सीएपीएफ जवानों को न तो समय पर प्रमोशन मिलता है, न ही अपनी ही फोर्स का नेतृत्व करने का अधिकार - क्योंकि शीर्ष पद फोर्स से बाहर के लोगों के लिए आरक्षित हैं।" राहुल गांधी ने कहा, "सीएपीएफ के जवान विशेष प्रशिक्षण, जमीनी अनुभव और गहरी रणनीतिक समझ रखते हैं, इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा के नज़रिये से भी यह जरूरी है कि इन बलों का नेतृत्व उसी सिस्टम से आने वाले लोग करें, जो उनकी चुनौतियों और जरूरतों को सही मायनों में समझते हों।"

राहुल गांधी ने आगे अपने पोस्ट में कहा, "नेतृत्व के अवसरों से वंचित रखने से लेकर वेतन, कल्याण और सम्मान से जुड़े लंबे समय से लंबित मुद्दों तक- यह संस्थागत अन्याय उन जवानों के मनोबल को ठेस पहुंचाता है, जो अपना जीवन देश की सुरक्षा में समर्पित कर देते हैं। यह सिर्फ करियर का सवाल नहीं, बल्कि न्याय और सम्मान का मुद्दा है।" उन्होंने अपने पोस्ट के अंत में कहा, "मैं और कांग्रेस पार्टी आपका पूरा आदर और आपसे मोहब्बत करते हैं और ये मानते हैं कि अपने फोर्स में आपकी तरक्की, शीर्ष नेतृत्व और सम्मान आपका हक है।

हमारी सरकार आते ही इस भेदभावपूर्ण व्यवस्था को समाप्त किया जाएगा और सीएपीएफ जवानों को उनका पूरा अधिकार दिया जाएगा। देश आप वीरों का ऋणी है। अब समय है कि आपके साथ न्याय हो।"

गैस सिलिंडर फटने से लगी आग, सात बच्चों समेत 11 लोग झुलसे

यमुनानगर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भेड़थल गांव में वीरवार सुबह आठ बजे एक से दूसरे सिलिंडर में गैस पलटते समय आग लग गई। आग लगने का कारण पास में जल रहा चूल्हा था। जोरदार धमाके से तीन क्वार्टरों के बीच दो दीवारें गिर गईं। वहीं, लेंटर व साथ की दीवारों में दरारें आईं। तीनों क्वार्टर में मौजूद दो माह की बच्ची समेत 11 लोग झुलस गए। इनमें सात बच्चे, एक-एक महिला-युवती व दो पुरुष शामिल हैं, सभी बिहार के मधुबनी निवासी हैं।

सूचना पर डायल-112 की गाड़ी से बच्चों व महिलाओं को जगाधरी के उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से सभी को प्राथमिक उपचार के बाद चंडीगढ़ पीजीआइ रेफर कर दिया गया। भेड़थल गांव में बने क्वार्टरों में अपने परिवार संग रह रहे हैं। दोनों पास में ही प्लाई फैक्ट्रियों में काम करते हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि वीरवार सुबह रामशरण के क्वार्टर में एक से दूसरे एलपीजी के घरेलू सिलिंडर में गैस पलटी की जा रही थी। इसी दौरान गैस लीक होकर क्वार्टर में फैल गई।

रोहतक में खैरड़ी में बाबा साहेब की मूर्ति खंडितः गांव में तनाव का माहौल

रोहतक, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। खंड के गांव खैरड़ी में अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा डॉ। भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति को खंडित कर दिया गया। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, देर रात मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने इस वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। यह पूरी घटना पास के सरकारी स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, सुबह ग्रामीणों ने मौके पर खंडित मूर्ति को देखा तो रोष प्रदर्शन शुरू हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी राकेश कुमार, थाना प्रभारी सतपाल सिंह सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। साथ ही कई सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के कार्यकर्ता भी घटनास्थल पर जुटने लगे। ग्रामीण बलजीत अलडिया, मनोज अलडिया,के अनुसार, जिस स्थान पर यह घटना हुई है, वहां पहले "सद्भावना स्थल" बनाया गया था। बाद में गठबंधन सरकार के दौरान पूर्व सरपंच भूपेंद्र सेहरावत द्वारा कम्यूनिटी सेंटर का निर्माण करवाकर उसका नाम चौधरी देवीलाल के नाम पर रखा गया।

पुडुचेरी सीएम बाइक से वोट डालने पहुंचे

हिमंता ने कामाख्या मंदिर में पूजा की; एंटनी बोले- केरल में बीजेपी को कोई पसंद नहीं करता

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग चल रही है। कुल 296 सीटों पर मतदान हो रहा है। सुबह 11 बजे तक असम में 38.92%, केरलम में 33.28% और तीनों ही राज्यों में शांति से मतदान जारी है। पुडुचेरी के सीएम सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक मोटरसाइकिल से पहुंचे। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने भी सुबह-सुबह मतदान किया।

असम के सीएम हिमंता ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की है। उन्होंने जालुकवारी में वोट डाला। पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर ए.के. एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा- केरलम के लोग भाजपा को पसंद नहीं करते। राज्य में 10 साल के कुशासन की सरकार है। इसलिए इस बार सरकार बदलेगी। असम में 126 सीट पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे।

पुडुचेरी में 20 पार्टियां के 294 कैंडिडेट अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। तीनों राज्यों में करीब 10 लाख से ज्यादा वोटर्स पहली बार मतदान करेंगे। केरलम में 70 साल में पहली बार कोई सीएम हैट्रिक के लिए चुनाव लड़ रहा है। असम में बीजेपी हिमंता बिस्व सरमा के सहारे लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दांव खेल रही है।

जबकि पुडुचेरी में कांग्रेस से निकले एन. रंगास्वामी पांचवी बार सत्ता में काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं।

जनकपुरी गड्ढा केस

877 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में पेश, तीन आरोपियों के नाम शामिल

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के जनकपुरी गड्ढा केस में तीन आरोपियों के खिलाफ सात अप्रैल को न्यायालय में आरोपपत्र पेश किया गया है। यह आरोपपत्र कुल 877 पृष्ठों का है। आरोपियों में मुख्य ठेकेदार कंपनी केकेस्पन प्राइवेट इंडिया लिमिटेड के निलंबित निदेशक हिमांशु गुप्ता शामिल हैं। उनकी आयु 45 वर्ष है।

दूसरे आरोपी राजेश कुमार हैं, जो उक्त परियोजना के उप-ठेकेदार हैं। राजेश कुमार की आयु 47 वर्ष है। तीसरा आरोपी योगेश है, जिसकी आयु 23 वर्ष है। योगेश को आरोपी राजेश कुमार ने परियोजना में मजदूर के तौर पर तैनात किया था। अन्य आरोपितों और संदिग्धों के संबंध में जांच अभी जारी है।

बड़ी आईटी कंपनी में धर्मांतरण का खेल

9 पीड़ित सामने आए, युवक को नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया

नाशिक, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नाशिक जिले में एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में लड़कियों के शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। नाशिक पुलिस ने आईटी कंपनी के बीपीओ सर्विस के 6 टीम लीडर्स को गिरफ्तार किया है। इन सभी पर आरोप है कि ये लोग यहां काम करने वाली जूनियर लेवल की लड़कियों और महिलाओं का यौन शोषण कर रहे थे। यहां तक की कुछ लड़कियों का तो धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की गयी है। इस मामले में अभी तक 8 पीड़ित लड़कियां सामने आई हैं, जबकि एक जूनियर लेवल पर काम करने वाला लड़का भी है, जिसका धर्म परिवर्तन कराया गया है।

पुलिस को मिली शिकायत में बताया गया है कि आरोपी तैसीफ अत्तर, दानिश, शाहरुख शेख और रजा मेमन ने एक हिंदू युवक को धर्म बदलने के लिए मजबूर किया। इन लोगो ने कंपनी में एक हिंदू युवक को दोपहर में नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इसके अलावा, शिकायत में यह भी बताया गया है कि हिंदू युवक को बीफ मटन भी खिलाया गया। धर्म बदलने के बाद उसी युवक की तस्वीरें भी सामने आई हैं। पुलिस ने इन 6 टीम लीडर्स पर छेड़छाड़, बलात्कार, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज किया है। सभी टीम लीडर्स को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया है।

सबसे ज्यादा चौकाने वाली बात यह है कि इस तरह के मामलों से निपटने के लिए हर संस्थान में पॉश (प्रोटेक्शन ऑफ विमेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस) पॉलिसी लागू होती, जिसे सही तरीके से लागू कराने की जिम्मेदारी एचआर पर होती है। जब पीड़ित लड़कियां अपनी शिकायत लेकर एचआर हेड के पास गईं तो उन्होंने कहा कि ये सब तो एमएनसी में नार्मल बात है और आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने कंपनी के एचआर हेड के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया है।

मेरे चाचा और अंकल से संबंध बनाओ... नहीं मानी तो मार डाला, दिल्ली में खौफनाक कांड

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक 35 वर्षीय महिला की नृशंस हत्या का मामला सामने आया है। आरोपी प्रेमी ने अपनी प्रेमिका को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया क्योंकि वो उसके चाचा की हवस का शिकार बनने को तैयार नहीं थी। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी प्रेमी, उसके चाचा और चाचा के एक दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, यह पूरी वारदात दोपहर मंगोलपुरी के पत्थर मार्केट स्थित एक पेइंग गेस्ट (पीजी) आवास में हुई। मुख्य आरोपी 22 वर्षीय युवक एक चिकन की दुकान चलाता था और उसका उसी इलाके में रहने वाली शादीशुदा महिला के साथ प्रेम संबंध था। महिला घरों में साफ-सफाई का काम करती थी और उसके बच्चे भी हैं।

मोहाली टेंडर विवाद

हाई कोर्ट ने डिप्टी मेयर की याचिका की खारिज, पीजीआई के गरीब मरीजों की मदद करेंगे जुर्माने के पैसे

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने मोहाली में सड़कों के टेंडर आवंटन को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि अदालत का मंच निजी विवादों को जनहित का रूप देकर पेश करने के लिए नहीं है। अदालत ने याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया और इसे पीजीआइ के गरीब मरीज कल्याण कोष में 15 दिनों के भीतर जमा कराने के निर्देश दिए। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश शील नागू और जस्टिस संजीव बेरी की खंडपीठ ने की। याचिका मोहाली के डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह बेदी द्वारा दायर की गई थी, जिसमें 'मोहाली नेक्स्ट जेनरेशन प्रोग्राम' के तहत सड़कों के उन्नयन, री-सरफेसिंग और सौंदर्यीकरण से जुड़े टेंडर प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए गए थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता ने अपनी राजनीतिक संबद्धता का खुलासा करते हुए हलफनामा तो दायर किया, लेकिन याचिका में प्रस्तुत तथ्यों में गंभीर विसंगतियां सामने आईं। कोर्ट ने विशेष रूप से उस तालिका का उल्लेख किया जिसमें चंडीगढ़ के न्यू चंडीगढ़ स्थित मेडिसिटी में 45 मीटर चौड़ी सड़क पर बागवानी कार्य का उल्लेख था, जबकि अन्य कार्य अलग-अलग ठेकेदारों को आवंटित बताए गए थे।

पंजाब चुनाव में इस बार दो नए सियासी दल करेंगे एंट्री

बढ़ेगी आप और कांग्रेस की मुश्किल?

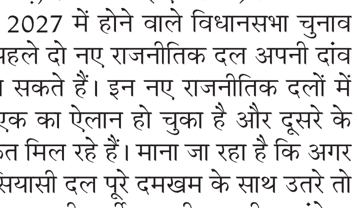

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दो नए राजनीतिक दल अपनी दांव चल सकते हैं। इन नए राजनीतिक दलों में से एक का ऐलान हो चुका है और दूसरे के संकेत मिल रहे हैं। माना जा रहा है कि अगर ये सियासी दल पूरे दमखम के साथ उतरे तो आम आदमी पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल, भारतीय जनता पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकतीं हैं। सबसे पहले बात करते हैं नवजोत कौर सिद्धू की। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से निष्कासित सिद्धू ने बीते दिनों भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का ऐलान किया है।

उन्होंने कहा है कि पार्टी का मकसद राज्य को स्वर्ण राज्य बनाने का होगा। उनके इस बयान से यह संकेत मिल रहे हैं कि वर्ष 2027 के चुनाव में उनकी पार्टी पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी। जानकारों की मानें तो उनका पहला निशाना, कांग्रेस होगी। कांग्रेस हाईकमान पर रुपये के बदले सीएम बनाने का आरोप लगा चुकीं सिद्धू ने यह भी दावा किया है कि साल 2022 के असेंबली इलेक्शन्स के बाद उनके पति और पूर्व सांसद नवजोत सिंह सिद्धू भी कांग्रेस में नहीं हैं। हालांकि नई पार्टी और पत्नी के इस बयान पर अभी तक नवजोत सिंह सिद्धू खामोश हैं।

उधर, आम आदमी पार्टी के नेता और पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भी नई पार्टी बनाने के संकेत दिए हैं। सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर चड्ढा ने यह संकेत दिए हैं। चड्ढा ने जो स्टोरी शेयर की है उसमें उन्हें नया राजनीतिक दल ऐलान करने की सलाह दी गई है। न सिर्फ नया राजनीतिक दल बनाने बल्कि उन्हें राजनीतिक दल का नाम - जेन जी के नाम पर रखने का मशवरा भी दिया गया है।

बता दें जब आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा को उच्च सदन में डिप्टी लीडर के पद से हटाया, उसके बाद उन पर आरोप लगाए गए कि वह पंजाब से सदस्य होने के बाद भी राज्य का मुद्दा उठाने में असफल रहे। इन आरोपों के बाद चड्ढा ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह पंजाब मेरे लिए सिर्फ बात करने की नहीं बल्कि मेरा घर, कर्तव्य, मिट्टी और आत्मा है।

दिल्ली ब्लास्ट

पांच आरोपियों की न्यायिक हिरासत 10 दिन और बढ़ी

श्रीनगर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। लाल किला के पास हुए धमाके के मामले में गिरफ्तार पांच आरोपियों की न्यायिक हिरासत 10 दिन और बढ़ा दी है। मामले की सुनवाई राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अधिनियम के तहत नामित विशेष अदालत (श्रीनगर) में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मनजीत राय के समक्ष हुई। आरोपियों में जमीर अहमद अहंगर (गांदरबल), मौलवी इरफान अहमद वागे (शोपियां), डॉ। मुजम्मिल शकील गनी (पुलवामा), डॉ। अदील अहमद राथर (काजीगुंड) और शाहीन सईद (लखनऊ/फरीदाबाद) शामिल हैं।

सभी आरोपियों को तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अदालत में पेश किया गया। वे पहले से ही दिल्ली की एनआईए अदालत के आदेश पर न्यायिक हिरासत में हैं। अदालत ने टिप्पणी की कि आरोप गंभीर हैं और ये देश की सुरक्षा, संप्रभुता व अखंडता के लिए खतरा पैदा करते हैं। ऐसे में आरोपियों की हिरासत जारी रखना आवश्यक है। अदालत ने सभी आरोपियों को नौ अप्रैल से 20 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए।

साथ ही जेल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आरोपियों की नियमित चिकित्सकीय जांच की जाए। मामले की अगली सुनवाई निर्धारित अवधि के बाद की जाएगी।

गैंगस्टर लॉरेंस के केस का रिकॉर्ड नष्ट

चंडीगढ़ पुलिस का कोर्ट में जवाब, डीएवी कॉलेज फायरिंग केस में नया मोड़

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सेक्टर-10 स्थित डीएवी कॉलेज में हुई फायरिंग केस में अब नया मोड़ आया है। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि 14 साल पुराने इस केस का रिकॉर्ड नष्ट हो चुका है। इससे सुनवाई पर भी असर पड़ता नजर आ रहा है। केस में छह आरोपित बरी किए जा चुके हैं और अब केवल गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ ही सुनवाई जारी है। उसे पहले भगोड़ा घोषित किया गया था। आरोप तय किए जाने के बाद अब मामले का ट्रायल चल रहा है। 2012 में हुई हिंसक छात्र झड़प और हत्या के प्रयास के मामले में बुधवार को सुनवाई हुई थी।

बचाव पक्ष के वकील हरीश भारद्वाज के अनुसार ट्रायल के दौरान पुलिस ने कोर्ट में स्पष्ट कहा कि इतने पुराने मामले का रिकॉर्ड अब उपलब्ध नहीं है। इस केस में एक अहम गवाह नवनीत सिंह भी अपने बयान से मुकर चुका है और अदालत में आरोपित को पहचानने से इनकार कर चुका है, जिसके बाद उसे होस्टाइल घोषित कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक मार्च 2012 में पंजाब यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति से जुड़े दो छात्र संगठनों के समर्थकों के बीच विवाद हुआ था।

इसके बाद सभी छात्र सेक्टर-10 स्थित डीएवी कॉलेज में आयोजित स्टार नाइट कार्यक्रम में पहुंचे। आरोप है कि स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन ऑफ पंजाब यूनिवर्सिटी (सोपू) से जुड़े युवकों का एक समूह लॉरेंस और अमनदीप सिंह मुल्तानी के नेतृत्व में कॉलेज के पिछले गेट का ताला तोड़कर अंदर घुस आया। पूसू समर्थकों पर हमला किया।

हड़ताली कर्मचारियों पर लाठीचार्ज

एक का सिर फूटा, 20 घायल, पुलिस की बाइक फूंकी, गाड़ी तोड़ी

गुरुग्राम, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर में धारा 163 लागू होने के बाद आज गुरुवार को आईएमटी के बाहर हड़ताली कर्मचारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। होंडा कंपनी के बाद आधा दर्जन से ज्यादा कंपनियों के कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे थे, जिससे कंपनियों का काम ठप हो गया। कर्मचारी काम पर लौटने के लिए तैयार नहीं थे। उन्हें फैक्ट्री गेट के पास इकट्ठा होने से रोका जा रहा था, जिसके बाद पुलिस की टीमें एकदम से कर्मचारियों को खदेड़ने लगी। लाठीचार्ज के बाद भगदड़ मच गई। इसमें 20 प्रदर्शनकारी घायल हो गए। वहीं, एक कर्मचारी के सिर में लाठी लगने से काफी खून बहने लगा, जिसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि यहां धारा 163 लागू है और किसी भी तरह का धरना प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है।

थार को साइड न देने पर ड्राइवर-कंडक्टर पर जानलेवा हमला, पुलिस ने आरोपियों को 'चिट्टा' के साथ पकड़ा

कांगड़ा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल के कांगड़ा जिले में बदमाशों ने एक प्राइवेट बस के ड्राइवर और कंडक्टर पर सिर्फ इसलिए जानलेवा हमला कर दिया, क्योंकि बस ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक करने के लिए रास्ता नहीं दिया था। घटना भवारना थाना क्षेत्र की है। बैरघट्टा में बुधवार रात बीड़ से दिल्ली जा रही एक निजी वॉल्वो बस को रास्ता न देने के विवाद में महिंद्रा थार सवार बदमाशों ने न केवल बस के चालक-परिचालक बल्कि एक अन्य बस के कर्मी सहित चार लोगों पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने इस दौरान दहशत फैलाने के उद्देश्य से हवाई फायरिंग भी की। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए पंजाब के रहने वाले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, बीड़-दिल्ली वॉल्वो बस और रामदलाल बस के स्टाफ के साथ थार सवारों का विवाद ओवरटेक करने को लेकर हुआ। गुस्साए बदमाशों ने बस को रुकवाया और हथियारों के साथ हमला बोल दिया। इस हमले में वॉल्वो चालक सुंदर सिंह (मंडी), राज कुमार (कांगड़ा), विजय कुमार (मंडी) और परिचालक प्रवेश कुमार (कांगड़ा) बुरी तरह घायल हो गए। चंबा निवासी परिचालक अविनाश के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

पार्थ पवार बने राज्यसभा सांसद, उपराष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पार्थ पवार गुरुवार को आधिकारिक रूप से राज्यसभा के सदस्य बन गए हैं। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को संसद भवन में पार्थ अजित पवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। एनसीपी के पार्थ पवार महाराष्ट्र से निर्वाचित होकर राज्यसभा पहुंचे हैं। गौरतलब है कि पार्थ पवार महाराष्ट्र के एक प्रमुख राजनीतिक परिवार से संबंध रखते हैं। वे दिवंगत अजित पवार के पुत्र हैं और शरद पवार के पोते हैं। अजित पवार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री थे। इसी साल एक विमान दुर्घटना में अजित पवार का निधन हो गया था, जिसके बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला। अजित पवार के निधन के कुछ ही समय बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने राज्य की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने पति के निधन के कुछ दिनों बाद ही महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली और इसके साथ ही पार्टी की जिम्मेदारियां भी संभालीं। इससे पहले सुनेत्रा पवार राज्यसभा की सदस्य थीं, लेकिन बाद में उन्होंने उस पद से इस्तीफा दे दिया ताकि वे राज्य सरकार में अपनी नई भूमिका निभा सकें। सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के कारण राज्यसभा की जो सीट खाली हुई, उसी सीट पर पार्थ पवार को निर्वाचित किया गया। यह दिल्ली में उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। गुरुवार को हुए इस शपथ ग्रहण समारोह में पार्थ पवार ने संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली। इसके साथ ही, वे देश के उच्च सदन का हिस्सा बन गए हैं, और अब वे राष्ट्रीय स्तर पर कानून निर्माण और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी भागीदारी निभाएंगे। शपथ ग्रहण के दौरान उपराष्ट्रपति के अलावा नेता सदन और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश व अन्य व्यक्ति मौजूद रहे। गौरतलब है कि इससे कुछ दिन पहले 6 अप्रैल को पार्थ के दादा व अजीत पवार के चाचा शरद पवार ने राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली थी। तब महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से चुनकर आए अन्य नेताओं ने भी राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली थी। राज्यसभा में कुल 19 सदस्यों ने सोमवार शपथ ली थी। इनमें एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, केंद्रीय मंत्री व महाराष्ट्र की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के नेता रामदास आठवले, एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता थंबीदुरई व डीएमके के तिरुची शिवा जैसे वरिष्ठ नेता शामिल थे। ये सभी नेता से फिर से राज्य सभा के सदस्य बने हैं।

पाकिस्तान की नापाक साजिश

दहशत फैलाने को पंजाब भेजे जा रहे पाकिस्तानी सेना के हैंड ग्रेनेड, देसी पिस्तौल पर विदेशी मार्का

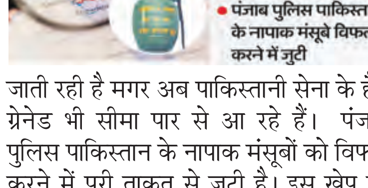

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में दहशत फैलाने के लिए सीमा पार से पाकिस्तान सेना के हैंड ग्रेनेड भेजे जा रहे हैं। इन हैंड ग्रेनेडों को यहां गैंगस्टरों और उनके गुर्गों को उपलब्ध करवाकर आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की कोशिशें की जा रही हैं। इस नापाक काम में पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई का बड़ा हाथ है। पिछले दिनों जांच में जुटी पंजाब पुलिस को कुछेक हैंड ग्रेनेड ऐसे मिले जिन्हें पाकिस्तान की ऑर्डिनेंस फैक्टरी (पीओएफ) में तैयार किया गया था। इस आयुध फैक्टरी में पाकिस्तानी सेना के लिए हथियार, कारतूस, गोला, बारूद व अन्य सैन्य उपकरणों के साथ-साथ यह हैंड ग्रेनेड भी तैयार किए जाते हैं।

कुछ महीने पहले बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने भी सीमा पार से आए कुछ ऐसे कारतूसों की खेप पकड़ी थी जिन्हें पाकिस्तानी आयुध फैक्टरी में ही तैयार किया गया था। पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चीन निर्मित हैंड ग्रेनेड की खेप तो पाकिस्तान से पंजाब भिजवाई जाती रही है मगर अब पाकिस्तानी सेना के हैंड ग्रेनेड भी सीमा पार से आ रहे हैं। पंजाब पुलिस पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को विफल करने में पूरी ताकत से जुटी है। इस खेप को भारत में प्राप्त करने के लिए आईएसआई ने यहां स्थानीय लोगों का नेटवर्क भी खड़ा किया था। इसी नेटवर्क के कुछेक गुर्गे पकड़े गए हैं जबकि बाकी कड़ियों को भी तलाशा जा रहा है। पंजाब पुलिस ने पिस्तौलों की कई खेप समय-समय पर पकड़ी हैं।

पुलिस की विशेष इकाइयां इन मामलों की जांच में जुटी हुई हैं। ऐसी ही एक जांच में यह खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान अपनी देसी पिस्तौलों पर विदेशी मार्का लगाकर पंजाब भेज रहा है ताकि यहां गैंगस्टरों के गिरोहों को आकर्षित किया जा सके। पंजाब पुलिस के एक अधिकारी बताते हैं कि पाकिस्तान में विदेशी पिस्तौलों की नकल कर देसी पिस्तौलें बनाई जा रही हैं और उन पर विभिन्न देशों में निर्मित होने (मेड इन) का मार्का लगाकर पंजाब में भेजा जा रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2026 3

सुविचार: भगवान का बच्चा होने का अर्थ है-उनकी विशेषताओं को स्वयं में प्रत्यक्ष करना

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर फैसला सुरक्षित

चुनाव प्रभावित करने के लिए सुनियोजित प्लान था

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाई कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा है। पवन खेड़ा असम पुलिस की ओर से उनके खिलाफ जालसाजी और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज करने के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचे थे। इस बीच असम पुलिस के एफआईआर में उनके खिलाफ दर्ज जानकारी सामने आ गई है।

असम पुलिस की ओर से पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज एफआईआर के अनुसार, उन्होंने गुवाहाटी के प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां के खिलाफ एकाएक आरोप नहीं लगाए थे, बल्कि यह एक 'सुनियोजित योजना का हिस्सा था।' 3एफआईआर के अनुसार, पवन खेड़ा की ओर से लगाए गए आरोप, 'दुर्भावना से जानबूझकर, आपराधिक इरादे से और गंभीर अंजाम की पूरी जानकारी के साथ' लगाए गए थे। एनडीटीवी ने एफआईआर की कॉपी के आधार पर यह रिपोर्ट दी है। एफआईआर के अनुसार ये बयान मतदान के कुछ ही दिन पहले दिए गए। यह (बयान) नागरिकों को गुमराह करने, सार्वजनिक शांति भंग करने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए (दिए गए)। एफआई में यह भी कहा गया है कि कांग्रेस नेता का भाषण, राजनीतिक भाषण नहीं था,बल्कि फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल करके ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक नुकसान पहुंचाने के इरादे से किया गया एक कोऑर्डिनेटिड पब्लिसिटी एक्सरसाइज था।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां ने पवन खेड़ा के खिलाफ यह शिकायत गुवाहाटी ग्राइम ब्रांच थाने में दर्ज कराई है। यह एफआईआर बीएनएस की कई आपराधिक धाराओं में दर्ज है, जिसमें चुनाव से संबंधित गलत बयान देने और धोखाधड़ी की धाराएं भी शामिल हैं। हिमंत बिस्व सरमा और उनकी पत्नी ने कांग्रेस नेता के आरोपों को 'झूठा, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण'बताकर खारिज किया है। पवन खेड़ा कांग्रेस के मीडिया और पब्लिसिटी डिपार्टमेंट के हेड हैं। खेड़ा ने गुवाहाटी में प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाया था कि रिंकी भुइयां के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं और विदेशों में प्रॉपर्टी भी है, जिसकी जानकारी सीएम के चुनावी हलफनामे में नहीं है। इसी के बाद उनके खिलाफ रिंकी भुइयां की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई है। एफआईआर के बाद से असम पुलिस पवन खेड़ा की तलाश में है और वे हैदराबाद में हैं। असम पुलिस उनके दिल्ली वाले घर पर भी छापेमारी कर चुकी है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने ही बताया है कि वे गिरफ्तारी के डर से हैदराबाद चले गए। तेलंगाना हाई कोर्ट में उन्होंने ट्रांजिट अग्रिम जमानत की अर्जी दी है, जिसपर फैसला सुरक्षित है।

मुख्यमंत्री को हटाने की मांग पर टीपीसीसी अध्यक्ष का पलटवार

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को हटाने की मांग को लेकर पूर्व मंत्री टी जीवन रेड्डी पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने जीवन रेड्डी की टिप्पणियों को अनुचित बताते हुए कहा कि जनता उनकी आलोचना को गंभीरता से नहीं लेगी। गुरुवार को गांधी भवन में मीडिया से बातचीत के दौरान गौड़ ने कहा कि जीवन रेड्डी को यह नहीं भूलना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी ने उन्हें 14 बार बी-फॉर्म दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के अंदर की स्थिति को समझकर उसी के अनुसार कार्य करना चाहिए था। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री को हटाने की मांग करने के उनके अधिकार पर भी सवाल उठाया। गौड़ ने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा का रवैया एक जैसा है।

विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी से ठगे गए 1 लाख रुपये

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी साइबर ठगी का शिकार बन गए हैं और उनके खाते से 1 लाख रुपये ठग ले गए। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 5 अप्रैल को हैदराबाद में हुई। एक अज्ञात कॉलर ने खुद को वित्त विभाग का अतिरिक्त सचिव बताकर विधायक से संपर्क किया और कहा कि केंद्र सरकार की योजना के तहत बेरोज़गार युवाओं के लिए 10 लाख रुपये तक के ऋण उपलब्ध कराए जा सकते हैं। ठग ने राजेश्वर रेड्डी को यह भरोसा दिलाया कि प्रत्येक लाभार्थी के लिए 2,500 रुपये की प्रोसेसिंग फीस देना आवश्यक है। युवाओं की मदद करने की इच्छा में विधायक ने फोन- पे के माध्यम से 1 लाख रुपये भेज दिए। हालाँकि, बाद में असली वित्त विभाग से संपर्क करने पर उन्हें पता चला कि ऐसी कोई योजना या कॉल अस्तित्व में ही नहीं थी। ठगी का अहसास होते ही विधायक ने जुबिली हिल्स पुलिस स्टेशन के साइबर क्राइम विंग में शिकायत दर्ज कराई।

श्रद्धालु भीड़ को देखते हुए बड़े पैमाने पर योजना बनाई जाए : रामकृष्णा राव

गोदावरी पुष्करम की तैयारियों की समीक्षा, व्यापक इंतजाम के निर्देश

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने आगामी वर्ष आयोजित होने वाले गोदावरी पुष्करम के मद्देनजर व्यापक और सुचारु व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। राज्य सचिवालय में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में, जिसमें बंदोबस्त विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामअय्यर और आयुक्त हनुमंता राव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, मुख्य सचिव ने संभावित भारी श्रद्धालु भीड़ को देखते हुए बड़े पैमाने पर योजना बनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि गोदावरी नदी का प्रवाह निजामाबाद के कंदकुर्थी से लेकर बासर और भद्राचलम तक आठ जिलों में फैला हुआ है, ऐसे में सभी स्थानों पर समन्वित व्यवस्थाएं करना आवश्यक है। मुख्य सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री पहले ही दिशा-निर्देश जारी कर चुके हैं और अधिकारियों को कैबिनेट उपसमिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है। साथ ही, इंजीनियर-इन-चीफ और मुख्य अभियंताओं की समिति को सभी प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के सुचारु प्रबंधन के लिए सूक्ष्म योजना और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक होगा।

बढ़ते सड़क हादसों को रोकने के लिए कलेक्टर्स को सीएस ने दिए निर्देश

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने गुरुवार को जिले के कलेक्टर्स के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ''अराइव अलाइव'' कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समीक्षा की। यह कार्यक्रम 99-दिन प्रजा पालना प्रगति प्रणाली के तहत एक प्रमुख पहल है।

मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार द्वारा कई सड़क सुरक्षा उपाय सक्रिय रूप से लागू किए जा रहे हैं, बावजूद इसके सड़क हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने इसके लिए तेज़ी से बढ़ती वाहनों की संख्या, बेहतर सड़क ढांचा और इससे उच्च गति, अपर्याप्त ड्राइवर प्रशिक्षण, ओवर-स्पीडिंग और लापरवाह ड्राइविंग को जिम्मेदार ठहराया। मुख्य सचिव ने कलेक्टर्स को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने और स्थानीय जरूरतों के अनुसार रचनात्मक उपाय विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला सड़क सुरक्षा समिति की तत्काल बैठकें बुलाकर सप्ताह भर चलने वाले ''अराइव अलाइव'' कार्यक्रम की योजना बनाने और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी अनिवार्य होगी ताकि जनता तक संदेश प्रभावी रूप से पहुँच सके और समुदायिक सहभागिता सुनिश्चित हो। ''अराइव अलाइव'' कार्यक्रम राज्य भर में 13 से 18 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। मुख्य सचिव ने कहा कि कार्यक्रम की सफलता समन्वित प्रयासों, जनता की भागीदारी और लगातार जागरूकता अभियानों पर निर्भर करती है, और इसका अंतिम लक्ष्य जीवन बचाना और राज्य भर में सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित करना है। डीजीपी शिवधर रेड्डी ने बताया कि यह कोई सामान्य अभ्यास नहीं है, बल्कि विभिन्न विभागों के समन्वय से चलाया जाने वाला व्यापक प्रयास है। उन्होंने बताया कि पैदल यात्रियों और दोपहिया चालकों का आंकड़ा सड़क हादसों में सबसे अधिक है, और इसके लिए लक्षित जागरूकता अभियान जरूरी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले तीन महीनों में सड़क सुरक्षा उपायों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Nurjahan, W/o, No. 13846736M, TS Naik, Mohammad Ibrahim, R/o, Dist : Medchal-Malkajgiri, Telangana, changed my name from Nurjahan to Mohammad Noorjahan, vide Affidavit No. BU 311234 dt. 06.04.2026, before Spl Judicial Magistrate, at L B Nagar.

I, JC 768178F, Sub Maj, Hony Capt, Biji Kumar S, R/o, Dist: Alappuzha, Kerala, changed my Mother's name from B Kalpakavalli to Kalpakavalli vide Affidavit No. 466242 dt. 07.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , JC 768178F, Sub Maj, Hony Capt, Biji Kumar S, R/o, Dist : Alappuzha, Kerala, changed my Father's name from G Sarasan to Sarasan vide Affidavit No. 466244 dt. 07.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14651394A, Hav, Narendra Kar, R/o, Dist: Raipur, Chhattisgarh, changed my Mother's name from Tapashwantbai Kar to Tapasvani Kar vide Affidavit No. 466247 dt. 07.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 14650992 L, Hav, Balbir Singh Sikarwar, R/o, Dist: Morena, Madhya Pradesh, changed my Daughter's name from Arati Kumari to Arti Kumari vide Affidavit No. 466249 dt. 07.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14650992L, Hav, Balbir Singh Sikarwar, R/o, Dist: Morena, Madhya Pradesh, changed my Son's name from Abhisek Singh Sikarwar to Abhishek Singh vide Affidavit No.466250 dt. 07.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 772286H, Sub, Kuldeep Singh, R/o, Dist: Karnal, Haryana changed my Mother's name from Roshani Devi to Roshni Devi vide Affidavit No.466252 dt. 07.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 14651482 W, Hav, Bhupendra Singh, R/o, Dist: Bemetara, Chhattisgarh, changed my Mother's name from Nandni Bai to Nandani Singh vide Affidavit No. 466254 dt. 07.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14652731W, Hav, Arjun Sarma, R/o, Dist : Dibrugarh, Assam, changed my Son's name from Krish Sharma to Krish Sarma vide Affidavit No. 466263 dt. 07.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 14650998M, Hav, Dinesh Singh Kushwah, R/o, Dist: Gwalior, Madhya Pradesh, changed my Daughter's name from Deepika to Deepika Singh vide Affidavit No.466267 dt. 07.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , Bhosale Ramesh Dnyoba, Father of No. 17006836M, NK, Bhosale Sopan Rao Ramesh, R/o, Dist : Latur, Maharashtra, changed my name from Bhosale Ramesh Dnyoba to Ramesh Dnyanoba Bhosle vide Affidavit No. 466280 dt. 08.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Bhosale Sheshekala Ramesh, Mother of, No. 17006836M, NK, Bhosale Sopan Rao Ramesh,R/o, Dist : Latur, Maharashtra, changed my name from Bhosale Sheshekala Ramesh to Shashikala Bai Ramakant Bhosle, vide Affidavit No. 466282 dt. 08.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

रंगारेड्डी जिला कांग्रेस बैठक में शामिल हुए सांसद

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष चेला नरसिंहाराव रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित जिला कांग्रेस पार्टी 'पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी' (पीएसी) की महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए भुवनगिरी सांसद चामल किरण कुमार रेड्डी रहे। इस अवसर पर सांसद चामल ने कहा, "पार्टी के लिए लगातार मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं को हमेशा उचित स्थान मिलेगा।

सभी नेता समन्वय के साथ कार्य करें और जनता और सरकार के बीच सेतु का काम करें। आने वाले दिनों में रंगारेड्डी जिले में पार्टी को और अधिक मजबूत और अडिग शक्ति के रूप में स्थापित करना हमारा लक्ष्य है।" बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्लूसी) के सदस्य वंशीचंद रेड्डी, इब्राहिमपट्नम विधायक मल रेड्डी रंगारेड्डी, शामशाबाद विधायक वीरलपल्ली शंकर और कल्वाकुर्ती विधायक कसिरेड्डी नारायण रेड्डी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चेवेल्ला और मोहिनाबाद के नगरपालिका अध्यक्ष, जिला कांग्रेस पार्टी के मुख्य नेता, संबद्ध संगठनों के अध्यक्ष और निर्वाचित विधायकगण समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

कोत्तागुडेम, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पालोंचा स्थित वेंगल राव कॉलोनी में बुधवार को छठी कक्षा के एक छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान भुक्या महेंद्र (12) के रूप में हुई है, जो केटीपीएस आवासीय क्वार्टर परिसर में स्थित डीएवी स्कूल में पढ़ता था। पुलिस के अनुसार, दोस्तों से झगड़ा होने के बाद माता-पिता द्वारा डांट लगाने से वह आहत हो गया था। इसी के चलते उसने देर शाम अपने घर में छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। काफी देर बाद जब परिजनों ने उसे देखा तो तत्काल पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

श्मशान घाट में मिला आंशिक रूप से जला शव, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल के बीरप्पागड्डा स्थित श्मशान घाट में गुरुवार को आंशिक रूप से जला हुआ शव मिलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और श्मशान घाट के पर्यवेक्षकों ने परिसर में शव पड़ा देखा, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का निरीक्षण किया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया, जहां फोरेंसिक डॉक्टर मौत के कारणों का पता लगाएंगे।

पुलिस के अनुसार, शवदाह गृह के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि शव वहां कैसे पहुंचा। सामान्य तौर पर शवदाह गृह के अधिकारियों को पहले सूचना दी जाती है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ, जिससे संदेह और बढ़ गया है। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की साइबर क्राइम पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक अभिनेत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, आरोपी इददासु अप्पाराव विशाखापत्तनम का निवासी है। उसने कथित रूप से फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर अभिनेत्री रेणु देसाई से संबंधित एक रील पर अभद्र टिप्पणी की थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच के जरिए अकाउंट का पता लगाया और आरोपी की पहचान कर उसे विशाखापत्तनम से गिरफ्तार कर लिया। उसे हैदराबाद के गच्चीबौली स्थित साइबर क्राइम थाने लाया गया, जहां जांच के दौरान उसने टिप्पणी पोस्ट करने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से सतर्क और जिम्मेदार रहने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि अभद्र या मानहानिकारक सामग्री पोस्ट करने पर कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। साथ ही, लोगों से साइबर अपराध की शिकायत नजदीकी साइबर क्राइम थाने में करने या 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करने का आग्रह किया गया है।

साइबर अपराध पर शिकंजा, 7 मामलों में 10 गिरफ्तार

74 लाख रुपये की वापसी सुनिश्चित

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ अभियान तेज करते हुए 1 से 7 अप्रैल 2026 के बीच 7 मामलों का खुलासा कर 10 आरोपियों को देश के विभिन्न राज्यों से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई देशभर में फैले साइबर अपराध नेटवर्क की बढ़ती सक्रियता को दर्शाती है। पुलिस के अनुसार, दर्ज मामलों में ट्रेडिंग धोखाधड़ी के 4 मामलों में 4 गिरफ्तारियां, पार्ट-टाइम नौकरी धोखाधड़ी के 1 मामले में 4 गिरफ्तारियां, लोन फ्रॉड के 1 मामले में 1 गिरफ्तारी तथा डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के 1 मामले में 1 गिरफ्तारी शामिल है। इस बीच, पीड़ितों को बड़ी राहत देते हुए पुलिस ने 46 मामलों में 258 रिफंड आदेश हासिल कर लगभग 74.28 लाख रुपये की वापसी सुनिश्चित कराई है। एक प्रमुख मामले में 33.44 लाख रुपये की पार्ट-टाइम जॉब ठगी का खुलासा हुआ, जिसमें ठगों ने व्हाट्सएप के जरिए फर्जी ऑनलाइन टास्क का लालच देकर निवेश के नाम पर रकम ऐंठी। बाद में नकली ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर फर्जी मुनाफा दिखाकर निकासी बंद कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने कोंडूरु वेणु, परसानाबोइना वामशी, ए. हरि कुमार और मालागुंडला नरेश को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार किया। ये आरोपी ठगी की रकम को ट्रांसफर करने के लिए बैंक खातों की व्यवस्था करते थे। साइबर क्राइम पुलिस ने नागरिकों को सावधान करते हुए कहा है कि व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर मिलने वाले फर्जी पार्ट-टाइम जॉब ऑफर, अग्रिम भुगतान की मांग तथा संदिग्ध लिंक, ऐप और निवेश प्लेटफॉर्म से सतर्क रहें। साइबराबाद के साइबर क्राइम पुलिस उपायुक्त टी. साई मनोहर ने कहा कि विभाग साइबर अपराध पर सख्ती से कार्रवाई जारी रखेगा।

आगामी चुनाव में सीएम की हार का दावाःजीवन रेड्डी

जगतियाल, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ राजनीतिक नेता टी जीवन रेड्डी ने दावा किया है कि आगामी चुनावों में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की हार तय है। गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मौजूदा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार की सराहना करते हुए कहा कि उसका दस साल का कार्यकाल वर्तमान कांग्रेस सरकार के दो साल के शासन से कहीं बेहतर रहा। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में बीआरएस जीत हासिल कर फिर से सत्ता में आएगी।

10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया राजस्व निरीक्षक

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की करीमनगर इकाई ने एक राजस्व निरीक्षक को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, आरोपी सेडांका श्रीमन अंतर्गाम मंडल के तहसीलदार कार्यालय में राजस्व निरीक्षक के पद पर कार्यरत है। उसने शिकायतकर्ता से उसकी मां की जमीन से संबंधित मामले में अनुकूल रिपोर्ट देने के लिए रिश्वत की मांग की थी। यह रिश्वत 'भू भारती अधिनियम—2025' के तहत फील्ड जांच करने और सकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बदले मांगी गई थी। शिकायत मिलने पर एसीबी ने जाल बिछाकर आरोपी को तहसीलदार कार्यालय में ही रिश्वत लेते समय पकड़ लिया। उसके पास से रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली गई। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए निजी लाभ के लिए बेईमानी की। उसे हिरासत में लेकर करीमनगर स्थित विशेष न्यायाधीश (एसपीई एवं एसीबी मामलों) की अदालत में पेश किया जाएगा, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है। एसीबी ने नागरिकों से अपील की है कि रिश्वत से संबंधित शिकायतें टोल फ्री नंबर 1064 पर दर्ज कराएं।

राजनीतिक लोकतंत्र के साथ आर्थिक लोकतंत्र भी आवश्यक : न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को जोर देकर कहा कि भारत में सच्चा लोकतंत्र तभी साकार हो सकता है जब राजनीतिक लोकतंत्र के साथ आर्थिक लोकतंत्र भी सुनिश्चित हो। डॉ. बी. आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) और चांचलगुड़ा के सरकारी डिग्री कॉलेज के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''आर्थिक सुधार और भारतीय संविधान: संघर्ष, विरोधाभास और आगे के रास्ते'' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति रेड्डी ने कहा कि बी. आर. अंबेडकर केवल संविधान के शिल्पकार ही नहीं थे, बल्कि एक विशिष्ट अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने बताया कि संविधान में निहित रूप से समाजवादी आदर्श झलकते हैं, विशेषकर समानता और न्याय पर जोर देने के माध्यम से। उन्होंने कराची प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए कहा कि इसने भारत में सामाजिक और आर्थिक अधिकारों की नींव रखी।

न्यायमूर्ति रेड्डी ने भूमिसुधारों, विशेषकर ज़मींदारी प्रथा के उन्मूलन को समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया, साथ ही आधुनिक समय में बढ़ती तानाशाही प्रवृत्तियों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी दी। बीआरएओ के कुलपति घंटा चक्रपाणि ने उच्च शिक्षा में घटते सार्वजनिक निवेश और निजी विश्वविद्यालयों के तेजी से विस्तार पर चिंता व्यक्त की और सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत करने तथा शिक्षा के मूल्यों की रक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस प्रभात पटनायक ने सार्वजनिक कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख क्षेत्रों पर राज्य नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने धन और वारिस कर जैसे संपत्ति पुनर्वितरण उपायों की वकालत की और असमानता व संपत्ति के शीर्ष एक प्रतिशत में केंद्रीकरण की चेतावनी दी।

शैक्षणिक निदेशक पुष्पा चक्रपाणि ने 1991 के बाद आर्थिक सुधारों के संदर्भ में सामाजिक और आर्थिक न्याय की निरंतर प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में शिक्षाविद्, शोधकर्ता और नीति निर्माता शामिल हुए, जिन्होंने आर्थिक सुधारों को संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप करने और समावेशी विकास सुनिश्चित करने पर विचार-विमर्श किया। संगोष्ठी निदेशक प्रो. पी. वेंकटेश्वरलु ने 1948 की औद्योगिक नीति के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि आर्थिक सुधार संविधानिक सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए। संगोष्ठी में प्रो. कृष्णा रेड्डी, प्रो. जी. नागोजी, प्रो. ई. सुधा रानी, प्रो. पल्लवी कबड़े, प्रो. आनंद पवार, प्रो. श्रीनिवास वड्डनम, प्रो. पी. वेंकट रामना, प्रो. जी. दयाकर, प्रो. के. श्रीदेवी, प्रो. प्रमीला सहित बीआरएओ और सरकारी डिग्री कॉलेज, चांचलगुड़ा के शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारी भी उपस्थित थे।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान

National Institute of Indian Medical Heritage

040-24067388
9493627388

अधिसूचना. 02/2026

इस संस्थान में उपलब्ध विभिन्न परियोजनाओं के लिए पैनल तैयार करने हेतु **वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (आयुर्वेद)**, **कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता (मेडिकल रिकॉर्ड्स)** और **कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता (इतिहास/पुरातत्व/नृविज्ञान)** के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक अभ्यार्थी पूर्ण विवरण और आवेदन संबंधी आवश्यकताएं आधिकारिक वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड कर सकते हैं। किसी भी अन्य स्पष्टीकरण के लिए, कृपया सभी कार्य दिवसों में कार्यालय समय के दौरान मोबाइल नंबर 9493627388 पर संपर्क करें।

प्रभारी सहायक निदेशक

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं. CAT-Premium-04

(1) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-SCM-PS-114-26-1 (Misc-Static-Services-Premium Stores)

विवरण : आइस क्रीम एवं पेय के लिए प्रीमियम ब्रांड केटरिंग आउटलेट का संस्थापन एवं परिचालन - 6.8 * 4.2 मीटर क्षेत्र के साथ स्टॉल नं. 4 एवं 5 (स्केच देखें)।

(2) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-SCM-PS-116-26-1 (Misc-Static-Services-Premium Stores)

विवरण : मिठाई एवं बेकरी के लिए प्रीमियम ब्रांड केटरिंग आउटलेट का संस्थापन एवं परिचालन - 10.8 * 3.2 मीटर क्षेत्र के साथ स्टॉल नं. 1, 2 एवं 3 (स्केच देखें)।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 16.04.2026 को 1100 बजे (दोनों क्रम सं. हेतु)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 16.04.2026 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 हेतु) एवं 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु)।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-32/R/26-27

भागलपुर सह बक्सर सीट पर 12 मई को वोटिंग

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार विधान परिषद् की भागलपुर-सह-बक्सर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर उपचुनाव का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। यह सीट सदस्य सकलदीप राम के इस्तीफे के कारण16 नवंबर 2025 से खाली थी। चुनाव आयोग के कार्यक्रम के अनुसार 16 अप्रैल 2026 को अधिसूचना जारी होगी, जबकि नामांकन की अंतिम तिथि 23 अप्रैल तय की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 24 अप्रैल को होगी और 27 अप्रैल तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। इस सीट के लिए मतदान 12 मई 2026 को कराया जाएगा, जबकि मतगणना 14 मई 2026 को होगी।

इस सीट पर जो भी व्यक्ति निर्वाचित होगा, उसका कार्यकाल 7 अप्रैल 2028 तक होगा। भारत निर्वाचन आयोग ने 9 अप्रैल को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि उक्त चुनाव के संबंध में आदर्श आचार संहिता संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएगी। आयोग के अनुसार 15 मई 2026 तक यह चुनाव संपन्न हो जाने हैं।

अध्यक्ष नितिन नवीन बोले

सीएम चयन पर एनडीए में कोई मतभेद नहीं, नीतीश कुमार के नेतृत्व में लिए जा रहे सारे फैसले

नितिन नवीन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार में अगले मुख्यमंत्री को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भीतर किसी प्रकार का मतभेद नहीं है। पूरी प्रक्रिया तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कहीं भी कोई मतभेद नहीं है। सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार चल रहा है।

नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा गठबंधन धर्म का पालन करती आई है और इसी कारण सहयोगी दल उस पर भरोसा करते हैं। सभी फैसले नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लिए जा रहे हैं। बंगाल, असम समेत अन्य राज्यों में चुनाव में प्रदर्शन के सवाल पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी राज्यों में होने वाले चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी। तीन-भाषा फॉर्मूला पर उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य को आशंकित होने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप हम राष्ट्रवाद को बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन क्षेत्रीय पहचान का भी सम्मान करते हैं। हमारी प्राथमिकता सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाना है। विपक्ष को लेकर नितिन नवीन ने कहा कि जमीन पर एनडीए के सामने कोई बड़ी चुनौती नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका प्रभाव कमजोर पड़ चुका है। जनता उनके बारे में जान चुकी है। इसलिए उन्हें नकार दिया है।

एआईएमआईएम ने शुरू किया खास अभियान

1 लाख लोगों को जोड़ने की तैयारी, सपा की बढ़ेगी मुश्किल

मुरादाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव का सियासी रंग चढ़ता चला जा रहा है। इसी क्रम में अब असदुद्दीन ओवेसी की एआईएमआईएम ने भी चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। जिसके तहत बूथ स्तर कर संगठन को मज़बूत किया जाएगा। इसकी शुरुआत मुरादाबाद जनपद से शुरू होगी। मुरादाबाद में ईद मिलन कार्यक्रम के दौरान एआईएमआईएम के प्रदेश प्रवक्ता और मुरादाबाद प्रभारी शादाब चौहान ने संगठन विस्तार और सदस्यता अभियान को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी उत्तर प्रदेश में तेजी से अपना जनाधार बढ़ा रही है और इसकी शुरुआत मुरादाबाद से की गई है।

शादाब चौहान ने कहा कि आने वाले एक महीने के अंदर एआईएमआईएम के साथ एक लाख नए सदस्य बनाए जाएंगे और करीब 5000 सक्रिय सदस्य तैयार किए जाएंगे। इसके बाद दो महीने के भीतर बूथ स्तर तक कमेटियों का गठन कर लिया जाएगा ताकि चुनाव की तैयारी पूरी तरह से मजबूत हो सके। एआईएमआईएम प्रवक्ता ने इस दौरान समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी दोनों पर निशाना साधा और कहा कि 2012 से 2017 और 2017 से अब तक की सरकारों में मुसलमानों के साथ न्याय नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इस दौरान लोगों के कारोबार प्रभावित हुए और कई घटनाओं से समाज में असुरक्षा का माहौल बना।

शादाब चौहान ने कहा कि अब जनता इन सब चीजों को समझ चुकी है और बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि एआईएमआईएम अब एक मजबूत विकल्प के तौर पर सामने आ रही है और आने वाले समय में पार्टी पंचायत चुनाव, नगर निगम और 2027 विधानसभा चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी का जनाधार तेजी से बढ़ रहा है और मुरादाबाद की जनता भी एआईएमआईएम और असदुद्दीन ओवैसी के साथ खड़ी नजर आ रही है।

9वीं की छात्रा से 10 ने किया रेप:4 माह से लापता थी

गोरखपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। गोरखपुर के चौरीचौरा थाना क्षेत्र से 4 महीने पहले लापता 9वीं की छात्रा से मधुवन होटल में दुष्कर्म मामले में होटल संचालक धर्मराज यादव समेत चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोप है कि लापता होने के बाद छात्रा के साथ अलग-अलग 10 लोगों ने कई होटलों में ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। नाबालिग के बरामद होने के बाद उसका कोर्ट में बयान कराया गया। कोर्ट में दिए गए बयान में उसने 10 लोगों पर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया। पुलिस ने इस मामले में दुष्कर्म की धारा बढ़ाते हुए होटल संचालक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए आरोपी किशन उर्फ बिट्टू, समीर उर्फ दिलशाद, मोनू उर्फ मनीष राजभर, धर्मराज को गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया है। इसके अलावा छह आरोपियों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

अखिलेश यादव से मिले सपा नेता इरफान सोलंकी

पत्नी नसीम सोलंकी भी रहीं साथ, तेज हुई सियासी हलचल

अध्यक्ष अखिलेश इरफान सोलंकी

कानपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कानपुर पहुंचे। जहां वो एक शादी समारोह में शामिल हुए थे। इस दौरान सपा नेता और पूर्व विधायक इरफान सोलंकी भी सपा अध्यक्ष से मिलने पहुंचे।

सोलंकी के साथ उनकी पत्नी और सीसामऊ सीट से सपा विधायक नसीम सोलंकी भी मौजूद रही। इस मुलाक़ात की तस्वीरें सामने आई हैं। सपा अध्यक्ष से मुलाकात की तस्वीरें सपा नेता इरफान सोलंकी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शेयर की हैं। जिसमें उन्होंने अखिलेश यादव के प्रति अपने प्रेम को ज़ाहिर किया है। तस्वीरों में उनके साथ पत्नी नसीम सोलंकी भी बैठी दिखाई दे रहे हैं।

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए इरफ़ान सोलंकी ने लिखा- 'पीडीए के महानायक हमारे महबूब नेता पूर्व मुख्यमंत्री परम आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी के कानपुर आगमन पर उनका मार्गदर्शन और सानिध्य प्राप्त हुआ।' वहीं एक और तस्वीर में वो इरफान सोलंकी सपा समर्थकों के साथ अखिलेश यादव के स्वागत में खड़े दिखाई दे रहे हैं। इरफ़ान सोलंकी की ये तस्वीर आगामी चुनाव को देखते हुए बेहद अहम मानी जा रही हैं। दरअसल सोलंकी ने एक बार कहा था कि इस चुनाव में उनकी पत्नी नसीम सोलंकी और वो ख़ुद दोनों ही चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हम में से एक सांसदी का चुनाव लड़ेगा और एक विधायकी का चुनाव लड़ेगा। हालांकि ये बात उन्होंने कानपुर कोर्ट में पेशी के दौरान कही थी।

बता दें कि सपा अध्यक्ष अपने एक दिवसीय दौरे पर कानपुर पहुंचे थे, जहां वो अकबरपुर के बारा गाँव में एक शादी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया था। सपा अध्यक्ष ने कहा कि मैं जो लोगों में जोश और उत्साह देख रहा हूं उससे साफ़ है कि जनता बदलाव चाहती है और महंगाई और नफरत के बुरे दिन जाने वाले हैं।

अखिलेश ने कहा कि हमारी विदेश नीति कमजोर हो चुकी है। जो विश्वगुरू बनने का सपना था वो पीछे छूट गया है। इस सरकार में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा कोई पार्टी या सर्कस है मुख्यमंत्री ख़ुद ही अपने सांसद का मजाक उड़ा रहे हैं।

नकली पैकिंग कर बाजार में सेनेटरी सामान खपाने का भंडाफोड़

हापुड़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। हापुड़ के कोतवाली क्षेत्र में ब्रांडेड सेनेटरी सामान के नाम पर नकली पैकिंग कर बाजार में माल खपाने का मामला सामने आया है। कंपनी की सूचना पर पुलिस ने बजरंगपुरी स्थित गोदाम पर दबिश दी, जहां से करीब 20 लाख रुपये का माल बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार, मोहल्ला बजरंगपुरी के एक गोदाम में बिना किसी अनुमति के कंपनी से संबंधित सेनेटरी समान तैयार कराया जा रहा था।

जब कंपनी को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और बुधवार की देर शाम गोदाम पर छापा मारा। वहीं, छापामारी के दौरान गोदाम में टोटी और पाइप जैसे उत्पादों की फर्जी पैकिंग तैयार कर बाजार में सप्लाई की जा रही थी। मौके से सामान के साथ खाली रेपर, गत्ते के डिब्बे और अन्य पैकिंग सामग्री मिली। कंपनी के प्रबंधक मनीष ने बताया कि ब्रांड के नाम पर धोखाधड़ी की जा रही थी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई।

नीतीश कुमार के दिल्ली जाने के बीच तेजस्वी यादव ने कर दी ये अपील, युवाओं से जुड़ा है मामला

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कल (शुक्रवार) राज्यसभा की सदस्यता लेंगे। इस बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार से बड़ी अपील कर दी है। पूरा मामला युवाओं के हित से जुड़ा है। रोजगार से जुड़ा है। शिक्षक भर्ती से जुड़ा है। तेजस्वी यादव ने गुरुवार (09 अप्रैल, 2026) को अपने एक्स हैंडल से पोस्ट किया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि 17 महीनों की महागठबंधन सरकार में मेरी विशेष पहल पर शिक्षा विभाग को आरजेडी कोटे में लेकर सर्वप्रथम युद्ध स्तर पर शिक्षा विभाग में टीआरई-1 और टीआरई-2 के अंतर्गत निर्धारित समय सीमा के अंदर बिना किसी पेपरलीक, संपूर्ण पारदर्शिता के साथ रिकॉर्ड 2,20,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देकर ज्वाइनिंग कराई। हमने टीआरई-3 की भी नियुक्ति प्रक्रियाधीन कराई लेकिन जनवरी 2024 में हमारे सरकार से हटते ही पेपरलीक के कारण टीआरई-3 को रद्द किया गया और फिर यह परीक्षा भी विलंब से हुई।

यूपी पंचायत चुनाव टालना चाहती है योगी सरकार

पल्लवी पटेल ने बता दी चौंकाने वाली वजह

लखनऊ, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव टालने की अटकलों के बीच अपनादल (कमेरावादी) नेता और सिराथू से सपा विधायक डॉ पल्लवी पटेल आज चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने यह कहकर माहौल गरम कर दिया है कि बीजेपी ने विधानसभा चुनावों में हार के डर कारण पंचायत चुनाव टाले हैं। पल्लवी पटेल ने आरोप लगाया कि गांव-कस्बों में सरकार के खिलाफ जबरदस्त गुस्सा है।

इसलिए ही चुनाव टाले गए हैं। पल्लवी पटेल ने यह बयान एक प्रेस कांफ्रेंस में दिया और उन्होंने इसको लेकर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट किया, जिसमें उनका बयान भी है। पोस्ट में लिखा , 'गांव-कस्बों में सरकार के खिलाफ माहौल देखकर जिला पंचायत चुनाव टाले जा रहे हैं, हार का डर और विधानसभा चुनाव पर असर की चिंता साफ दिखती है।' प्रेस कांफ्रेस में डॉ पल्लवी पटेल ने कहा कि सरकार की सोच यह है कि जमीनी रूप से जो चुनाव है वो पंचायत का चुनाव है, जिस प्रकार गांव-कस्बों में जाएं तो सरकार के खिलाफ माहौल बन रहा है।

तो कहीं उनको हार का सामना न करना पड़े,और विधानसभा चुनाव पर इसका असर पड़ेगा। इसलिए जो हीला-हवाली चुनाव में की जा रही है, उसमें सरकार की मंशा साफ़ नजर आ रही है। पल्लवी पटेल ने स्पष्ट रूप से बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया है कि आगामी चुनावों में हार के डर से सरकार ने जानबूझकर पंचायत चुनाव टाला है। वे इस मुद्दे पर काफी मुखर हैं। विपक्ष लगातार पंचायत चुनाव टलने को लेकर सरकार पर लगातार आरोप लगा रहा है। जिसमें पहला आरोप यही है कि ग्रामीण इलाकों में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की किल्लतें व स्थानीय मुद्दों से सरकार के खिलाफ नजरागी बढ़ चुकी है।

माफिया अतीक अहमद के भाई के गनर रहे शख्स की बीच सड़क पर गोली मारकर हत्या

प्रयागराज, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के प्रयागराज से एक बड़ी घटना सामने आई है। यहां माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ के गनर रह चुके शख्स की बीच सड़क पर गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। प्रयागराज के करेली में गौस नगर में बीच सड़क पर इरफान गद्दी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली इरफान के सीने में लगी, जिससे वो सड़क पर ही गिरकर तड़पने लगा।

काफी देर बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन खून ज़्यादा बहने की वजह से उसकी मौत हो गई। वारदात की सूचना पर डीसीपी सिटी मनीष कुमार शांडिल और एडिशनल डीसीपी राजकुमार मीणा भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। फौरी तौर पर पुरानी रंजिश में हत्या की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि मृतक इरफान गद्दी अशरफ के साथ उनकी सुरक्षा में बंदूक लेकर चलता था। इलाके के लोग बता रहें हैं कि उसकी रंजिश चकिया के आशिफ दुर्रानी से चल रही थी। हालांकि इस मामले की जांच पुलिस अभी कर रही है।

सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने तो मेरा समर्थन रहेगा

तेज प्रताप के बयान से बिहार में सियासी हलचल तेज

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने आज कहा कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद यदि भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनते हैं, तो उन्हें उनका समर्थन रहेगा। तेज प्रताप यादव ने अपने पिता लालू प्रसाद के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से निष्कासित किये जाने के बाद जनशक्ति जनता दल का गठन किया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार अपने पिता के बाद सत्ता संभाल सकते हैं, तो तेज प्रताप यादव ने कहा, वह इसके लिए बहुत अनुभवहीन हैं। वह उम्र में मुझसे बड़े हो सकते हैं, लेकिन राजनीति में अनुभव मायने रखता है।

वर्तमान में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए चर्चा में होने पर यादव ने कहा, अगर वह मुख्यमंत्री बनते हैं तो ठीक है। उन्हें मेरा समर्थन रहेगा। तेज प्रताप यादव ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की कथित विफलताओं को लेकर अपने छोटे भाई तेजस्वी के सोशल मीडिया अभियान पर भी असहमति जताई। उन्होंने कहा, हम सभी बिहार में पैदा हुए और यहीं पले-बढ़े हैं। हमें अपने गृह राज्य के बारे में हमेशा अच्छी बात करनी चाहिए, जो भले गरीब दिखता हो, लेकिन यहां दिल के अमीर लोग रहते हैं। तेजस्वी को हाल में राजद का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर तेज प्रताप ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, मैं अपनी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष हूं। अगर वह मुझसे प्रेरणा ले रहे हैं, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

मरे हुए कुत्तों का अवशेष खाने से यूपी में 25 गिद्धों की मौत

लखनऊ, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। दुधवा बाघ अभयारण्य (डीटीआर) के बफर जोन की भीरा रेंज में 25 गिद्धों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की गुत्थी सुलझाने के लिए भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) को गिद्धों के आंतरिक अंगों के नमूने जांच के वास्ते भेजे गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दुधवा बफर जोन की उप निदेशक कीर्ति चौधरी ने बताया कि लुप्तप्राय प्रजाति के 25 गिद्ध बफर जोन के अंतर्गत आने वाले सेमराई गांव के एक खेत में मृत पाए गए थे। इन गिद्धों में से अधिकांश हिमालयन ग्रिफिन प्रजाति के माने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उसी खेत में पांच अन्य गिद्ध अचेत अवस्था में मिले थे।

उन्हें तत्काल उपचार उपलब्ध कराया गया और पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया है। चौधरी ने बताया कि उसी खेत में कुछ दूरी पर मृत कुत्ते भी बरामद किए गए, ऐसे में आशंका है कि गिद्धों की मौत कुत्तों के अवशेष खाने से हुई है। उन्होंने बताया कि पशु चिकित्सकों के एक पैनल ने 23 गिद्धों का पोस्टमार्टम किया।

बिरयानी में निकला काकरोच,जांच के बाद रेस्टोरेंट बंद

गोरखपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। गोरखपुर में एक रेस्टोरेंट की बिरयानी में कॉकरोच निकलने का वीडियो सामने आया है। यह देखकर वहां मौजूद लोगों ने खाना छोड़ दिया और नाराजगी जताई। जानकारी के मुताबिक, एक युवक अपने परिवार के साथ सिटी मॉल स्थित बारबेक्यू रेस्टोरेंट में बर्थडे पार्टी मना रहा था। इसी दौरान जब सभी लोग खाना खा रहे थे, तभी उनकी बिरयानी में कॉकरोच दिखाई दिया। यह देखकर टेबल पर बैठे लोग चौंक गए और कई लोगों ने तुरंत खाना छोड़ दिया। नाराज ग्राहकों ने मामले की शिकायत खाद्य विभाग से की। सूचना मिलते ही खाद्य विभाग की टीम होटल पहुंची और जांच शुरू की। निरीक्षण के दौरान किचन और परिसर में कॉकरोच घूमते हुए भी दिखाई दिए। इसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए रेस्टोरेंट को बंद करा दिया।

पीएमओ ऑफिस हैक करने वाला हैकर गिरफ्तार

बक्सर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के सिमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत आशा पड़री निवासी एक युवक द्वारा पीएमओ ऑफिस हैक करने का मामला सामने आया है। मामला उजागर होते पूरे देश की सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। इस बीच दिल्ली और पटना सीबीआई टीम के साथ बक्सर पुलिस ने छापेमारी करते हुए हैकर युवक को देर रात गिरफ्तार कर लिया और उससे पूछताछ की जा रही है। युवक के गिरफ्तारी की पुष्टि करते बक्सर एसपी शुभम आर्य ने बताया कि मामला टॉप सीक्रेट है इसलिए फिलहाल वे इसमें ज्यादा कुछ अभी जानकारी नहीं दे सकते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात से सुबह तीन बजे तक चले छापेमारी के दौरान घटना के आरोपित युवक अमन कुमार के घर से टीम ने लैपटॉप समेत कई चीजें जब्त करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया है। टीम फिलहाल युवक को किसी अज्ञात स्थान पर ले जाकर पूछताछ में लगी है।

जाली नोट, पिस्टल, एएमयू में एमसीए छात्र का कमरा देख पुलिस भी हैरान, क्या फेक सर्टिफिकेट से लिया एडमिशन?

अलीगढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां सर जियाउद्दीन हॉल के कमरा नंबर जेड-37 से पिस्टल, जाली नोट, कारतूस के खोखे और फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इसी कमरे में एमसीए का छात्र शहबाज उर्फ छोटू रह रहा था। पुलिस और एएमयू की प्रॉक्टोरियल टीम की छापेमारी के दौरान आरोपी शहबाज मौके से फरार हो गया। कमरे को सील कर दिया गया है और उसके खिलाफ सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना से जुड़ी बताई जा रही है। 6 अप्रैल की रात करीब 10:30 बजे अलीगढ़ के अनूपशहर रोड स्थित एफएम टॉवर इलाके में एक शादी समारोह के बाहर गाड़ी आगे-पीछे करने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि एएमयू के कुछ छात्रों ने बुजुर्ग शाहिद अली के साथ मारपीट की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची,

सिपाही भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही युवती ने की आत्महत्या

भागलपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भागलपुर के दीप नगर मोहल्ले में किराये के कमरे में रह रही 22 वर्षीय छात्रा सुलेखा कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव दुपट्टे के फंदे से फर्श पर अधलेटा मिला। कमरे का दरवाजा खुला हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। घटना की सूचना जोगसर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। एफएसएल टीम को भी बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए।

पुलिस को कमरे से एक चकनाचूर मोबाइल मिला, जिसकी बैटरी अलग पड़ी थी और सिम गायब था। इसके अलावा मृतका के बैग से एक दूसरा बंद मोबाइल, दो आधार कार्ड की फोटो कॉपी, एक डायरी और सिम से संबंधित एक लिफाफा बरामद किया गया है।

पाव भर शराब वालों को मत पकड़ो

जीतन राम मांझी का बयान-बड़े तस्करों को मिल रहा बाईपास

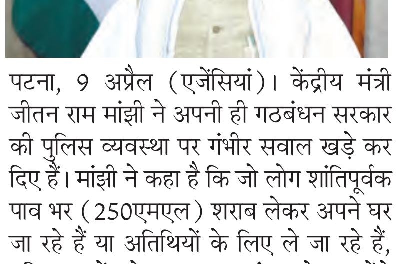

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अपनी ही गठबंधन सरकार की पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मांझी ने कहा है कि जो लोग शांतिपूर्वक पाव भर (250एमएल) शराब लेकर अपने घर जा रहे हैं या अतिथियों के लिए ले जा रहे हैं, पुलिस उन्हें परेशान करना बंद करे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस छोटे लोगों को जेल भेज रही है, जबकि हजारों लीटर का काला कारोबार करने वाले बड़े माफियाओं को 'बाईपास' दे दिया जाता है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का ने कहा कि शराबबंदी नीति अच्छी है, लेकिन इसे लागू करने का तरीका पूरी तरह दोषपूर्ण है। मांझी के अनुसार, आज बिहार की जेलों में लाखों गरीब लोग बंद हैं, जो सिर्फ थोड़ी मात्रा में शराब के साथ पकड़े गए थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि असली तस्कर तो पुलिस की नाक के नीचे से निकल जाते हैं और गाज गिरती है केवल उन पर जिनके पास रसूख नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा शराबबंदी को 40 हजार करोड़ की 'समानांतर अर्थव्यवस्था' बताने पर मांझी ने पलटवार किया। उन्होंने तेजस्वी के आरोपों को "चोर मचाए शोर" करार देते हुए कहा कि जो लोग आज सवाल उठा रहे हैं, उनके अपने लोग ही बालू और शराब माफियाओं से जुड़े हैं। मांझी ने आरोप लगाया कि राजद के लोग माफियाओं से करोड़ों का चंदा लेते हैं और खुद को पाक-साफ दिखाने के लिए सरकार को घेर रहे हैं।

रोटोमैक घोटाले में कारोबारी को एचसी से मिली जमानत

लखनऊ, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने चर्चित रोटोमैक घोटाले से जुड़े एक मामले में कारोबारी राजेश बोथरा को जमानत प्रदान की है। कोर्ट ने माना कि मामले की सुनवाई लंबी चलने की संभावना है और उपलब्ध परिस्थितियों में आरोपित को जमानत देना उचित है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने बोथरा की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए पारित किया। प्रकरण सीबीआइ ने दर्ज किया था, जिसमें आरोप है कि रोटोमैक एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रमोटरों ने बैंकों के साथ धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया। शिकायत के अनुसार कंपनी ने फर्जी दस्तावेज, गलत बिल आफ लैंडिंग और बनावटी लेन-देन के माध्यम से क्रेडिट सुविधाएं हासिल की और बाद में उनका भुगतान नहीं किया। इस संबंध में वर्ष 2020 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। राजेश बोथरा को इस मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है।

प्रेमिका की हत्या के बाद मासूम को भूसे में दबाकर जलाया

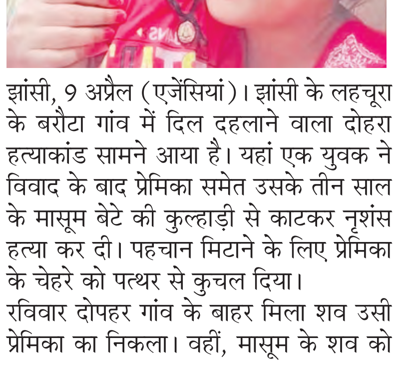

झांसी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। झांसी के लहचूरा के बरौटा गांव में दिल दहलाने वाला दोहरा हत्याकांड सामने आया है। यहां एक युवक ने विवाद के बाद प्रेमिका समेत उसके तीन साल के मासूम बेटे की कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या कर दी। पहचान मिटाने के लिए प्रेमिका के चेहरे को पत्थर से कुचल दिया।

रविवार दोपहर गांव के बाहर मिला शव उसी प्रेमिका का निकला। वहीं, मासूम के शव को उसने पास के खेत में भूसे के ढेर में दबा दिया था। मंगलवार रात युवक ने भूसे के ढेर में आग लगा दी थी। पुलिस को किसी तरह इसकी भनक लग गई। बुधवार देर-रात आरोपी चतुर्भुज को मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बरौटा गांव निवासी चतुर्भुज पटेल (40) उर्फ राजीव झांसी में रहकर ब्लिंकिट में काम करता था। उसका भाई संजीव ग्राम प्रधान रह चुका है।

चतुर्भुज की पहली पत्नी नेहा की मौत के बाद वर्ष 2015 में उसने टहरौली निवासी हेमलता से शादी कर ली। हेमलता से उसे एक पुत्र है लेकिन, कुछ समय बाद हेमलता से उसका विवाद होने लगा। हेमलता उसे छोड़कर दिल्ली जाकर रहने लगी। चतुर्भुज यहां अकेले रहता था। गांव का एक युवक गुरुग्राम में गार्ड है। उसके जरिये उसकी पहचान गुरुग्राम निवासी नीलू (35) से हो गई।

संसद में भागने वाले वीडियो पर भाजपा सांसद रविकिशन ने कहा- बैठक में होना था शामिल

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रतिष्ठित हस्तियों को जहां लोगों से भरपूर प्यार मिलता है, तो कभी कभी कुछ वजहों से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। सोशल मीडिया के इस दौर में मीम्स और ट्रोलिंग आम जनता से लेकर बड़ी हस्तियों तक को प्रभावित करती है। ऐसा ही कुछ अभिनेता और भाजपा सांसद रविकिशन के साथ हुआ। दरअसल, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार के विमान दुर्घटना में निधन की खबर आने के बाद रविकिशन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इस वीडियो में रवि किशन संसद परिसर में भागते हुए दिखाई दिए थे। इस दौरान मीडिया के साथ बातचीत में हड़बड़ी में उनकी ज़बान से कुछ शब्द निकले थे। वीडियो में उनकी जल्दबाजी और भावुकता देखकर लोग ट्रोल करने लगे थे। कई यूजर्स ने इसे नाटकीय और दिखावा बताया था। इस वीडियो पर अभिनेता ने अब खुलकर बात की। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पर एक पॉडकास्ट का वीडियो शेयर किया।

जब उनसे उस वीडियो के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इस पर खुलासा करते हुए बताया कि उस दिन संसद में बैठक होने वाली थी। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आने के साथ हाउस की कार्यवाही शुरू होनी थी। अगर वह समय पर अंदर नहीं पहुंचते, तो उनकी देरी सबके सामने आ जाती। उन्होंने कहा, मैं आपको बस इतना बताना चाहता हूं कि उस दिन मैं वहां मौजूद था और तभी खबर आई कि डिप्टी सीएम का निधन हो गया। मैं संसद की ओर भाग रहा था क्योंकि उस समय स्पीच चल रही थी।

देशभर में फूड सेफ्टी पर 'नेशनल टास्क फोर्स' की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। देशभर में फूड सेफ्टी पर नेशनल टास्क फोर्स की मांग वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिका में कोई मेरिट नहीं है, इसलिए इस पर सुनवाई की कोई जरूरत नहीं है। इससे पहले जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता डॉ। के।ए। पॉल की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पहले याचिका के आधार पर सवाल उठाते हुए कहा था कि केवल सामान्य और व्यापक आरोपों के बजाय ठोस शोध और तथ्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से अपने दावों को प्रमाणित करने के लिए ठोस सामग्री देने को कहा था। डॉ केए। पॉल ने इस मामले में स्वयं अदालत के समक्ष पेश होकर अपनी दलीलें रखीं थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खाद्य सुरक्षा उपायों को लेकर जनहित याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता से पूछा कि उपदेश देने के अलावा आपने इसे दायर करने से पहले क्या शोध किया है। जनहित याचिका में खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन उपायों की निगरानी और प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय कार्य बल या समिति का गठन करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में अधिकारियों को खाद्य निर्माण और प्रसंस्करण इकाइयों, रेस्तरां और वाणिज्यिक खाद्य प्रतिष्ठानों और अन्य को शामिल करते हुए राष्ट्रव्यापी और समयबद्ध खाद्य सुरक्षा ऑडिट और निरीक्षण अभियान चलाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित याचिकाकर्ता से कहा, उपदेशों के अलावा आपके क्या दावे हैं और इस याचिका को दायर करने से पहले आपने क्या शोध किया है? याचिकाकर्ता ने कहा कि जनहित याचिका एक ऐसे मुद्दे को उठाती है, जो देश में लगभग हर किसी को प्रभावित करता है और यह असुरक्षित, दूषित और खतरनाक भोजन से संबंधित है। याचिकाकर्ता ने कहा, इससे लगभग हर नागरिक प्रभावित हो रहा है।

4 महीने की दिलजोत के दिल में छेद था

मुख्यमंत्री सेहत योजना से मिला नया जीवन

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में एक बार फिर मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत चार महीने की 'दिलजोत' को जीवन दान मिला है। नवजात को सेहत योजना के तहत 2.77 लाख रुपये के इलाज की मदद मिली है। अबोहर में रशप्रीत कौर और भारत कुमार के घर जन्मी चार महीने की दिलजोत जैसे परिवारों के लिए ये योजना बहुत मायने रखती है। गौरतलब है कि केवल तीन महीने में ही 6,000 से अधिक नवजात बच्चों को इस योजना के तहत इलाज हो चुका है। चार महीने की दिलजोत को गंभीर संक्रमण और वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट (दिल में छेद) की समस्या थी। यह बीमारी जन्म से पहले विकसित होती है। इलाज के लिए उसके अभिभावक उसे बठिंडा ले गए।

गहन चिकित्सा का खर्च बहुत भारी था। ऐसे में मुख्यमंत्री सेहत योजना की मदद कारगर साबित हुई। दिलजोत को विशेष चिकित्सा देखभाल मिली, जिसमें चौबीस घंटे निगरानी शामिल थी, और उसके परिवार को एक दिन भी पैसों की चिंता नहीं करनी पड़ी। दिलजोत के पिता भारत कुमार अबोहर में एक छोटा सैलून चलाते हैं। उन्होंने कहा कि "डॉक्टरों ने मुझे बताया कि मेरी बेटी के दिल में छेद है। उसका इलाज दो अलग-अलग अस्पतालों में हुआ और सेहत कार्ड के तहत 2.77 लाख का पूरा खर्च कवर हो गया।

" मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में चल रही यह योजना सुनिश्चित करती है कि किसी भी परिवार को स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ में से किसी एक का चुनाव न करना पड़े। मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत, हर मां और नवजात को सालाना 10 लाख तक का कैशलेस इलाज मिल सकता है, चाहे वह सरकारी अस्पताल हो या सूचीबद्ध निजी अस्पताल, और यह सुविधा बच्चे के जीवन के शुरुआती घंटों से ही उपलब्ध होती है।

590 करोड़ के घोटाले में एक्शन

हरियाणा के दो वरिष्ठ आईएएस सस्पेंड, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने जारी किए आदेश

चंडीगढ़/पंचकूला, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने 590 करोड़ रुपये के कथित बैंक घोटाले में संलिप्तता के आरोपों के चलते दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबित अधिकारियों में राम कुमार सिंह, आईएएस (एचवाई 2012) शामिल हैं, जो राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में विशेष सचिव के साथ-साथ पंचकूला मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर तैनात थे। सरकार के आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान राम कुमार सिंह का मुख्यालय मुख्य सचिव, हरियाणा के कार्यालय (सर्विसेज-1 शाखा) में निर्धारित किया गया है। इसी तरह, प्रदीप कुमार-1, आईएएस (एचवाई 2011), जो राज्य परिवहन विभाग में निदेशक और परिवहन विभाग में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत थे, को भी निलंबित किया गया है। उनके निलंबन के दौरान मुख्यालय भी मुख्य सचिव, हरियाणा के कार्यालय (सर्विसेज-1 शाखा), चंडीगढ़ में रहेगा।

बताया जा रहा है कि दोनों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़े करीब 590 करोड़ रुपये के घोटाले में उनकी भूमिका को लेकर की गई है। सरकार द्वारा की गई इस कार्रवाई को प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

'हम इस्लाम को फॉलो करते और अल्लाह की इबादत', कांग्रेस पार्षद ने वंदे मातरम गाने से किया मना

इंदौर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। नगर निगम के बजट सम्मेलन में वंदे मातरम गाने को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक बयानबाजी में बदल गया है। भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। वंदे मातरम कहने से मना करने वाली कांग्रेस की पार्षद रुबीना इकबाल खान ने कहा, 'जनगणमन और अन्य सारे गीत हम गाते हैं। बस एक शब्द हम नहीं बोलते हैं जिससे की हमें दोजख की आग में डाला जाए।' आजादी के पहले वंदे मातरम का नारा लगाने वालों को लेकर रुबीना इकबाल ने कहा, 'हो सकता है उन्होंने हदीस नहीं पढ़ी हो, हमने तो पढ़ी है। जितना हक इनका नहीं है, उससे अधिक हक हमारा है।

इस मिट्टी पर, जब हम मरते हैं तो हमें हिन्दुस्तान की मिटटी में दफनाया जाता है।' उन्होंने कहा, 'जब खोदोगे तो हमारे ही अवशेष मिलेंगे, इनके (हिंदुओं) तो गंगा में बहा दिए जाते हैं, जो सीधे अरब सागर में जाते हैं।' कांग्रेस के साथ न देने पर रुबीना इकबाल ने कहा, 'कांग्रेस पल्ले झाड़ती है। मैं तो निर्दलीय जीतती हूं। भाड़ में जाए कांग्रेस।' उन्होंने कहा, 'हम इस्लाम को फॉलो करते हैं। इस्लाम में सिर्फ अल्लाह की इबादत करते हैं। वंदे का मतलब होता है इबादत और मातरम का मतलब धरती होता है। एक अल्लाह की इबादत कर रहे हैं तो हम गुनाह का काम क्यों करें।' भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम देश की स्वतंत्रता संग्राम की पहचान रहा है, जिसे महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु और अशफाकउल्ला खां जैसे क्रांतिकारियों ने गाया है। सुमित मिश्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति के कारण देश का विभाजन हुआ और वंदे मातरम का विरोध सबसे पहले मोहम्मद अली जिन्ना ने किया था।

उन्होंने कहा कि आज भी जो ताकतें इस गीत का विरोध करती हैं, वे राष्ट्रविरोधी मानसिकता को दर्शाती हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि पार्टी वंदे मातरम का सम्मान करती है तो विरोध करने वाले अपने पार्षदों को बाहर का रास्ता दिखाए। साथ ही उन्होंने जीतू पटवारी और शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे को खुली चुनौती दी। सुमित मिश्रा ने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस अपने पार्षदों पर कार्रवाई नहीं करती है, तो यह स्पष्ट होगा कि पार्टी मुस्लिम लीग की राह पर चल रही है।

पुलिस ने युद्धवीर सिंह बैंस को रोका

पूर्व कांग्रेस नेता ने पुलिस पर ही लगाए अगवा करने की कोशिश के आरोप

शिमला, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी शिमला में सुबह उस समय हंगामा हो गया जब पुलिस ने पूर्व कांग्रेस नेता युद्धवीर सिंह बैंस को सड़क पर रोक लिया। बताया जा रहा है कि बैंस अपनी गाड़ी से किसी जरूरी काम से जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें बीच सड़क पर रुकने को कहा। इसके बाद बैंस ने पुलिस कार्रवाई का विरोध किया और मौके पर ही सवाल उठाने लगे कि आखिर उन्हें किस आधार पर रोका गया है। वहीं, पुलिस विभाग के मुताबिक यातायात नियमों के उल्लंघन करने पर युद्धवीर सिंह बैंस को रोका गया था और उनका बाकायदा चालान काटा गया है।

बैंस का आरोप है कि उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री के खिलाफ ईडी को शिकायत दे रखी है, जिसके चलते उन्हें निशाना बनाया जा रहा है और पुलिस उन्हें अगवा करना चाहती है। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि उनके साथ कोई अनहोनी होती है तो इसके लिए मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी जिम्मेदार होंगे। युद्धवीर बैंस ने बाद में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक विस्तृत पोस्ट साझा करते हुए प्रदेश सरकार और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यातायत के नियमों के उल्लंघन पुलिस ने ये कार्रवाई की है। सोलन शहर के साथ लगते आंजी में एक साथ कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। हादसा सुबह के समय हुआ, जब यहां पर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से बोलेरो टकरा गई। इसकी चपेट में आने से बोलेरो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इसमें चालक की मौत हो गई है। वहीं इस दौरान कई अन्य गाड़ियां भी चपेट में आई हैं। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

श्रीलंकाई नौसेना ने 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

समुद्री सीमा लांघने का है आरोप

चेन्नई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीलंकाई नौसेना ने गुरुवार को तमिलनाडु के दस मछुआरों को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। इससे पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। सूत्रों के अनुसार, रामनाथपुरम जिले के पंबन मछली पकड़ने के बंदरगाह के रहने वाले ये सभी मछुआरे नियमित मछली पकड़ने के लिए समुद्र में गए थे। बताया जाता है कि वे धनुष्कोडी और तलाईमन्नार के बीच के जलक्षेत्र में मछली पकड़ रहे थे। यह क्षेत्र समुद्री सीमा के निकट होने के कारण अक्सर समुद्री संघर्षों के लिए जाना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान श्रीलंकाई नौसेना के गश्ती दल ने मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नाव को रोका।

नौसेना कर्मियों ने नाव को घेर लिया और मछुआरों पर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने का आरोप लगाया। इसके बाद, नाव पर सवार सभी 10 मछुआरों को हिरासत में ले लिया गया। गिरफ्तार मछुआरों को उनकी जब्त नाव सहित तलाईमन्नार स्थित श्रीलंकाई नौसेना शिविर में ले जाया गया। वहां अधिकारियों ने पूछताछ शुरू कर दी है और श्रीलंकाई समुद्री कानूनों के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की उम्मीद है। नाव को भी जब्त कर लिया गया है, जिससे प्रभावित परिवारों पर पड़ने वाले दीर्घकालिक आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस ताजा गिरफ्तारी ने गिरफ्तार मछुआरों के परिवारों के साथ-साथ तमिलनाडु के व्यापक मत्स्य समुदाय में चिंता और व्याकुलता पैदा कर दी है। मछुआरा संघों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए राज्य और केंद्र सरकार दोनों से तत्काल हस्तक्षेप करने और हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने इस बार-बार सामने आने वाले मुद्दे के स्थायी राजनयिक समाधान के लिए लंबे समय से चली आ रही मांगों को भी दोहराया, जिसमें स्पष्ट सीमांकन, विनियमित मछली पकड़ने की पहुंच और पाक जलडमरूमध्य में पारंपरिक मछली पकड़ने के अधिकारों की सुरक्षा शामिल है। श्रीलंका के अधिकारियों द्वारा बार-बार की गई गिरफ्तारियों, नौकाओं की जब्ती और कुछ मामलों में नौकाओं के राष्ट्रीयकरण ने मछुआरों की आजीविका को बुरी तरह प्रभावित किया है,

चलती कार से महिला को फेंकने के आरोप

भोपाल, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भोपाल के बाग सेवनिया थाना इलाके में स्थित लहारपुर ब्रिज के पास अज्ञात कार में सवार कुछ लोगों द्वारा 60 साल से अधिक उम्र की महिला को चलती कार से फेंककर भागने की सूचना सोमवार को पुलिस को मिली थी। दावा किया गया था कि महिला के सीने पर स्टेपलर के पिन लगे हैं। महिला को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जहां से महिला लापता हो गई थी। उसका अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस ने मामले के सूचनाकर्ता और चश्मदीदों के बयान दर्ज किए हैं। किसी ने भी महिला को कार सवार युवकों द्वारा फेंके जाने पुष्टि नहीं की है। बुधवार को महिला की मेडिकल रिपोर्ट भी पुलिस को मिली।

जिसमें महिला के सीने में मिले निशानों को ब्लाउज के हुक आई चोट बताया गया है। शुरुआत में इन निशानों को स्टेपलर पिन से आना बताया गया था।

'अगर बीजेपी जीती तो मूंछ और मुंडी दोनों कटा लूंगा'

शिवराज सिंह चौहान के गढ़ में बाबा शिवानंद की खुली चुनौती

सीहोर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में सातदेव महायज्ञ के बाद शिवानंद महाराज बीजेपी और कांग्रेस को राजनीतिक श्राप दिया। उन्होंने कहा कि ये लोग 2028 के प्रदेश विधानसभा चुनावों में नहीं चलने वाले। राज्य के सीहोर जिले में स्थित भैरूंदा क्षेत्र के ग्राम सातदेव में लगातार 21 दिनों तक आयोजित हुए अभी तक के सबसे बड़े महायज्ञ का समापन एक ऐसे राजनीतिक घटनाक्रम के राजनीतिक श्राप से हुआ जिसकी कल्पना नहीं की गई थी। पूरे 21 दिनों तक लाखों श्रद्धालु इस महायज्ञ के साक्षी बने।

इस महायज्ञ के समापन के बाद जिस तरह से खुले मंच से शिवानंद महाराज (दादाजी धूनीवाले) ने चेतावनी दी उसे कोई राजनीतिक श्राप, तो कोई भविष्यवाणी के रूप में देख रहा है। इस क्षेत्र में आस्था, आध्यात्मिक के बीच यज्ञ के समापन ने ल केवल बुधनी विधानसभा, बल्कि मध्य प्रदेश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में शिवानंद महाराज द्वारा की गई राजनीतिक भविष्यवाणी या कहें राजनीतिक श्राप ने मध्य प्रदेश की राजनीति में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की नींद उड़ा दी है। हालांकि, बाबा द्वारा सत्ताधारी दल पर कटाक्ष किया गया, लेकिन अपने भाषण के दौरान उन्होंने कांग्रेस का भी नाम लिया।

चाहे मध्य प्रदेश की सत्ता से कांग्रेस दूर हो, लेकिन बाबा द्वारा विपक्ष का नाम लिए जाने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि मध्यप्रदेश की राजनीति का ऊंट एक नई करवट ले सकता है। दरअसल, यहां प्रसिद्ध पातालेश्वर महादेव मंदिर सातदेव में 18 मार्च से 7 अप्रैल तक चले अभी तक के सबसे बड़े महायज्ञ, जिसमें 21 दिनों में 41 टन (सोना, चांदी, कपड़े ,बर्तन, ड्राई फ्रूट जड़ी बूटी) सहित अन्य सामग्री का उपयोग किया गया था।

आयोजन के अंतिम दिन बाबा शिवानंद महाराज (दादाजी धूनीवाले) ने भरे मंच से राजनेताओं को जो चेतावनी दी वह पूरे मध्य प्रदेश में चर्चा का विषय बन गई। मंच से भक्तों को संबोधित करते हुए बाबा शिवानंद महाराज का लहजा बेहद सख्त और चेतावनी भरा था। वीडियो में बाबा सीधे तौर पर सत्ताधारी पार्टी बीजेपी और कांग्रेस दोनों पर निशाने साधते हुए नजर आ रहे हैं।

हालांकि, सत्ताधारी दल बीजेपी के नेता उनके निशाने पर सबसे अधिक रहे। बाबा शिवानंद ने कहा, जिन लोगों ने अपनी नेतागिरी का गलत उपयोग किया और प्रशासन को इस धार्मिक अनुष्ठान में आने से रोका अब उनकी नेतागिरी ही नहीं रहेगी। मैं चुनौती देता हूं कि सीहोर जिले में अब न कोई विधायक जीतेगा और न कोई सांसद।

13 हजार पर किराये के कमरे से चलता था 30 करोड़ का ड्रग नेटवर्क

तस्कर और पत्नी गिरफ्तार

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात पुलिस के एक फरार और कुख्यात ड्रग तस्कर ने मुंबई में बेहद साधारण ठिकाने से करोड़ों रुपये का सिंथेटिक ड्रग्स रैकेट खड़ा कर लिया था। मुंबई पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए आरोपी, उसकी पत्नी और एक साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी मोहम्मद आरिफ मोहम्मद इलियास शेख, जो पहले गुजरात में ड्रग तस्करी के मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है। वर्ष 2023 में पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद फरार हो गया था। वह सूरत की लाजपोर जेल में सजा काट रहा था और तभी से गुजरात पुलिस उसकी तलाश में थी।

फरारी के दौरान आरिफ मुंबई आकर सांताक्रूज पूर्व इलाके में अपनी पत्नी नसरीन के साथ रहने लगा। पुलिस से बचने के लिए उसने रहने और अवैध गतिविधियों के लिए अलग-अलग जगहें चुनीं। अंधेरी के सहार रोड स्थित एक चॉल में उसने महज 13 हजार रुपये किराए का कमरा लिया और उसे गुप्त रूप से एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री में बदल दिया। जांच में सामने आया कि इसी छोटे से कमरे से हर महीने करीब 25 से 30 करोड़ रुपये की ड्रग्स तैयार कर अलग-अलग नेटवर्क के जरिए बाजार में सप्लाई की जा रही थी।

आरोपी ने चालाकी से अपने इलाके में ड्रग्स की सप्लाई नहीं की, ताकि किसी को शक न हो। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब खार पुलिस की टीम ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 15.44 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपनी पहचान और पूरे नेटवर्क का खुलासा कर दिया। इसके बाद पुलिस ने अंधेरी स्थित कमरे पर छापा मारकर ड्रग्स बनाने के उपकरण और केमिकल्स बरामद किए।

पत्नी को रसोई में जाने से रोकना, क्या अपराध

बॉम्बे हाई कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसले में क्या कहा

पुणे, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। एक ही घर में रहते हुए भी अपनेपन की भावना न होना, रोजमर्रा के साधारण कामों के लिए भी अनुमति मांगने के लिए मजबूर करना और अपने ही घर में खाना पकाने से रोकना किसी भी महिला के लिए बहुत कष्टदायक हो सकता है। इसी आधार पर बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि पत्नी को रसोई में जाने से रोकना और उसे बाहर से खाना लाने के लिए मजबूर करना सिर्फ घरेलू विवाद नहीं है, बल्कि यह मानसिक यातना का एक रूप है, जो उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाता है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पति के खिलाफ दायर उत्पीड़न के आपराधिक आरोपों को रद्द करने से इनकार कर दिया। यह फैसला जस्टिस उर्मिला जोशी-फाल्के की बेंच ने सुनाया। पश्चिमी विदर्भ के अकोला की एक महिला का विवाह नवंबर 2022 में नागपुर के एक पुरुष से हुआ था। शुरुआत में सब कुछ ठीक-ठाक था, लेकिन कुछ ही दिनों में पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गए। पत्नी की शिकायत के अनुसार, उसके साथ घर में एक 'नौकरानी' की तरह बर्ताव किया जाता था और उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया जाता था। पत्नी ने आरोप लगाया है कि उसे रसोई में जाने से रोका जाता था। घर में खाना पकाने का उसका अधिकार छीन लिया गया और उसे बाहर से खाना मंगवाने के लिए मजबूर किया गया। इसके अलावा, पत्नी ने यह भी दावा किया कि उसके गहने घर से बाहर फेंक दिए गए, उसे अपने माता-पिता के घर जाने से रोकने के लिए मुश्किलें खड़ी की गईं और उस पर तलाक के लिए दबाव डाला गया। अदालत ने साफ-साफ कहा कि पत्नी को लगातार परेशान करना, उसके कहीं आने-जाने पर रोक लगाना और उसे घर की बुनियादी ज़रूरतों से वंचित करना मानसिक क्रूरता के उदाहरण हैं। पति पक्ष ने तर्क दिया कि तलाक के लिए अर्जी दाखिल करने के बाद बदला लेने के लिए झूठी शिकायत दर्ज की गई है। हालांकि, अदालत के सामने मौजूद सबूतों और घटनाक्रम की समीक्षा करने के बाद न्यायालय ने इस तर्क को खारिज कर दिया।

पत्नी ने यह भी आरोप लगाया था कि पति ने उसकी सास के कहने पर उसे परेशान किया। हालांकि, न्यायालय ने पाया कि ये आरोप सामान्य और अस्पष्ट थे। यह स्पष्ट करते हुए कि केवल पति की मां होने के कारण उसे आरोपी नहीं बनाया जा सकता,

पीड़िता को धमका रही बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष की मां व दोस्त

बंधक बनाकर देह व्यापार कराने का है आरोप

जबलपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। गढ़ा थाना क्षेत्र में अपने होटल में युवती को बंधक बनाकर देह व्यापार कराने के आरोपित भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अतुल चौरसिया की मां केशर बाई और मित्र पप्पू यादव अब मामले में समझौते के लिए पीड़ित पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने पीड़िता से संपर्क कर एफआइआर वापस लेने के लिए धमकाया है, साथ ही न्यायालय में विरोध में बयान देने पर उसकी हत्या की धमकी है।

लगातार मिल रही धमकियों से परेशान युवती ने गत ओमती थाना में एफआइआर दर्ज कराई है। युवती ने गत वर्ष एक जून को पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं उसके साथी शीतल दुबे उर्फ मथुरा के विरुद्ध देह व्यापार कराने के मामले में गढ़ा थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। पूर्व मंडल अध्यक्ष पर उसे काम देने के बहाने से गढ़ा बाजार स्थित होटल अतिथि में बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। उसके बाद उससे जबरन देह व्यापार कराने की शिकायत की थी। मंगलवार को पुलिस के पास पहुंची युवती ने आरोप लगाया कि गत वर्ष नंवबर में पूर्व मंडल अध्यक्ष अतुल चौरसिया की मां केशर ने उसे फोन किया था।

मामले में समझौता करने की बात कही। मना करने पर उन्होंने धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद अतुल के करीबी पप्पू यादव ने उसे फोन कर एफआइआर वापस नहीं लेने पर उसकी हत्या करने की धमकी दी। 28 व 30 मार्च और 6 अप्रैल को वह मामले की सुनवाई के लिए आई थी केशर बाई ने उसे न्यायालय परिसर में रोका और धमकाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर: ट्रंप का कर्ज और पाकिस्तान की मध्यस्थता

इस्लामाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी संघर्षविराम से मध्य पूर्व में हालात थोड़े सामान्य हुए हैं। इस संघर्षविराम में पाकिस्तान की भूमिका अहम बताई जा रही है। दरअसल, अमेरिका का ईरान के साथ कोई राजनयिक संबंध नहीं है। ऐसे में अमेरिका ने पाकिस्तान का इस्तेमाल ईरान के साथ संघर्षविराम के मुद्दे पर बातचीत के लिए किया। अब जब दोनों देशों में संघर्षविराम हो चुका है, तब यह बात कही जा रही है कि पाकिस्तान ने ईरान के साथ संघर्षविराम में मध्यस्थता (संदेशवाहक) कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ऑपरेशन सिंदूर वाला एहसान चुकाया है। यह सही भी बात है, क्योंकि ट्रंप लगातार ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत विरोधी बयानबाजी करते रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को भारी नुकसान

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस ऑपरेशन के पहले चरण में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में प्रमुख आतंकवादी अड्डों लश्कर-ए-तैयबा के हेडक्वार्टर मुरीदके और जैश-ए-मोहम्मद के हेडक्वार्टर बहावलपुर समेत कई दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों पर हमले की नाकाम कोशिश की। फिर भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेसों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला कर तबाही मचा दी। इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

पूरी दुनिया ने सबूत देखे कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को कितना नुकसान हुआ। उसकी एयर डिफेंस की पोल खुल गई और कई विमान तो बिना उड़ान भरे जमीन पर मलबे में बदल गए। इसके बावजूद अमेरिका का ट्रंप प्रशासन भारत के खिलाफ दुष्प्रचार में शामिल हुआ। पहले अमेरिकी अधिकारियों की ओर से कई राफेल गिराने की भ्रामक खबर फैलाई गई। बाद में ट्रंप ने खुलेआम कहना शुरू कर दिया कि उन्होंने ही भारत और पाकिस्तान में युद्धविराम कराया है। भारत ने हर मौके पर सार्वजनिक मंचों से ट्रंप के इस दावे को खारिज किया। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा कि यह संघर्षविराम पाकिस्तान के गिड़गिड़ाने पर किया गया और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। इसके बावजूद आज तक ट्रंप लगभग हर सार्वजनिक भाषणों में भारत-पाकिस्तान में संघर्षविराम कराने का श्रेय लेते हैं। बड़ी बात तो यह है कि पाकिस्तान ने बाकायदा इसकी पुष्टि की ट्रंप का शुक्रिया जताया। पाकिस्तान ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए भी नामित किया। ट्रंप पाकिस्तान की इस चापलूसी से खासे प्रभावित भी नजर आए।

ट्रंप इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के चंद हफ्तों बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ (तब फील्ड मार्शल बन चुके) असीम मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच पर आमंत्रित किया। यह अमेरिकी इतिहास में दुर्लभ मौका था, जब किसी देश के सैन्य प्रमुख को इस तरह व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया गया हो, वो भी तब जब उस देश में एक तथाकथित नागरिक सरकार मौजूद हो। ट्रंप ने कई सार्वजनिक मौकों पर असीम मुनीर को अपना 'फेवरेट फील्ड मार्शल' तक बताया है।

पाकिस्तान आने से डर रहे जेडी वेंस

असीम मुनीर ने इस्लामाबाद को किले में बदला, लॉकडाउन जैसे हालात

इस्लामाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के संभावित दौरे को लेकर पाकिस्तान में हाई अलर्ट है। पाकिस्तान को उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान के शीर्ष अधिकारी उनके देश में संघर्ष विराम की शर्तों पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा हो सकते हैं। पाकिस्तान ने दावा किया है कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस्लामाबाद वार्ता में ईरान के शामिल होने की गारंटी दी है। हालांकि, अमेरिका की ओर से इस मुद्दे पर अभी तक पत्ते नहीं खोले गए हैं। इस बीच एक रिपोर्ट में बताया गया है कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा करने से बचना चाहते हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने अमेरिका को पूर्ण सुरक्षा की गारंटी दी है।

पाकिस्तानी गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने गुरुवार को अमेरिका की राजदूत नैटली बेकर से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने शुक्रवार से इस्लामाबाद में शुरू होने वाले अमेरिका-ईरान उच्च स्तरीय शांति वार्ता को लेकर सुरक्षा स्थिति से भी अवगत कराया।

हालांकि, अमेरिकी राजदूत की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के दौरे को लेकर कोई पुष्टि नहीं की गई है। अमेरिका को पाकिस्तान की गांरटी के बावजूद सुरक्षा स्थिति को लेकर शक है। पाकिस्तान में आतंकवादी हमले आम बात हैं और वैश्विक नेताओं की मौजूदगी से इसका खतरा कई गुना बढ़ सकता है।

मुलाकात के दौरान, नकवी ने बेकर को बताया कि सभी विदेशी मेहमानों की हर लिहाज से अभेद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक योजना तैयार कर ली गई है।

उन्होंने कहा कि संघीय राजधानी में होने वाली इस उच्च-स्तरीय वार्ता के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर पाकिस्तान के विशेष मेहमान होंगे। इस बैठक में इस्लामाबाद आने वाले विदेशी प्रतिनिधिमंडलों की लॉजिस्टिकल व्यवस्थाओं पर भी विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया।

इस बीच, विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के आगमन के कारण अधिकारियों ने पूरे इस्लामाबाद में सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है और यातायात में बदलाव किए गए हैं। इस कारण कई प्रमुख सड़कों पर यातायात का मार्ग बदला गया है या उन्हें बंद कर दिया गया है।

नेपाल के पूर्व पीएम ओली और पूर्व गृह मंत्री रिहा

सबूत के अभाव में बरी किया गया

काठमांडू, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को जमानत मिल गई है। अब उन्हें जेल से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकारी वकील के दफ्तर ने पुलिस को चिट्ठी भेजकर कहा है कि दोनों नेताओं की रिहाई सुनिश्चित की जाए। हालांकि, केपी शर्मा ओली की तबियत ठीक नहीं है, इसलिए उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। दोनों नेताओं को 28 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उन पर पिछले साल जेन जी प्रोटेस्ट के दौरान हत्या से जुड़े आरोप थे। जांच में उनके खिलाफ पक्का सबूत नहीं मिला, इसलिए केस दर्ज नहीं हो सका। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 9 अप्रैल तक या तो आरोप तय करो या फिर दोनों को रिहा कर दो।

एक्टर मैथ्यू पैरी की मौत के मामले में भारतीय मूल की महिला को 15 साल की सजा, ड्रग्स बेचा था

जलंधर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। हॉलीवुड के मशहूर टीवी शो 'फ्रेंड्स' के अभिनेता मैथ्यू पैरी की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में अदालत ने भारतीय मूल की महिला जसवीन संघा को 15 साल की जेल की सजा सुनाई है। जसवीन को 'केटामाइन क्वीन' के नाम से भी जाना जाता है।

जसवीन संघा ने पिछले साल सितंबर में पांच आरोपों को स्वीकार किया था। इनमें केटामाइन बेचने का आरोप भी शामिल था, जिसे मैथ्यू पैरी की मौत की बड़ी वजह माना गया। केटामाइन एक बेहोश करने वाली दवा है, जिसका इस्तेमाल केवल डॉक्टर की निगरानी में ही किया जाता है।

मैथ्यू पैरी अक्टूबर 2023 में अपने घर के हॉट टब में मृत पाए गए थे। जांच में सामने आया कि उनकी मौत केटामाइन के ज्यादा असर (ओवरडोज) की वजह से हुई थी। सरकारी वकील के अनुसार, नॉर्थ हॉलीवुड में स्थित जसवीन का घर ड्रग्स सप्लाई का केंद्र बना हुआ था, जहां अमीर ग्राहकों को अलग-अलग तरह के नशीले पदार्थ बेचे जाते थे।

जांच के दौरान जसवीन के घर से भारी मात्रा में केटामाइन, मेथामफेटामिन, कोकीन और अन्य ड्रग्स बरामद किए गए थे। अदालत ने यह भी कहा कि आरोपी ने लंबे समय तक अपने किए पर कोई पछतावा नहीं दिखाया, इसलिए उसे सख्त सजा देना जरूरी था।

बारामती विधानसभा उपचुनाव में सुनेत्रा पवार की जीत तय, कांग्रेस कैंडिडेट ने नाम वापस लिया

पुणे, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बारामती विधानसभा उपचुनाव में एनसीपी कैंडिडेट और डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार का निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है।

आज नाम वापसी की आखिरी तारीख पर कांग्रेस के आकाश मोरे ने नाम वापस ले लिया। यह सीट अजित पवार के निधन से खाली हुई है।

इसके पहले महाराष्ट्र के प्रभारी एआईसीसी महासचिव चेन्निथला ने कहा था कि उन्होंने कांग्रेस की राज्य इकाई से चुनाव से अपना उम्मीदवार वापस लेने को कहा है। बारामती में 23 अप्रैल को उपचुनाव होना है।

भारत चुपचाप नहीं बैठ सकता, पश्चिम एशिया संघर्ष और पाकिस्तान की मध्यस्थता पर बोले शशि थरूर

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत चुपचाप नहीं रह सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को अपने हितों का ध्यान रखते हुए वार्ता में सीधे हस्तक्षेप किए बिना अपने रणनीतिक विकल्पों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना चाहिए। शशि थरूर ने कहा कि हम सिर्फ तमाशा देखने वाले नहीं बन सकते। साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान का मध्यस्थ बनना भारत के लिए कोई झटका है।

शशि थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्र में भारत के बड़े रणनीतिक, आर्थिक हित जुड़े हुए हैं और उसे कूटनीतिक रूप से सतर्क रहना चाहिए। थरूर ने इस बात की ओर भी इशारा किया कि भारत को मध्यस्थता की भूमिका में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए, लेकिन सरकार को यह आकलन करते रहना चाहिए कि हालात के अनुसार आगे क्या करना है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यदि पाकिस्तान की मध्यस्थता विफल हो जाती है, तो भारत को देखना चाहिए कि वह क्या कर सकता है। बदलते हालात को देखते हुए स्थिति के अनुसार भारत को अपने विकल्प खुले रखने चाहिए। साथ ही थरूर ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके बयान को इस स्तर पर वार्ता में भारत की प्रत्यक्ष भागीदारी की वकालत के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

ईरान-अमेरिका जंग के बीच पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभाता है तो इसे भारत के लिए नुकसान के रूप में नहीं देखना चाहिए। भारत को व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। यह भी हो सकता है कि पाकिस्तान खुद से पहल नहीं कर रहा और वह ऐसा अमेरिका के कहने पर कर रहा हो।

उन्होंने कहा कि मैं यह सुझाव नहीं दे रहा हूं कि भारत को वार्ता में शामिल होना चाहिए। साथ ही कहा कि भारत का शांत रहना कोई कमजोरी नहीं बल्कि सोच-समझकर लिया गया फैसला है। सरकार को कोई भी कदम राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर उठाना चाहिए। शशि थरूर ने भारत और अमेरिका के संबंधों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंध विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बने हुए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत-अमेरिका संबंधों में कोई नकारात्मकता न आए।

पाकिस्तान-यूएई के रिश्ते मजबूत, समय पर चुका देंगे लोन

नरम पड़े बड़बोले रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का कर्ज समय पर चुकाने का भरोसा दिया है। यह बयान तब आया है, जब दोनों देशों के संबंधों में तनाव की बात कही जा रही है। हालांकि, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दावा किया है कि यूएई की ओर से पाकिस्तान के प्रति नाराजगी के कोई संकेत नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान अपना कर्ज तय समय पर उतार देगा। हालांकि, पाकिस्तान की माली हालात को देखते हुए इसकी कम ही उम्मीद है।

एक कार्यक्रम में बोलते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान का यूएई के साथ रिश्ता पीढ़ियों पुराना है और इसकी नींव बहुत मजबूत है। उन्होंने आगे कहा, मैच्योर होने पर, हम रकम वापस कर देंगे, जैसा कि हमने

पहले भी किया है, और यह रकम फिर से वापस आ सकती है। पाकिस्तान इस महीने संयुक्त अरब अमीरात को $3.5 बिलियन का लोन चुकाएगा, जिससे उसके विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ सकता है। यह भुगतान ऐसे समय में हो रहा है जब पाकिस्तान 7 बिलियन डॉलर के अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष प्रोग्राम के तहत जून तक अपने विदेशी मुद्रा रिज़र्व को 18 बिलियन डॉलर से ऊपर ले जाने का लक्ष्य बना रहा है। पहले, यूएई हर साल इस तरह की जमा रकम को आगे बढ़ा देता था। हालांकि, दिसंबर 2025 में, यह सुविधा सिर्फ कम समय के लिए बढ़ाई गई थी। यूएई ने इसे पहले पहले एक महीने के लिए और फिर दो महीने के लिए बढ़ाया है।

पाकिस्तानी वित्त मंत्री के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने मंगलवार को दावा किया कि उनके देश ने 1.43 बिलियन डॉलर का बाहरी कर्ज चुका दिया है, जिसमें 8 अप्रैल को मैच्योर होने वाला 1.3 बिलियन डॉलर का यूरोबॉन्ड और दूसरे यूरोबॉन्ड पर 126.125 मिलियन डॉलर की देनदारियां शामिल हैं।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने पिछले हफ्ते यूएई के कर्ज की वापसी से जुड़ी रिपोर्टों को गुमराह करने वाली और बेबुनियाद बताकर खारिज किया था। उसने कहा था कि यह भुगतान एक सामान्य वित्तीय लेन-देन है।

किताबें नहीं, फिर भी पढ़ानी होगी तीसरी भाषा

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सीबीएसई ने क्लास 6 में तीसरी भाषा लागू करने को लेकर बड़ा फैसला लिया है। बोर्ड ने 9 अप्रैल को जारी सर्कुलर में सभी स्कूलों को 7 दिन के अंदर इसे लागू करने का निर्देश दिया है। इसे अत्यंत आवश्यक एवं अनिवार्य बताते हुए तुरंत पढ़ाई शुरू करने को कहा गया है।

नोटिस के अनुसार, यह नियम 2026-27 सेशन यानी इसी साल से लागू होगा। स्कूलों को अभी से तैयारी और पढ़ाई शुरू करनी होगी। खास बात ये है कि थर्ड लैंग्वेज को बतौर सब्जेक्ट पढ़ाने के लिए अभी किताबें उपलब्ध नहीं हैं। सीबीएसई ने नोटिस में कहा कि स्कूल तीसरी भाषा की पढ़ाई के लिए फिलहाल स्थानीय स्तर पर उपलब्ध किताबों और सामग्री का इस्तेमाल करें। आधिकारिक टेक्स्ट बुक्स जल्द उपलब्ध कराई जाएंगी। लेकिन स्कूलों को इंतजार नहीं करना है और तुरंत पढ़ाई शुरू करनी होगी। स्कूल अपनी चुनी गई तीसरी भाषा की जानकारी सीबीएसई को देंगे। इसे ओएएसआईएस पोर्टल पर अपडेट करना जरूरी होगा। बोर्ड ने कहा है कि इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी उसके रीजनल ऑफिस करेंगे, ताकि सभी स्कूल समय पर नियम लागू करें। महाराष्ट्र पिछले साल थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना था। राज्य में 1 से 5वीं क्लास तक के बच्चों के लिए हिंदी पढ़ना जरूरी कर दिया गया है। राज्य के सभी मराठी और अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में नियम लागू है।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 की सिफारिश के मुताबिक सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 2 अप्रैल को अपना नया करिकुलम फ्रेमवर्क रिलीज किया। इसके तहत स्कूल्स में थ्री-लैंग्वेज फॉर्मूला लागू किया जाएगा। हर स्टूडेंट को दसवीं क्लास तक तीन भाषाएं सीखनी होगी।

नई शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) को भारत सरकार ने 29 जुलाई, 2020 को मंजूरी दी थी। यह 34 साल बाद भारत की शिक्षा नीति में एक बड़ा बदलाव है। इससे पिछली नीति 1986 में बनाई गई थी (जिसे 1992 में अपडेट किया गया था)। इसका उद्देश्य भारत की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुसार ढालना है, ताकि छात्र व्यावहारिक ज्ञान और कौशल से लैस हों। नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए केन्द्र ने 2030 तक का लक्ष्य रखा है।

चूंकि शिक्षा संविधान में समवर्ती सूची का विषय है, जिसमें राज्य और केंद्र सरकार दोनों का अधिकार होता है। इसलिए यह जरूरी नहीं कि राज्य सरकारें इसे पूरी तरह अप्लाई करें।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी

ऑडियो मैसेज में कहा- जैसे अतीक को मारा, वैसे ही मारना है, 33 बार गालियां दीं

वाराणसी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें भेजे गए ऑडियो मैसेज में कहा गया कि जैसे अतीक अहमद को मारा गया था, वैसे ही उन्हें भी मार दिया जाएगा। इन ऑडियो में 33 बार गालियां भी दी गई हैं और कहा गया है कि उनकी यात्रा के दौरान हमला किया जाएगा।

1 अप्रैल को ज्योतिष्पीठ के आधिकारिक नंबर पर पहले एक धमकी भरा मैसेज आया था, जिसे बाद में ब्लॉक कर दिया गया। इसके बाद 6 अप्रैल की रात 9:55 और 9:56 बजे दो वॉइस मैसेज भेजे गए।

ज्योतिष्पीठ ने बुधवार को ये दोनों ऑडियो जारी करके मामले की जांच की मांग की है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद "गोमाता-राष्ट्रमाता" अभियान चला रहे हैं। इसी के तहत 3 मई से उत्तर प्रदेश में उनकी "गविष्ठी यात्रा" शुरू होने वाली है, जिसमें वे लोगों को गायों की सुरक्षा और उनके लिए आश्रय (गोधाम) बनाने के बारे में जागरूक करेंगे। शंकराचार्य का टाइम नजदीक आ गया है। कितना भी बचे, वह बच ही नहीं पाएगा। जैसे अतीक अहमद को मारा, वैसे ही उसको भी मारना है। बाद में सारी कहानी खत्म। यह रेपिस्ट है।

सीने पर बैठकर चाकू से सिर काटा, फिर बीच रोड पर रखा

भीड़ ने आरोपी को भी जमकर पीटा, अस्पताल में मौत

अररिया, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के अररिया में गुरुवार को एक युवक का गला काटकर उसका कटा सिर बीच सड़क पर रख दिया। मृतक की पहचान मो. नवी हुसैन के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम देने वाले का नाम रवि चौहान बताया जा रहा है।

नवी ड्राइवर था और रवि सत्तू की दुकान चलाता था। रवि ने नवी के सीने पर बैठकर बीच सड़क उसकी गर्दन काटी। इसका वीडियो भी सामने आया है।

वारदात के बाद रवि 5 मिनट तक हाथ में चाकू लिए वहीं खड़ा रहा। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपी को भी पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

भीड़ ने सड़क पर आगजनी और तोड़फोड़ की। इलाके के सभी दुकानों को बंद कर दिया गया है। घटना फारबिसगंज थाना क्षेत्र के मार्केटिंग यार्ड गेट नंबर 2 के पास हुई।

बीच सड़क चाकू से गला काटने का 30 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। इसमें नवी जमीन पर लेटा दिख रहा है। रवि उसकी छाती पर चढ़कर गला रेत रहा है। इस दौरान आते-जाते लोग रास्ता बदल लेते हैं। कुछ भागकर दूर चले जाते हैं, लेकिन कोई उसे रोकने की कोशिश नहीं करता।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया, आज सुबह पिकअप ड्राइवर मो. नवी हुसैन रवि कुमार के पास पहुंचा। रवि सत्तू बेचता है। नवी ने रवि से कहा, 'सत्तू वाली कैसी है।' इस पर रवि भड़क गया। दोनों में बहस हुई। इसी बीच रवि ने चाकू निकाल कर नवी के पेट में मार दिया। लोगों का कहना है कि फिर रवि नवी की छाती पर बैठा और उसका गला रेत डाला।

हत्या के बाद मौके पर मौजूद लोग आक्रोशित हो गए। भीड़ ने आरोपी रवि को पकड़ लिया और उसे बेरहमी से पीटा। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद रवि को भीड़ से छुड़ाया और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

आसपास के लोगों ने बताया गुरुवार यानी 9 अप्रैल की सुबह सत्तू बेचने की जगह पर पिकअप लगाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ।

इसी विवाद में रवि ने नवी की पहले चाकू गोदकर हत्या कर दी। इसके बाद सिर को धड़ से अलग कर सड़क पर रख दिया। दोनों के बीच पार्किंग को लेकर अक्सर झगड़ा होता था। नवी वहां अपनी गाड़ी खड़ी करता था तो रवि भड़क जाता था। आज नवी ने रवि की पत्नी पर कमेंट किया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया।

सपा नेता को थैलियम जहर से मारने की कोशिश

वाराणसी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी में सपा नेता को थैलियम जहर देकर मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। मुंबई के अस्पताल की डॉक्टर ने सपा नेता के खून में थैलियम के अंश मिलने की पुष्टि की है। जांच रिपोर्ट आने के बाद सपा नेता की पत्नी ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

संदीप सिंह की पत्नी खुशबू सिंह की शिकायत पर पुलिस ने बुधवार को मामला दर्ज किया है। संदीप समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं। उनकी पत्नी के अनुसार, फरवरी 2025 में अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

हालत में सुधार न होने पर उन्हें मैक्स अस्पताल दिल्ली में भर्ती किया गया। वहां भी फायदा न होने पर उन्हें एयर एंबुलेंस के जरिए मुंबई के पीडी हिंदुजा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने थैलियम जहर की पुष्टि की।

बेटा आईईएस में अधिकारी, पिता के पास दिल्ली से आया कॉल- बेटे को रेप केस में अरेस्ट करूंगा

रायपुर में रिटायर्ड इंजीनियर से ठगी

रायपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में साइबर क्राइम का मामला सामने आया है। रायपुर के डीडी नगर इलाके में रहने वाले एक रिटायर्ड इंजीनियर को झांसे में लेकर ठगी की गई है।

ठगों ने रिटायर्ड इंजीनियर के बेटे को दिल्ली में गिरफ्तार करने की धमकी दी और बदले में उससे 80 हजार रुपये ठग लिए। ठगों ने फोन में रिटायर्ड अधिकारी को दिल्ली पुलिस का अफसर बताया था।

पीड़ित ने मामले की शिकायत अब पुलिस में दर्ज कराई है। रिटायर्ड इंजीनियर ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि वह डीडी नगर सेक्टर-1 के रहने वाले हैं। पीड़ित ने अपना नाम अपराजिता प्रताप सिंह बताया। पुलिस के उन्होंने बताया कि 4 अप्रैल को मुझे व्हाट्सऐप पर कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली पुलिस का अफसर बताया।

फोन करने वाले ठग ने रिटायर्ड इंजीनियर ने कहा कि उनके बेटे के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया गया है। हम उसे रेप केस में गिरफ्तार करने जा रहे हैं। छुड़ाने के लिए 1 लाख 60 हजार रुपये मांगे गए।

इसके बाद आरोपियों ने रिटायर्ड इंजीनियर को वीडियो कॉल किया और पैसों के लिए प्रेशर बनाने लगे। इंजीनियर को लगा कि बात में सच्चाई है और उन्होंने पैसे ट्रांसफर करने के लिए हामी भर दी।

बेटे की बात सुनकर रिटायर्ड अधिकारी ने आरोपी के बताए बैंक खाते में 80 हजार रुपये फौरन ट्रांसफर कर दिए और बाकी पैसे बाद में देने की बात कही। इसके बाद जब बेटे से

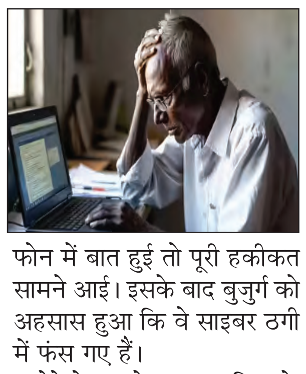

फोन में बात हुई तो पूरी हकीकत सामने आई। इसके बाद बुजुर्ग को अहसास हुआ कि वे साइबर ठगी में फंस गए हैं।

बेटे के कहने पर वह पुलिस के पास केस दर्ज कराने पहुंचे। पीड़ित ने बताया कि उनका बेटा दिल्ली में भारतीय इंजीनियरिंग सेवा का अधिकारी है। शिकायत के बाद डीडी नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल इस मामले में किसी भी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

वैशाख माह का कालाष्टमी व्रत आज पूजा का शुभ मुहूर्त, विधि और महत्व

कालाष्टमी पूजा विधि

कालाष्टमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और फिर साफ वस्त्र पहनें। इसके बाद मन में व्रत का संकल्प लें। फिर पहले भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करें। इसके बाद काल भैरव का अभिषेक कर उनको तिलक लगाएं। पूजा के दौरान काल भैरव को फूल, काले तिल, सरसों का तेल, गुड़, काली उड़द, कच्चा दूध और मीठी रोटी चढ़ाएं। काल भैरव के मंत्रों का जाप करें। शिव चालीसा और भैरव चालीसा का पाठ करें। अंत में आरती करके पूजा का समापन करें।

कालाष्टमी व्रत का महत्व

मान्यता है कि इस दिन भगवान काल भैरव की पूजा करने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और शत्रुओं से रक्षा होती है। इसके अलावा इस व्रत को रखने से मानसिक तनाव कम होता है। जीवन में सुख-समृद्धि आती है। काल भैरव समय के स्वामी हैं। इसलिए उनकी पूजा जीवन में स्थिरता और अनुशासन लाती है।

धर्म में हर मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन कालाष्टमी का व्रत रखा जाता है। ये दिन भगवान शिव के उग्र रूप काल भैरव को समर्पित किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन काल भैरव देव जी प्रकट हुए थे। जीवन के सभी तरह के भय से मुक्ति मिलती है। जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। वैशाख माह की कालाष्टमी का व्रत कल रखा जाएगा। ऐसे में आइए जानते हैं इसकी पूजा का शुभ मुहूर्त, विधि और महत्व।

वैशाख कालाष्टमी तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह की कृष्ण पक्ष अष्टमी तिथि आज रात 09 बजकर 19 मिनट पर शुरू हो चुकी है। इसका समापन 10 अप्रैल रात 11 बजकर 15 मिनट पर होगा।

वैशाख कालाष्टमी पूजा शुभ मुहूर्त

काल भैरव की पूजा रात के समय अधिक शुभ मानी जाती है। कालाष्टमी पर रात के समय ही काल भैरव देव का पूजन करें। 10 अप्रैल को रात रात 09 बजे से 11 बजे के बीच पूजा का सबसे उत्तम समय रहने वाला है।

गीता में योग्य लोगों की योग्यता ही देवांश कहा गया है

ऊपर वाले ने जब मनुष्य को बनाया तो एक बात मनुष्य में डाली- असीम संभावना। दार्शनिक लोग कहते हैं कि हर मनुष्य को बनाने के बाद जब ऊपर वाला नीचे भेजता है तो सभी के कान में एक बात बोलता है कि मैंने तुझे जो कुछ भी दिया, उसमें सबसे ज्यादा संभावना दी है।

नीचे आकर हम यह भूल जाते हैं। फिर जब हम परेशान होते हैं तो ऊपर वाला हमें देखकर सोचता है कि मैंने इसे पंख दिए और यह अपने पंखों का उपयोग नहीं कर रहा है। गीता में एक जगह कृष्ण जी ने कहा था- योग्य लोगों की योग्यता मेरा अंश है।उसको देवांश कहा गया है। तो हम सब परमात्मा के अंश हैं। पिछले दिनों जब मैं फिनलैंड की यात्रा पर था तो एक होटल में मैं चौंक गया। उसके कमरे में न तो टेलीफोन था, न पानी गर्म करने की कैटल। वहां कोई सेवा देने वाला कर्मचारी भी नहीं था। जब पूछा गया कि ऐसा क्यों? तो उन्होंने कहा कि हमारे यहां का नियम है- डु इट योरसेल्फ। फिनलैंड का ये नियम मुझे ऐसा लगा जैसे सचमुच ऊपर वाले की बात यही निभा रहे हैं, क्योंकि परमात्मा ने भी हमको मनुष्य बनाकर कहा है- डु इट योरसेल्फ!

रामकृष्ण परमहंस की सीखःघर-परिवार और काम में संतुलन ही सच्ची साधना है

रामकृष्ण परमहंस के आश्रम में एक शिष्य था- मणि। मणि एक गृहस्थ व्यक्ति थे, इनके जीवन में परिवार, जिम्मेदारियां और रोजमर्रा की कई परेशानियां थीं। वे अपने परिवार से प्रेम तो करते थे, लेकिन धीरे-धीरे जिम्मेदारियों का बोझ उन्हें भारी लगने लगा था। उनके मन में एक ही इच्छा उठती थी कि सब कुछ छोड़कर भगवान की भक्ति में लीन हो जाना चाहिए।

एक दिन वे अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के पास पहुंचे। उनके चेहरे पर थकान और मन में द्वंद्व साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने विनम्रता से कहा, "गुरुदेव, मैं तन-मन से भगवान की भक्ति करना चाहता हूं, लेकिन ये पारिवारिक जिम्मेदारियां मुझे रोकती हैं। मैं इनसे मुक्त होना चाहता हूं।"

परमहंस मुस्कुराए। उन्होंने शांत स्वर में कहा, "मणि, तुम जो अभी कर रहे हो, वही भी भगवान की सेवा ही है। तुम अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हो, उनके लिए मेहनत कर रहे हो, यह भी एक प्रकार की पूजा है।"

मणि ने कुछ असंतोष के साथ कहा, "लेकिन गुरुदेव, मेरी इच्छा है कि कोई और मेरे परिवार की जिम्मेदारी संभाल ले, ताकि मैं पूरी तरह ईश्वर की भक्ति कर सकूं।"

परमहंस ने गंभीरता से उत्तर दिया, "तुम्हारी भावना अच्छी है, लेकिन मार्ग अधूरा है। सच्ची भक्ति केवल जंगलों में या आश्रमों में नहीं होती। वह हर उस कर्म में होती है जो निस्वार्थ भाव से किया जाए। तुम पहले अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाओ। साथ ही, भक्ति भी करते रहो। जब तुम्हारे कर्तव्य पूरे होंगे, तब तुम्हारा मन स्वतः ही भक्ति में और गहराई से डूब जाएगा।"

मणि को यह बात समझ में आने लगी। उन्हें एहसास हुआ कि वे जिम्मेदारियों से भागना चाहते थे, जबकि सच्चा मार्ग उन्हें अपनाने का था। उस दिन के बाद उन्होंने अपने परिवार की सेवा को ही पूजा मान लिया और धीरे-धीरे उनका मन भी शांत और संतुलित होने लगा।

इस प्रकार, मणि ने सीखा कि जीवन में संतुलन ही सच्ची साधना है- जहां कर्तव्य और भक्ति दोनों साथ चलते हैं।

प्रसंग की सीख

जिम्मेदारियों से भागना नहीं, उन्हें अपनाना सीखें

अक्सर हम सोचते हैं कि समस्याओं से दूर जाकर शांति मिल जाएगी, लेकिन असली शांति जिम्मेदारियों को निभाने में है। परिवार, काम और रिश्ते- ये जीवन का हिस्सा हैं, बोझ नहीं। जो लोग ये बात समझ लेते हैं, उन्हें शांति जरूर मिलती है।

हर काम को पूजा समझें

यदि आप अपने काम को भगवान की सेवा मानकर करते हैं, तो वही काम आनंद देने लगता है। चाहे नौकरी हो या घर का काम- हर काम में अर्थ और संतोष खोजें।

संतुलन बनाना ही सफलता है

जीवन में केवल काम या केवल आध्यात्म नहीं, बल्कि दोनों का संतुलन बनाना जरूरी है। दिन का कुछ समय अपने कर्तव्यों के लिए और कुछ समय आत्मिक विकास के लिए रखें।

छोटी-छोटी प्रगति को महत्व दें

एकदम से सब कुछ छोड़ देना समाधान नहीं है। धीरे-धीरे अपने जीवन में सुधार करें। जैसे-जैसे जिम्मेदारियां पूरी होती जाएंगी, आप अपने मन को ज्यादा स्वतंत्र पाएंगे।

मानसिक शांति अंदर से आती है

बाहरी परिस्थितियां कभी भी पूरी तरह अनुकूल नहीं होतीं। इसलिए शांति बाहर नहीं, अपने अंदर ढूंढें। ध्यान, प्रार्थना या सकारात्मक सोच इसमें मदद कर सकते हैं।

तुलना से बचें

दूसरों को देखकर यह न सोचें कि उनका जीवन आसान है। हर व्यक्ति की परिस्थितियां अलग होती हैं। अपनी यात्रा पर ध्यान दें, तभी मन शांत रह सकता है। ध्यान रखें दूसरों की चीजों पर ज्यादा ध्यान देने से मन में असंतोष जागता है।

कर्तव्य ही धर्म है

परिवार को छोड़कर की गई भक्ति अधूरी मानी जाती है। जो व्यक्ति अपने कर्तव्यों को निभाता है, वही सच्चे अर्थों में धर्म का पालन करता है। रिश्तों में और जीवन में भागना आसान है, लेकिन निभाना महानता है। जब हम अपने कर्तव्यों को स्वीकार करते हैं और उन्हें प्रेम से निभाते हैं, तब वही जीवन एक साधना बन जाता है।

सप्ताह में किस दिन बाल धोना चाहिए जिससे मां लक्ष्मी की कृपा बरसती रहे

सुबह-सुबह बाल धोना कई लोगों के लिए बस एक रोज़मर्रा की आदत होती है, लेकिन अगर आप ज्योतिष की नजर से देखें तो ये एक छोटा सा काम भी आपकी किस्मत और घर की ऊर्जा पर असर डाल सकता है। घर के बड़े-बुजुर्ग अक्सर कहते हैं कि हर दिन सिर धोना ठीक नहीं होता, और कुछ खास दिन ऐसे होते हैं जब ऐसा करने से फायदा होता है। अब ये बातें सिर्फ परंपरा नहीं रह गई हैं, बल्कि ज्योतिष शास्त्र भी इसके पीछे कुछ खास वजहें बताता है। कौन सा दिन आपके लिए शुभ है और कौन सा दिन टालना बेहतर-ये समझना आज भी कई लोगों के लिए दिलचस्प और काम की बात है।

सप्ताह के दिनों और सिर धोने का ज्योतिष संबंध

ज्योतिष शास्त्र में हर दिन का अपना ग्रह और ऊर्जा मानी जाती है। इसी के आधार पर सिर धोने के नियम भी बताए गए हैं। माना जाता है कि सही दिन पर सिर धोने से न सिर्फ मन शांत रहता है, बल्कि घर की स्थिति और आपकी तरक्की पर भी असर पड़ सकता है।

सोमवारः शांति और ताजगी का दिन

सोमवार को चंद्रमा का दिन माना जाता है। इस दिन सिर धोना मानसिक शांति और ठंडक देता है। कई लोग मानते हैं कि इससे चेहरे पर निखार आता है और दिनभर मन हल्का महसूस होता है। ऑफिस या घर के काम में भी ध्यान बेहतर रहता है।

बुधवारः संपत्ति और प्रगति का संकेत

बुधवार को सिर धोना काफी शुभ माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार इस दिन बाल धोने से घर में धन बढ़ने और काम में तरक्की के संकेत मिलते हैं। कई परिवारों में आज भी इस दिन को खास माना जाता है।

शनिवारः नकारात्मकता से राहत

शनिवार को सिर धोना कुछ लोगों के लिए राहत देने वाला माना जाता है। ऐसा विश्वास है कि इससे दरिद्रता कम होती है और जीवन में चल रही रुकावटें धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। कई लोग इसे एक तरह से "रीसेट डे" भी मानते हैं।

मंगलवारः विवाद से जुड़ा दिन

मंगलवार को सिर धोने से घर में छोटे-छोटे झगड़े हो सकते हैं- ऐसा कई लोग मानते हैं। इसलिए इस दिन को टालना बेहतर माना जाता है, खासकर अगर घर में पहले से तनाव हो।

गुरुवारः लक्ष्मी से जुड़ी मान्यता

गुरुवार को सिर धोना खासकर महिलाओं के लिए शुभ नहीं माना जाता। कहा जाता है कि इस दिन ऐसा करने से घर की समृद्धि पर असर पड़ सकता है। इसलिए कई घरों में आज भी इस नियम का पालन किया जाता है।

शुक्रवारः रिश्तों में उतार-चढ़ाव

शुक्रवार को भी सिर धोने से बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे रिश्तों में हल्की खटास आ सकती है, हालांकि हर कोई इसे मानता हो ऐसा जरूरी नहीं।

तिथि और व्रत का भी होता है असर

सिर्फ दिन ही नहीं, बल्कि तिथि और व्रत भी इस मामले में अहम माने जाते हैं। एकादशी, अमावस्या और पूर्णिमा जैसे दिनों में कुछ लोग सिर धोना टालते हैं। खासकर जब व्रत रखा हो, तब इसे न करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर नियम को पूरी तरह निभा पाना आसान नहीं होता, इसलिए लोग अपनी सुविधा के हिसाब से बदलाव भी करते हैं।

विज्ञान क्या कहता है?

अगर थोड़ी देर के लिए ज्योतिष से हटकर देखें, तो विज्ञान भी कुछ दिलचस्प बातें बताता है। रोज़-रोज़ सिर धोना बालों के लिए अच्छा नहीं माना जाता। इससे बालों का नैचुरल ऑयल खत्म हो जाता है और बाल सूखे और कमजोर हो सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हफ्ते में 2-3 बार सिर धोना बेहतर है। साथ ही, बाल धोने से पहले हल्का तेल लगाना और माइल्ड शैम्पू इस्तेमाल करना ज्यादा फायदेमंद होता है।

अक्षय तृतीया पर तुलसी की पूजा क्यों मानी जाती है फलदायी?

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया के दिन बिना किसी विशेष मुहूर्त के विवाह, खरीदारी, दान-पुण्य और पूजा-पाठ जैसे शुभ कार्य किए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन किया गया हर शुभ कार्य अक्षय यानी कभी समाप्त न होने वाला फल देता है। यही वजह है कि इस दिन तुलसी पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया का दिन सौभाग्य और सिद्धि का प्रतीक माना जाता है। इस दिन दान-पुण्य और सोने की खरीदारी के साथ-साथ तुलसी पूजन का भी विशेष महत्व है। माना जाता है कि इस दिन मां तुलसी की आराधना करने से घर में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती। आइए जानते हैं कि अक्षय तृतीया पर तुलसी पूजा क्यों फलदायी है और इसकी सही विधि क्या है।

कब है अक्षय तृतीया 2026?

पंचांग के अनुसार, साल 2026 में वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 19 अप्रैल को सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर होगी और इसका समापन 20 अप्रैल को सुबह 7 बजकर 49 मिनट पर होगा। ऐसे में अक्षय तृतीया का पर्व 19 अप्रैल 2026 को मनाया जाएगा।

अक्षय तृतीया पर तुलसी पूजा का महत्व

तुलसी को हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है और भगवान विष्णु को तुलसी बहुत ही प्रिय है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन तुलसी की पूजा करने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी दोनों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इससे घर में सुख-समृद्धि, धन-धान्य और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इस दिन तुलसी पूजा करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और व्यक्ति को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। खासतौर पर जिन लोगों को आर्थिक समस्याएं या पारिवारिक तनाव होता है, उनके लिए यह पूजा बेहद फलदायी मानी जाती है।

कर्नाटक का अनोखा मंदिर, जहां एक ही मूर्ति में विराजते हैं शिवजी और विष्णु

भारत अपनी प्राचीन विरासत और मंदिरों की वास्तुकला के लिए दुनिया भर में मशहूर है। लेकिन कर्नाटक के दावणगेरे जिले में एक ऐसा मंदिर है, जो न केवल अपनी सुंदरता बल्कि भगवान विष्णु और शिवजी की एकता के अद्भुत संदेश के लिए जाना जाता है। हम बात कर रहे हैं ऐतिहासिक हरिहरेश्वर मंदिर की। अक्सर देखा जाता है कि हिंदू धर्म में शैव और वैष्णव संप्रदायों के बीच मतभेद की चर्चा होती है, लेकिन यह मंदिर इस बात का जीवंत प्रमाण है कि ईश्वर एक ही है।

एक ही मूर्ति में दो शक्तियां

इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित हरिहर की मूर्ति है। इस अद्वितीय विग्रह में भगवान शिव और भगवान विष्णु का संयुक्त रूप देखने को मिलता है। मूर्ति का दायां भाग भगवान शिव (हर) का प्रतीक है, जिसमें जटामुकुट, त्रिशूल और रुद्र स्वरूप झलकता है। वहीं बायां भाग भगवान विष्णु (हरि) का है, जिसमें शंख, चक्र और राजसी मुकुट दिखाई देता है। यह स्वरूप दर्शाता है कि सृष्टि के पालन और संहार की शक्तियां अलग-अलग नहीं, बल्कि एक ही परम शक्ति के रूप हैं।

पौराणिक कथा

इस मंदिर से जुड़ी एक बेहद रोचक कथा भी प्रचलित है। मान्यता के अनुसार, गुहासुर नामक राक्षस ने ब्रह्मा की कठोर तपस्या कर एक विशेष वरदान प्राप्त किया था कि उसे न तो अकेले शिव मार सकेंगे और न ही अकेले विष्णु। इस वरदान के अभिमान में उसने ऋषियों और देवताओं को परेशान करना शुरू कर दिया। तब सृष्टि की रक्षा के लिए भगवान शिव और भगवान विष्णु ने एक साथ मिलकर हरिहर का रूप धारण किया और तुंगभद्रा नदी के तट पर गुहासुर का वध किया।

ऐतिहासिक महत्व

कर्नाटक के दावणगेरे जिले के हरिहर शहर में स्थित यह मंदिर 13वीं शताब्दी का बताया जाता है। इसका निर्माण लगभग 1223-1224 ईस्वी के बीच वीर नरसिम्हा द्वितीय के शासनकाल में उनके सेनापति और मंत्री पोलाल्वा द्वारा करवाया गया था।

यह मंदिर होयसल वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें पत्थरों पर की गई बारीक नक्काशी आज भी लोगों को आकर्षित करती है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 10 अप्रैल - 2026

होर्मुज खुलेगा तो थमेगी चिंता

ईरान और अमेरिका के बीच 14 दिनों तक चले तनावपूर्ण संघर्ष के बाद युद्धविराम का एलान दुनिया के लिए राहत की खबर है। यह युद्धविराम इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि पिछले दिनों पूरी दुनिया में परमाणु हमले की आशंका ने भय का वातावरण बना दिया था। ऐसे समय में संघर्ष का थमना क्षेत्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी सकारात्मक संकेत है। भारत ने भी शुरुआत से ही संयम और संवाद की नीति अपनाते हुए शांति की अपील की थी, जो उसकी जिम्मेदार वैश्विक भूमिका को दर्शाता है। युद्धविराम का स्वागत जरूरी है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। इतिहास गवाह है कि अस्थायी युद्धविराम तब तक प्रभावी नहीं होते जब तक उनके पीछे मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और संवाद की निरंतर प्रक्रिया न हो। अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से चले आ रहे अविश्वास को समाप्त किए बिना स्थायी शांति संभव नहीं है। इसलिए अब दोनों देशों को युद्धविराम को अवसर मानते हुए बातचीत की दिशा में ठोस कदम बढ़ाना चाहिए। इस पूरे संकट का सबसे बड़ा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ा है। तेल की कीमतों में अस्थिरता ने दुनिया के कई देशों की आर्थिक हालत को झकझोर दिया है। करोड़ों लोगों के सामने महंगाई का खतरा खड़ा हो गया है और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं विशेष रूप से दबाव में आ गई हैं। ऐसे में युद्धविराम के बाद सबसे जरूरी कदम होर्मुज समुद्री मार्ग को पूरी तरह सुरक्षित और सामान्य बनाना है, क्योंकि यही मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति की जीवनरेखा है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य सामान्य रूप से खुलता है तो इससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्थिरता आएगी और ऊर्जा संकट की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाएंगी। भारत जैसे देशों के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनकी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से पूरा होता है। इसलिए भारत सहित कई देशों की यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि अमेरिका और ईरान इस मार्ग को विवाद का केंद्र बनाने के बजाय सहयोग का माध्यम बनाएं। युद्धविराम के पीछे कुछ अहम कारण भी दिखाई देते हैं। पहला, अमेरिका इस संघर्ष को लंबा खींचने की स्थिति में नहीं था, क्योंकि उसके कई सहयोगी देश पहले ही इस युद्ध से दूरी बना चुके थे। दूसरा, ईरान ने भी अपनी सामरिक क्षमता का संकेत देकर यह स्पष्ट कर दिया कि वह दबाव में झुकने वाला नहीं है। तीसरा, वैश्विक समुदाय का बढ़ता दबाव भी इस युद्धविराम का महत्वपूर्ण कारण बना। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह युद्धविराम स्थायी शांति में बदलेगा या फिर यह केवल एक अस्थायी विराम साबित होगा। इसका उत्तर अमेरिका और ईरान की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करेगा। दोनों देशों को यह समझना होगा कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं होता, बल्कि यह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। आज जरूरत इस बात की है कि संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी जाए। यदि दोनों देश संयम और सहयोग का रास्ता अपनाते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया में स्थिरता आएगी, बल्कि पूरी दुनिया को राहत मिलेगी। यही वह समय है जब युद्ध की राजनीति से ऊपर उठकर शांति की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाने होंगे, क्योंकि स्थायी शांति ही वैश्विक समृद्धि की असली कुंजी है।

स्वैच्छिक संतानहीनता : समय की आवश्यकता

डॉ. शैलेश शुक्ला

8 अप्रैल 2026 की शाम, जब विश्व की जनसंख्या वास्तविक समय में बढ़ते अंकों के साथ लगभग 8.3 अरब को पार कर चुकी है, तब यह प्रश्न पहले से कहीं अधिक तीव्रता के साथ हमारे सामने उपस्थित है कि क्या मानव सभ्यता अपने ही विस्तार के बोझ तले दबने की ओर अग्रसर है। यह वृद्धि केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि एक गहन वैश्विक संकट का संकेत है—एक ऐसा संकट जो संसाधनों की सीमाओं, पर्यावरणीय असंतुलन और सामाजिक संरचनाओं की जटिलताओं को एक साथ उजागर करता है। हर वर्ष लगभग 7 करोड़ लोगों का इस ग्रह पर जुड़ना उस दबाव को कई गुना बढ़ा देता है, जिसे पृथ्वी पहले ही वहन करने में संघर्ष कर रही है। विशेष रूप से भारत जैसे देशों में, जहाँ जनसंख्या 1.47 अरब के आसपास पहुँच चुकी है, यह चुनौती और अधिक स्पष्ट तथा तीव्र रूप में दिखाई देती है।

समस्या केवल जनसंख्या की संख्या नहीं है, बल्कि उस संख्या का पृथ्वी की धारण क्षमता पर पड़ने वाला प्रभाव है। आधुनिक अर्थशास्त्र और पर्यावरण विज्ञान में "carrying capacity" का सिद्धांत स्पष्ट करता है कि किसी भी पारिस्थितिकी तंत्र की एक सीमा होती है, जिसके आगे वह संतुलन बनाए नहीं रख सकता। जब यह सीमा पार होती है, तो परिणामस्वरूप संसाधनों का क्षय, पर्यावरणीय गिरावट और सामाजिक असमानताएँ उत्पन्न होती हैं। आज विश्व के अनेक महानगरों में भीड़, प्रदूषण, जल संकट और अव्यवस्थित जीवनशैली इसी असंतुलन के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है; विकसित राष्ट्र भी अत्यधिक उपभोग और संसाधन-गहन जीवनशैली के कारण इस दबाव को और बढ़ा रहे हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से देखें तो प्रत्येक नया जन्म केवल एक जीवन का आगमन नहीं, बल्कि एक अतिरिक्त कार्बन फुटप्रिंट का निर्माण भी है। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में यह तथ्य अब व्यापक रूप से स्वीकार किया जा चुका है कि जनसंख्या वृद्धि, ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन के बीच सीधा संबंध है। जब हर वर्ष करोड़ों नए उपभोक्ता इस पृथ्वी पर जुड़ते हैं, तो ऊर्जा, पानी, भोजन और आवास की मांग उसी अनुपात में बढ़ती है। वनों की कटाई, जैव विविधता का क्षरण और प्रदूषण की बढ़ती मात्रा इस दबाव के स्वाभाविक परिणाम हैं। ऐसे में यह तर्क कि तकनीकी प्रगति इन समस्याओं का समाधान कर देगी, एक सीमित और आंशिक दृष्टिकोण प्रतीत होता है, क्योंकि तकनीक स्वयं भी संसाधनों पर निर्भर है और उसका विस्तार भी पर्यावरणीय लागत के साथ आता है।

इस संदर्भ में सामाजिक और सांस्कृतिक धारणाएँ भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अनेक समाजों में संतान को "ईश्वर की देन" के रूप में देखा जाता है, और इस धारणा के कारण परिवार नियोजन को अक्सर नैतिक या धार्मिक प्रश्न बना दिया जाता है। परंतु आधुनिक युग में, जहाँ प्रत्येक निर्णय के व्यापक सामाजिक और पर्यावरणीय परिणाम होते हैं, यह आवश्यक हो जाता है कि हम इस दृष्टिकोण की पुनर्समीक्षा करें।

यदि किसी नए जीवन का अर्थ है सीमित संसाधनों पर और अधिक दबाव, तो यह केवल व्यक्तिगत आस्था का विषय नहीं रह जाता, बल्कि एक सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रश्न बन जाता है। जिम्मेदारी का अर्थ केवल जीवन को जन्म देना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि वह जीवन एक संतुलित और टिकाऊ परिवेश में विकसित हो सके।

जनसंख्या वृद्धि का एक और महत्वपूर्ण, किंतु अपेक्षाकृत कम चर्चित पहलू है- उसका सामाजिक नैतिकता पर प्रभाव। जब संसाधन सीमित होते हैं और प्रतिस्पर्धा तीव्र हो जाती है, तो समाज में अनैतिक प्रवृत्तियाँ बढ़ने लगती हैं। शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच के लिए संघर्ष इतना बढ़ जाता है कि लोग अपने परिवारों के हित में नियमों और मूल्यों से समझौता करने लगते हैं। इस प्रकार, अधिक जनसंख्या केवल आर्थिक या पर्यावरणीय समस्या नहीं बल्कि नैतिक संरचना के क्षरण का भी कारण बनती है। यह एक ऐसा दुष्चक्र है, जिसमें अधिक जनसंख्या अधिक प्रतिस्पर्धा को जन्म देती है, और अधिक प्रतिस्पर्धा अधिक भ्रष्टाचार को। ऐसी परिस्थितियों में स्वैच्छिक संतानहीनता एक वैकल्पिक, किंतु अत्यंत प्रभावी समाधान के रूप में उभरती है।

यह निर्णय पारंपरिक सामाजिक मान्यताओं से अलग अवश्य है, परंतु इसे केवल व्यक्तिगत जीवनशैली के रूप में देखना इसकी वास्तविक महत्ता को कम करके आंकना होगा। यह एक ऐसा विकल्प है जो सीधे-सीधे जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करता है, संसाधनों पर दबाव को कम करता है और पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में ठोस योगदान देता है। इसके साथ ही, यह व्यक्तियों को अपने समय, ऊर्जा और संसाधनों को व्यापक सामाजिक हितों में निवेश करने का अवसर भी प्रदान करता है—चाहे वह शिक्षा, शोध, सामाजिक सेवा या पर्यावरण संरक्षण के रूप में हो।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अभिभावकत्व केवल जैविक संतान तक सीमित नहीं है। समाज में पहले से ही लाखों ऐसे बच्चे हैं जिन्हें शिक्षा, मार्गदर्शन और स्नेह की आवश्यकता है। यदि व्यक्ति अपने संसाधनों और समय को इन बच्चों के विकास में लगाते हैं, तो यह न केवल एक मानवीय दृष्टिकोण है, बल्कि सामाजिक संतुलन को भी सुदृढ़ करता है। इस प्रकार, स्वैच्छिक संतानहीनता किसी प्रकार का त्याग नहीं, बल्कि जिम्मेदारी की पुनर्परिभाषा है।

अंततः, यह स्वीकार करना होगा कि मानव सभ्यता का भविष्य केवल आर्थिक विकास या तकनीकी प्रगति पर निर्भर नहीं है, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करता है कि हम अपनी जनसंख्या को किस प्रकार संतुलित रखते हैं। यदि वर्तमान प्रवृत्तियाँ जारी रहती हैं, तो संसाधनों पर बढ़ता दबाव, पर्यावरणीय संकट और सामाजिक असमानताएँ आने वाले दशकों में और अधिक गंभीर रूप ले लेंगी। ऐसे में स्वैच्छिक संतानहीनता को एक साहसिक, दूरदर्शी और नैतिक विकल्प के रूप में देखा जाना चाहिए—एक ऐसा विकल्प जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैश्विक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित करता है।

यह समय है कि हम जनसंख्या को केवल संख्या के रूप में नहीं, बल्कि उसके प्रभावों के संदर्भ में समझें। और यदि इस समझ के आधार पर कुछ लोग यह निर्णय लेते हैं कि वे संतान उत्पन्न नहीं करेंगे, तो इसे न केवल सम्मान दिया जाना चाहिए, बल्कि एक जिम्मेदार और प्रगतिशील कदम के रूप में स्वीकार भी किया जाना चाहिए।

राजनीति में अब उम्र की सीमा तय होनी चाहिए

आरके जैन

6 अप्रैल को राज्यसभा के शपथ ग्रहण कक्ष में जो दृश्य दिखाई दिया, उसने पूरे देश को भीतर तक झकझोर दिया। 85 वर्षीय शरद पवार व्हीलचेयर पर बैठकर सदन में पहुंचे। सदन में अचानक सन्नाटा छा गया। दशकों तक महाराष्ट्र की राजनीति को अपनी रणनीति, दूरदर्शिता और प्रभाव से दिशा देने वाला यह बड़ा नेता उस दिन बेहद कमजोर और थका हुआ दिखाई दे रहा था। शपथ के शब्द बोलते समय उनकी आवाज कांप रही थी, शब्द लड़खड़ा रहे थे और चेहरा थकान से भरा हुआ था। वह केवल एक शपथ ग्रहण समारोह नहीं था; वह भारतीय राजनीति के सामने खड़ा एक कठोर और असहज प्रश्न था—क्या सत्ता का मोह इतना बड़ा हो सकता है कि शरीर जवाब दे देने के बाद भी नेता कुर्सी छोड़ने को तैयार न हों?

यही वह क्षण था, जिसने राजनीति में सेवानिवृत्ति की आवश्यकता पर नई बहस खड़ी कर दी। जिस प्रकार सेना, न्यायपालिका, प्रशासन और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं में एक निश्चित आयु के बाद व्यक्ति को जिम्मेदारी छोड़नी पड़ती है, उसी प्रकार राजनीति में भी कोई स्पष्ट सीमा क्यों नहीं होनी चाहिए? क्या देश और राज्यों का भविष्य अनिश्चित काल तक कुछ ही लोगों के हाथों में रहना चाहिए? क्या लोकतंत्र का अर्थ केवल यही है कि एक ही पीढ़ी लगातार सत्ता में बनी रहे? राजनीति केवल अनुभव का क्षेत्र नहीं है; यह ऊर्जा, सक्रियता, त्वरित निर्णय और बदलते समय को समझने की क्षमता का भी क्षेत्र है। यदि व्यवस्था में समय पर परिवर्तन नहीं होगा, तो राजनीति धीरे-धीरे ठहराव का शिकार हो जाएगी।

सबसे बड़ा सच यह है कि उम्र के साथ अनुभव बढ़ता है, लेकिन शरीर और मन की सीमाएं भी सामने आने लगती हैं। आज की राजनीति पहले जैसी नहीं रही। अब केवल भाषण देना या चुनाव जीतना काफी नहीं। नेता को तकनीक समझनी होती है, युवाओं की आकांक्षाएं सुननी होती हैं, बदलती अर्थव्यवस्था पर नजर रखनी होती है और तेज फैसले लेने होते हैं। ऐसे समय में यदि कोई नेता शारीरिक रूप से कमजोर हो, चलने-फिरने में कठिनाई हो या लंबे समय तक बोल न पाता हो, तो वह कितनी प्रभावी भूमिका निभा पाएगा? केवल पद पर बने रहना और सक्रिय नेतृत्व करना, दोनों अलग बातें हैं।

> **सच्चा और महान नेता वही होता है, जो केवल सत्ता पर बने रहना नहीं जानता, बल्कि सही समय पर सम्मान के साथ उसे छोड़ने का साहस भी रखता है। आज शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेताओं के सामने यह अवसर है कि वे स्वयं आगे बढ़कर राजनीति में सेवानिवृत्ति की नई परंपरा शुरू करें।**

शरद पवार के मामले में यह सवाल इसलिए गंभीर हो जाता है, क्योंकि उन्होंने महाराष्ट्र और देश की राजनीति में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाई है। उनके अनुभव और राजनीतिक कौशल पर कभी संदेह नहीं रहा। लेकिन राज्यसभा में शपथ के दौरान उनकी हालत ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। कांपती आवाज और थकी हुई देह देखकर हर किसी के मन में एक ही सवाल उठा—क्या इस अवस्था में वे राज्यसभा में प्रभावी भूमिका निभा पाएंगे? क्या वे किसानों, युवाओं, उद्योगों और विकास के मुद्दों पर पहले जैसी सक्रियता दिखा पाएंगे? जब शरीर जवाब देने लगे, तब कुर्सी पर बने रहना ताकत नहीं, विवशता लगने लगता है।

अब समय आ गया है कि राजनीति में भी सेवानिवृत्ति की एक स्पष्ट सीमा तय हो। यदि 75 या 80 वर्ष के बाद नेता सक्रिय पद छोड़कर मार्गदर्शक बनें, तो इससे राजनीति कमजोर नहीं, बल्कि अधिक मजबूत होगी। उनका अनुभव और प्रभाव खत्म नहीं होगा; वे सलाहकार, संरक्षक और प्रेरणा-स्रोत बने रहेंगे। लेकिन नेतृत्व उन लोगों के हाथों में जाएगा, जिनके पास ऊर्जा, नई सोच और बदलते समय के साथ चलने की क्षमता है। लोकतंत्र की असली ताकत इसी संतुलन में है—जहां अनुभव रास्ता दिखाए और नई पीढ़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाले।

आज देश की राजनीति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि कई दल कुछ पुराने चेहरों तक सिमट गए हैं। नई सोच, नए विचार और नए नेतृत्व के लिए जगह ही नहीं बची। हजारों युवा कार्यकर्ता वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन आगे बढ़ नहीं पाते, क्योंकि ऊपर की जगह खाली नहीं होती। नतीजा यह होता है कि निराशा बढ़ती है, संगठन जड़ हो जाता है और जनता का भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। जब नई पीढ़ी को मौका नहीं मिलेगा, तो युवाओं की समस्याएं कौन समझेगा? बेरोजगारी, शिक्षा, तकनीक, कृषि, स्टार्टअप और बदलती अर्थव्यवस्था को वही पीढ़ी बेहतर समझ सकती है, जो इन्हें खुद जी रही है। इसलिए अब समय है कि नई पीढ़ी के लिए रास्ता खोला जाए।

कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि यदि कोई नेता स्वस्थ है, तो उसे राजनीति में बने रहने का अधिकार है। यह बात कुछ हद तक सही है, लेकिन केवल स्वस्थ होना काफी नहीं। राजनीति में बने रहने का फैसला केवल व्यक्ति की इच्छा नहीं, लोकतंत्र की जरूरत से तय होना चाहिए। यदि हर वरिष्ठ नेता खुद को सक्षम बताकर पद छोड़ने से इंकार करे, तो नई पीढ़ी को अवसर कब मिलेगा? लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि कोई भी पद स्थायी नहीं होता। व्यक्ति पद से बड़ा नहीं होता। उसका सम्मान तब और बढ़ता है, जब वह सही समय पर पीछे हटने का साहस दिखाए। कुर्सी छोड़ना हार नहीं, कई बार सबसे बड़ी जीत होती है।

राज्यसभा में 6 अप्रैल 2026 को सामने आया वह क्षण केवल शरद पवार की निजी अवस्था का दृश्य नहीं था; वह भारतीय राजनीति के लिए एक गहरी चेतावनी बनकर उभरा। उसने साफ संकेत दिया कि जब शरीर जवाब देने लगे, तब अंततः कुर्सी भी किसी नेता को सहारा नहीं दे सकती।

सच्चा और महान नेता वही होता है, जो केवल सत्ता पर बने रहना नहीं जानता, बल्कि सही समय पर सम्मान के साथ उसे छोड़ने का साहस भी रखता है। आज शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेताओं के सामने यह अवसर है कि वे स्वयं आगे बढ़कर राजनीति में सेवानिवृत्ति की नई परंपरा शुरू करें। यदि वे सम्मानपूर्वक पीछे हटकर नई पीढ़ी के लिए रास्ता खोलते हैं, तो वही उनका सबसे बड़ा, सबसे प्रेरक और सबसे ऐतिहासिक योगदान माना जाएगा।

स्वास्थ्य में संतुलन का विज्ञान है होम्योपैथी का दर्शन

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को 'होम्योपैथी' के जनक माने जाने वाले जर्मन मूल के चिकित्सक, महान विद्वान, शोधकर्ता, भाषाविद और उत्कृष्ट वैज्ञानिक डा. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिवस के अवसर पर 'विश्व होम्योपैथी दिवस' मनाया जाता है। होम्योपैथी को आधार बनाने के सिद्धांत से चिकित्सा विज्ञान की एक पूरी प्रणाली को प्राप्त करने का श्रेय डा. हैनीमैन को ही जाता है। इसीलिए उनके जन्मदिवस को 'विश्व होम्योपैथी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का उद्देश्य चिकित्सा की इस अलग प्रणाली के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति तक इसकी पहुंच की सफलता दर को आसानी से बेहतर बनाना है। 10 अप्रैल 1755 को जन्मे डा. हैनीमैन के पास एमडी की डिग्री थी लेकिन उन्होंने बाद में अनुवादक के रूप में कार्य करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। उसके बाद उन्होंने अंग्रेजी, फ्रांसीसी, इतालवी, ग्रीक, लैटिन इत्यादि कई भाषाओं में चिकित्सा, वैज्ञानिक पाठ्यपुस्तकों को सीखा। होम्योपैथी एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है, जो औषधियों तथा उनके अनुप्रयोग पर आधारित है।

देश में प्रतिवर्ष केन्द्रीय आयुष मंत्रालय होम्योपैथी दिवस की थीम निर्धारित करता है और देशभर में यह विशेष दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व होम्योपैथी दिवस 'सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी' विषय के साथ मनाया जा रहा है। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर इस वर्ष डा. हैनीमैन की 271वीं जयंती मनाई जा रही है। इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य भारत सहित दुनियाभर में होम्योपैथी औषधियों की सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावकारिता को मजबूत करना, होम्योपैथी को आगे ले जाने की चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों को समझना, राष्ट्रीय नीतियों के विकास की रणनीति तैयार करना, अंतरपद्धति एवं अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग, उच्चस्तरीय गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा, प्रमाण आधारित चिकित्सा कार्य और विभिन्न देशों में होम्योपैथी को स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में समुचित स्थान दिलाकर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि वैकल्पिक और परम्परागत औषधियों को बढ़ावा दिए बगैर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में विश्व में होम्योपैथी का प्रमुख स्थान है।अपनी कुछ अलग ही विशेषताओं के कारण होम्योपैथी आज विश्वभर में सौ से भी अधिक देशों में अपनाई जा रही है तथा भारत तो होम्योपैथी के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश है। दरअसल होम्योपैथी दवाओं को विभिन्न संक्रमित और गैर संक्रमित बीमारियों के अलावा बच्चों और महिलाओं की बीमारियों में भी विशेष रूप से प्रभावी माना जाता है। हालांकि होम्योपैथिक दवाओं के बारे में धारणा है कि इन दवाओं का असर रोगी पर धीरे-धीरे होता है लेकिन इस चिकित्सा प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह रोगों को जड़ से दूर करती है और इन दवाओं के साइड इफेक्ट भी नहीं के बराबर होते हैं। होम्योपैथी दवाएं प्रत्येक व्यक्ति पर अलग तरीके से काम करती है और अलग-अलग व्यक्तियों पर इनका असर भी अलग ही होता है। होम्योपैथी चिकित्सकों की मानें तो डायरिया, सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी बीमारियों में होम्योपैथी दवाएं एलोपैथी दवाओं की ही भांति तीव्रता से काम करती हैं लेकिन अस्थमा, गठिया, त्वचा रोगों इत्यादि को ठीक करने में ये दवाएं काफी समय तो लेती हैं मगर इन रोगों को जड़ से खत्म कर देती हैं। होम्योपैथी के बारे में सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि होम्योपैथी को चमत्कार के रूप में माना जाता है।

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के अनुसार चिकित्सा का ही एक वैकल्पिक रूप है होम्योपैथी, जो 'समः समम् शमयति' अथवा 'समरूपता' दवा सिद्धांत पर आधारित है, जो दवाओं द्वारा रोगी का उपचार करने की ऐसी विधि है, जिसमें किसी स्वस्थ व्यक्ति में प्राकृतिक रोग का अनुरूपण करके समान लक्षण उत्पन्न किया जाता है, जिससे रोगग्रस्त व्यक्ति का उपचार किया जा सकता है। भारत में होम्योपैथी सबसे लोकप्रिय चिकित्सा प्रणालियों में से एक है। देशभर में 210 से ज्यादा होम्योपैथी अस्पताल, 8 हजार से ज्यादा होम्योपैथी डिस्पेंसरी और करीब तीन लाख होम्योपैथी प्रैक्टिशनर हैं। भारत में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है। दिखने में भले ही होम्योपैथी दवाएं एक जैसी लगती हैं किन्तु वास्तव में विश्वभर में होम्योपैथी की 4000 से भी ज्यादा तरह की दवाएं हैं। होम्योपैथी के संस्थापक माने जाने वाले सैमुअल हैनीमैन का कहना था कि इलाज का उच्चतम आदर्श सबसे भरोसेमंद और कम से कम हानिकारक तरीके से स्वास्थ्य की तेज, कोमल और स्थायी बहाली है। चूंकि होम्योपैथी की अनेक दवाओं का प्रभाव रोगी के शरीर पर अपेक्षाकृत धीमी गति से प्रकट होता है जबकि एलोपैथी त्वरित राहत देने के लिए जानी जाती है, इसलिए लोकप्रियता के पैमाने पर दोनों पद्धतियों की तुलना अक्सर की जाती है। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि होम्योपैथी आज भी विश्वभर में सबसे अधिक प्रचलित वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों में शामिल है।

साहित्य की आत्मा और सिनेमा का पर्दा

विवेक रंजन श्रीवास्तव

साहित्य और सिनेमा के बीच का रिश्ता हमेशा से एक ऐसे पुल की तरह रहा है जिसे पार तो बहुतों ने किया, पर उससे कम ही लोग दर्शकों के मन में वह छबि बना पाए, जो उस दर्शक ने एक पाठक के रूप में स्वयं अपने मन में उपन्यास पढ़कर बनाई थी। एक लेखक और साहित्य-अनुरागी होने के नाते, जब पं. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की 'उसने कहा था' जैसी कालजयी कहानी या महाकवि जयशंकर प्रसाद की 'कामायनी' के अंशों को फिल्मी पर्दे पर उतरते देखा तो मन एक अनजानी सी रिक्तता और निराशा से भर जाता है। यह निराशा केवल एक दर्शक की नहीं, बल्कि उस पाठक की है जिसने उन शब्दों के 'प्राण' को अपनी कल्पना में जिया है।

सच तो यह है कि सिनेमा और साहित्य के लक्ष्य एक होकर भी अपनी प्रकृति में पूरी तरह भिन्न हैं। साहित्य जहाँ कल्पना की अनंत आकाशगंगा है,व्यावसायिकता से किंचित परे है ,वहीं सिनेमा उसे कैमरे के लेंस और स्क्रीन के फ्रेम में कैद कर देने वाली एक विवश कला है, जो बॉक्स ऑफिस से जुड़ा हुआ है। किताब में लेखकीय भावों का डिस्टार्शन नहीं होता क्योंकि उसकी प्रस्तुति में सिनेमा की तरह अभिनय , निर्देशन , संपादन , लोकेशन , फिल्मांकन, पार्श्व, संगीत , गायन वगैरह ढेर सारे लोग नहीं होते ।

जब प्रसाद जी लिखते हैं तुमुल कोलाहल कलह में, मैं हृदय की बात रे मन तो वह केवल एक गीत नहीं, बल्कि मानवीय चेतना और श्रद्धा का एक गहन दर्शन है। फिल्मी धुनों में ऐसे गीत 'शब्दनाद' और गांभीर्य को खो देते है जो मूल कृति की आत्मा थी। फिल्मकार की कोशिश उसे 'लोकप्रिय' और 'दृश्य-योग्य' बनाने की होती है, जबकि रचना पाठक से एक विशेष मानसिक तैयारी और एकांत की मांग करती है। बाज़ार और बॉक्स ऑफिस की ज़रूरतों ने अक्सर महान कृतियों के मौलिक सौंदर्य की बलि चढ़ाई है। दशकों से फणीश्वरनाथ रेणु की 'तीसरी कसम' से लेकर अमृता प्रीतम की 'पिंजर', आर.के. नारायण की 'गाइड' और दोस्तोएवस्की की रचनाओं पर आधारित 'साँवरिया' जैसी तमाम साहित्य आधारित फिल्में बनती रही हैं। इनमें से कुछ ने आत्मा को छुआ, तो कुछ केवल बाहरी कलेवर तक सीमित रहीं।

'तीसरी कसम' में जो ग्रामीण संवेदना और हीरामन की निश्छलता उतर पाई, वह शायद इसलिए संभव हुई क्योंकि फिल्म के पीछे शैलेंद्र जैसा कवि-हृदय और रेणु की मिट्टी की समझ थी।

इसके विपरीत, जब हम 'देवदास' या 'शतरंज के खिलाड़ी' जैसे रूपांतरणों को देखते हैं, तो द्वंद्व और गहरा हो जाता है। जहाँ सत्यजीत रे प्रेमचंद के व्यंग्य को दृश्यों में ढालने में सफल रहते हैं, वहीं आधुनिक सिनेमा अक्सर शरतचंद्र की उस आंतरिक दरिद्रता और आत्म-पीड़ा को मखमली लिबासों और भव्य झूमरों के नीचे दबा देता है।

फिल्मकार अक्सर कृति के कथानक को तो पकड़ लेते हैं, पर उसके 'उद्देश्य' और उस सूक्ष्म सौंदर्य को चित्रित करने में चूक जाते हैं जिसे लेखक ने शब्दों के बीच की रिक्तियों में छिपाया होता है।

दृश्य माध्यम की अपनी माँगें हैं। वहाँ संवादों की गति चाहिए, चकाचौंध चाहिए और एक निश्चित समय सीमा का अनुशासन भी। लेकिन साहित्य के पास वह विलासिता है कि वह पाठक को घंटों एक ही विचार या संवेदना में डूबा रहने दे। यही कारण है कि कुछ विरले उदाहरणों को छोड़ दें, तो अधिकांश फ़िल्मी रूपांतरण मूल कृति के साथ पूरा न्याय नहीं कर पाते।

अंततः, साहित्य एक व्यक्तिगत यात्रा है और सिनेमा एक टीम प्रस्तुति का सामूहिक अनुभव। किसी भी कालजयी रचना का जो 'शब्दनाद' हमारी अंतरात्मा में गूँजता है, उसे पर्दे के कोलाहल में तलाशना शायद एक कठिन अपेक्षा है।

दुख-विनिमय केंद्र

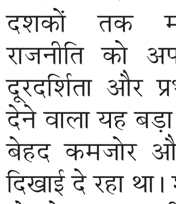

डॉ. सुरेश कुमार

चंदनपुर गांव के महान रणनीतिकार 'झपटल बाबू' ने जब इस बार प्रधानी का पर्चा भरा, तो उन्होंने विकास के सारे पुराने मापदंडों को खूँटी पर टांग दिया। उनका चुनावी मुद्दा था—'ग्लोबल वॉर्मिंग का ग्रामीण समाधान'। झपटल बाबू का तर्क था कि गांव की असली समस्या सड़क या पानी नहीं, बल्कि 'इमोशनल ओवरलोड' है। उन्होंने घोषणा की कि जीतते ही वे गांव में एक 'दुख-विनिमय केंद्र' खोलेंगे, जहाँ ग्रामीण अपने व्यक्तिगत दुख (जैसे पत्नी का झगड़ा या भैंस का दूध न देना) जमा करके उसके बदले सरकारी 'सुख-कूपन' प्राप्त कर सकेंगे। उनका दावा था कि वे गांव के सामूहिक रुदन को पाइपलाइन के जरिए शहर भेजेंगे, जहाँ अमीर लोग इसे 'नेचुरल डिप्रेशन थेरेपी' के नाम पर खरीदेंगे और उस पैसे से गांव में एयर-कंडीशन्ड खलिहान बनवाए जाएंगे। गांव के लोग, जो अब तक अपने दुखों को मुफ्त में झेल रहे थे, अचानक इस 'आँसुओं के बिजनेस प्लान' को सुनकर विकास के नशे में झूम उठे।

प्रचार के अंतिम दौर में झपटल बाबू ने गांव के मुख्य चौराहे पर एक 'दुख-मापक यंत्र' स्थापित किया।

यह वास्तव में एक पुराना खराब हो चुका तराजू था, जिसे उन्होंने बिजली के रंगीन तारों से लपेट दिया था। उन्होंने गांव वालों को पट्टी पढ़ाई कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने का संकल्प लेकर इस तराजू के एक पलड़े पर हाथ रखेगा, उसका आधा मानसिक बोझ तुरंत 'डिजिटल क्लाउड' में ट्रांसफर हो जाएगा। विपक्षी उम्मीदवार 'बुधई राम' परेशान थे; वे खाद और बीज की सब्सिडी की बात कर रहे थे, जबकि जनता को अपने पुराने दुखों से मुक्ति का शॉर्टकट दिख रहा था।

झपटल बाबू ने एक लड़के को ढोल के साथ खड़ा कर दिया था, जो हर व्यक्ति के 'दुख मापने' के बाद ज़ोर से चिल्लाता था-बधाई हो, आपका दुख अब सरकारी संपत्ति है!

जनता को लगा कि अब रोने के भी दिन फिर गए हैं और वे अपनी झोली भरकर झपटल बाबू की जय-जयकार करने लगे।

जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और झपटल बाबू की ऐतिहासिक जीत हुई, पूरा गांव अपने 'सुख-कूपन' लेने के लिए उनके दफ्तर पर उमड़ पड़ा। झपटल बाबू ने एक बड़ा सा संदूक खोला और उसमें से छोटे-छोटे प्याज के टुकड़े सबको बांटना शुरू कर दिया। जनता हक्की-बक्की रह गई, हुज़ूर, यह क्या है? हमें तो सुख चाहिए था! झपटल बाबू ने अपनी सुनहरी ऐनक ठीक की और कड़क आवाज़ में बोले—मूर्खों! सुख तो एक मानसिक भ्रम है।

असली सुख तो इन प्याजों में है; इन्हें आंखों के पास ले जाओ और जी भर कर रोओ। जितना ज्यादा रोओगे, मेरा 'दुख-निर्यात' का धंधा उतना ही फलेगा-फूलेगा। और रही बात कूपन की, तो वह 'वोट' ही था जो आपने मुझे दे दिया और उसके बदले मैंने अपना 'सुख' सुनिश्चित कर लिया।

जनता सन्न खड़ी अपनी आंखों से निकलते असली आँसुओं को देख रही थी, जबकि झपटल बाबू अपनी नई एसयूवी का सायरन बजाते हुए 'इमोशनल एक्सपोर्ट' का नया टेंडर पास कराने शहर रवाना हो गए।

क्यों हंसिका मोटवानी ने एक्स भाभी पर किया मानहानि का केस? पब्लिक माफी के साथ की 2 करोड़ के हर्जाने की मांग

एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ और कोर्ट केस को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनके नाम से जुड़ा एक मामला सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया है, जिसकी वजह से उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आइए जानते हैं क्यों एक्ट्रेस इस वक्त टॉक ऑफ द टाउन बनी हुई हैं।

मुंबई कोर्ट में दर्ज किया मानहानि का केस

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हंसिका ने अपनी अलग रह रही एक्स भाभी और टीवी एक्ट्रेस मुस्कान नैन्सी जेम्स के खिलाफ मुंबई कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज किया है। उन्होंने इस केस में 2 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है और साथ ही पब्लिक माफी की भी मांग की है। हंसिका का आरोप है कि उनकी भाभी ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ गलत और नुकसान पहुंचाने वाले आरोप लगाए, जिससे उनकी इमेज खराब हुई। एक्ट्रेस का यह भी कहना है कि ये सब इसलिए किया गया ताकि करीब 27 लाख रुपये के उधार पैसे वापस न करने पड़ें।

मुस्कान ने लगाए थे हंसिका पर गंभीर आरोप

वहीं दूसरी तरफ, मुस्कान नैन्सी जेम्स ने पहले हंसिका और उनके भाई पर घरेलू हिंसा और उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए थे और इसको लेकर एफआईआर भी दर्ज करवाई थी। हंसिका ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। उनका कहना है कि उनका अपने भाई और भाभी के घरेलू मामलों से कोई लेना-देना नहीं था, इसलिए उन्हें इस मामले में घसीटना ठीक नहीं है। अब यह मामला कोर्ट में है और आने वाले समय में इस पर सुनवाई होगी। फिलहाल, यह पूरा विवाद सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

बंगाली एक्टर की मौत पर सौरव गांगुली का बयान : बोले-वे पानी में गए ही क्यों; स्वस्तिका मुखर्जी बोलीं- आप एसी में रहते हो, मजबूरी नहीं समझोगे

बंगाली एक्टर राहुल अरुणोदय बनर्जी की मौत के मामले में पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली का एक बयान विवादों में आ गया है। दरअसल राहुल की मौत ओडिशा में शूटिंग के दौरान पानी में डूबने से हुई थी, जिस पर सौरव ने सवाल उठाया था कि वे पानी में गए ही क्यों।

इस पर एक्ट्रेस स्वस्तिका मुखर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। स्वस्तिका ने कहा कि एक पब्लिक फिगर होने के नाते सौरव गांगुली को पता होना चाहिए कि वे क्या बोल रहे हैं।

सौरव गांगुली ने क्या कहा था?

कुछ दिन पहले जब सौरव गांगुली से राहुल की मौत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इसे 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण' बताया। लेकिन उन्होंने आगे यह भी जोड़ दिया, ₹मुझे समझ नहीं आता कि शूटिंग के लिए भी वह पानी में क्यों गए?₹ सौरव के इसी 'क्यों' वाले सवाल पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई।

एक्ट्रेस बोलीं- आपको जमीन की हकीकत नहीं पता'

स्वस्तिका मुखर्जी ने एक इंटरव्यू में सौरव को जवाब देते हुए कहा, सौरव गांगुली अपना नॉन-फिक्शन शो AC फ्लोर पर शूट करते हैं। उन्हें वो सब कुछ मिल जाता है जिसकी उन्हें जरूरत होती है क्योंकि वो सौरव गांगुली हैं। उन्हें नहीं पता कि जमीन पर असल में शूटिंग कैसे होती है। स्वस्तिका ने आगे कहा कि अगर राहुल पानी में नहीं जाते, तो मेकर्स उनकी जगह किसी और को ले आते। काम की मजबूरी और रिस्क सबको समझ नहीं आता।

मजबूरी में करना पड़ता है रिस्क वाला काम

स्वस्तिका ने सौरव के लहजे पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब आप किसी के काम पर इस तरह की टिप्पणी करते हैं, तो आप उसके काम को छोटा दिखाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, हर कोई सौरव गांगुली नहीं होता जिसे सारी सुविधाएं मिलें। एक आम एक्टर के लिए उसका काम ही उसकी कमाई का जरिया है। अगर वह मना करेगा तो उसका करियर खत्म हो सकता है। किसी की मौत पर ऐसे सवाल उठाना संवेदनहीनता है।

कैसे हुई थी राहुल बनर्जी की मौत?

यह हादसा 29 मार्च को ओडिशा में हुआ था। राहुल वहां अपने बंगाली शो 'भोलेबाबा पार करेगा' की शूटिंग कर रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक सीन के दौरान राहुल और उनकी को-एक्ट्रेस श्वेता मिश्रा घुटने तक पानी में खड़े थे।

अचानक उनका पैर फिसला और वे पास ही बने एक गहरे गड्ढे में चले गए। दोनों को तुरंत दीघा के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने राहुल को मृत घोषित कर दिया। श्वेता की जान बच गई, लेकिन राहुल को नहीं बचाया जा सका।

बंगाली फिल्म इंडस्ट्री में हड़ताल

राहुल की मौत ने फिल्म सेट पर सुरक्षा के इंतजामों की पोल खोल दी है। इसके विरोध में और बेहतर सुरक्षा नियमों की मांग को लेकर बंगाली फिल्म और टीवी इंडस्ट्री ने 7 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। कलाकारों और टेक्नीशियंस का कहना है कि जब तक सेट पर सुरक्षा के कड़े मानकतय नहीं किए जाते, तब तक काम बंद रहेगा।

राघव चड्ढा ने संजय दत्त की तारीफ की संजय को मेहमानवाजी के लिए घर बुलाया

आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद संजय दत्त के लिए एक खास नोट लिखा है। राघव ने हाल ही में अपने घर पर संजय दत्त की मेजबानी की और उनके साथ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कुछ समय पहले अपने घर पर संजय दत्त की मेजबानी करना खुशी की बात थी। वे मेरे जानने वाले सबसे मिलनसार लोगों में से एक हैं।

'धुरंधर' के लिए आपको जो प्यार मिल रहा है, उसे देखकर बहुत अच्छा लगा। आपका औरा आज भी वैसा ही है और हर दौर में लोग आपको उतना ही पसंद करते हैं। राघव ने आगे लिखा कि संजय दत्त इस सफलता के पूरी तरह हकदार हैं।

इससे पहले रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' ने 20 दिनों के भीतर फिल्म ने भारत में 1,033.37 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन कर लिया है। इस आंकड़े के साथ ही फिल्म ने एसएस राजामौली की 'बाहुबली 2' के घरेलू नेट कलेक्शन (1,030.42 करोड़) को पीछे छोड़ दिया है। अब जल्द ही यह फिल्म अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' के ऑल-टाइम रिकॉर्ड को तोड़ कर भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन सकती है।

पार्ट 1 के लाइफटाइम रिकॉर्ड को 10 दिन में तोड़ा

इस फिल्म की कामयाबी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसने 'धुरंधर' के पहले पार्ट के ओवरसीज लाइफटाइम कलेक्शन को महज 10 दिनों में ही पीछे छोड़ दिया था। यह सबसे तेजी से 1000 करोड़ रुपए (वर्ल्डवाइड) कमाने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म ने भारत में 100 करोड़ से लेकर 1000 करोड़ तक के सभी माइलस्टोन सबसे कम समय में हासिल किए हैं। साथ ही, यह अब तक की सबसे बड़ी हिंदी ओपनर और वर्ल्डवाइड सबसे बड़ा ओपनिंग वीकेंड देने वाली फिल्म भी बन चुकी है।

'सूबेदार' मेरे लिए सिर्फ फिल्म नहीं, बड़ा मौका रही
गौरव कुमार बोले- अनिल कपूर सर के साथ काम करना सपना पूरा होने जैसा था

रायबरेली से निकलकर हिंदी और तेलुगु सिनेमा में अपनी पहचान बना रहे गौरव कुमार एक बहुमुखी अभिनेता और फिल्ममेकर हैं। हाल ही में वे अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' में नजर आए हैं। अपनी सफल फिल्म 'रायबरेली' के बाद अब वे 'प्रधानी', 'लाल दाना' और 'सूअर' जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए नई संभावनाओं की तलाश कर रहे हैं।

सच कहूं तो यह एक इत्तेफाक जैसा था। 'कास्टिंग बे' ने लखनऊ में पांच दिन का ऑडिशन रखा था। मुझे लगा शायद यह फेक होगा, क्योंकि पांच दिन लंबा ऑडिशन? लेकिन एक दोस्त जबरदस्ती ले गया। वहां कास्टिंग डायरेक्टर्स को मेरा लुक पसंद आया, फिर दो बार और ऑडिशन हुआ। जब उन्होंने बताया कि फिल्म में अनिल कपूर जी हैं, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बचपन से उनकी 'नायक' जैसी फिल्में देखी हैं, हम उनके काम के कायल रहे हैं। ऑडिशन के दौरान मैंने किसी को यह नहीं बताया था कि मैं पहले भी 2-3 फिल्में कर चुका हूं। 'रायबरेली' नाम की फिल्म में मैंने सोलो रोल किया है।

आज भी अनिल कपूर 20-25 साल के लड़के जैसी एनर्जी रखते हैं। मेरा 15 दिन का शेड्यूल था, जिसमें उनके साथ स्क्रीन स्पेस मिला। वे अपने काम के प्रति बेहद ईमानदार और गंभीर हैं। डायरेक्टर

जो कहते हैं, वही करते हैं। शूट के बाद वे मस्ती-मजाक भी करते थे। उन्होंने मुझसे 'नायक' फिल्म के कई किस्से साझा किए, खासकर कीचड़ वाला सीन, बताते थे कि वह कितना मेहनत भरा था।

फिल्म में मुझे अच्छा-खासा स्क्रीन स्पेस मिला है। मैं फैजल मलिक (सीरीज 'पंचायत' फेम) के राइट हैंड के तौर पर हूं। फैजल भाई बेहद शानदार इंसान हैं। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। इसके अलावा परेश रावल जी के बेटे आदित्य रावल भी फिल्म में हैं, उन्होंने भी जबरदस्त काम किया है।

सबसे बड़ा अंतर प्रोफेशनलिज्म और ईमानदारी का है। बड़े स्टार्स समय से सेट पर आते हैं और काम के दौरान पूरी तरह गंभीर रहते हैं। डायरेक्टर सुरेश त्रिवेणी और अनिल कपूर जी ने मेरे काम और लुक की तारीफ की। यहां तक कि उनके बॉडीगार्ड ने आकर बताया कि सर आपकी बहुत तारीफ कर रहे थे।

'रायबरेली' को बहुत प्यार मिला। अब हम 'रायबरेली 2' की तैयारी कर रहे हैं और कोशिश है कि इसकी शूटिंग इसी साल शुरू हो। मेरा मकसद लोकल टैलेंट को मौका देना है, जो आर्थिक कारणों से मुंबई नहीं जा पाते।

'रायबरेली' फिल्म की फंडिंग हमारे मित्र विनीत यादव (इटावा/मैनपुरी) के जरिए हुई। शुरुआत में वे थोड़ा हिचकिचा रहे थे, लेकिन हमने उन्हें कन्विंस किया और लोकेशन व अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी खुद ली। अब यूपी सरकार भी फिल्मों को बढ़ावा दे रही है। अगर 70 प्रतिशत शूट यूपी में होता है, तो सब्सिडी मिलती है, जिससे फिल्ममेकर्स को काफी मदद मिलती है।

गिन्नी वेड्स सनी 2 ट्रेलर: 'बीवी नहीं बवाल हाथ लगी है' ९परिवार के बीच फंसे अविनाश तिवारी और मेधा शंकर

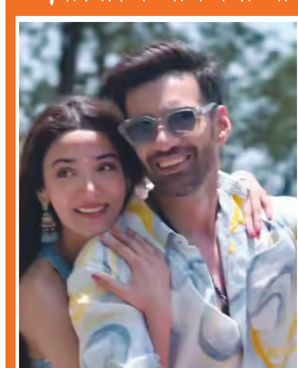

इस साल की एक और मनोरंजक फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है, और यह एक फैमिली ड्रामा होने का वादा करता है, जो रोमांस, उथल-पुथल और हंसी से भरपूर है। एक बेमेल प्रेम कहानी की झलक पेश करते हुए, ट्रेलर उलझन, नोकझोंक और कई ट्विस्ट से भरी यात्रा है। इसमें अविनाश तिवारी और मेधा शंकर लीड रोल्स में हैं।

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की यह फिल्म पर्दे पर एक नई केमिस्ट्री पेश करती है, क्योंकि दोनों एक ऐसे रिश्ते को निभाते हैं जो जितना उथल-पुथल भरा है उतना ही प्यारा भी। मजेदार नोकझोंक और अनोखी परिस्थितियों से लेकर एनर्जी से भरपूर फैमिली ड्रामा तक, ट्रेलर दो बिल्कुल अलग दुनियाओं के मिलन को दिखाता है, जो दर्शकों के लिए एक मनोरंजक सिनेमाई अनुभव होने वाला है। झूठ से शुरू हुआ रिश्ता कहां तक जाता है, देखना मजेदार होगा।

'गिन्नी वेड्स सनी 2' की कास्ट

कास्ट की बात करें, तो इसमें लिलेट दुबे, सुधीर पांडे, गोविंद नामदेव, गोपी भल्ला, नयनी दीक्षित, विश्वनाथ चटर्जी और रोहित चौधरी जैसे दमदार कलाकार भी हैं, जो अपने कमाल के अभिनय से कहानी को और मजेदार और फनी बना देते हैं।

समय रैना पर भड़के मुकेश खन्ना
बोले- शक्तिमान का अपमान किया, मुंह काला कर तुम्हें गधे पर घुमाना चाहिए

एक्टर मुकेश खन्ना कॉमेडियन समय रैना पर भड़क गए और बुधवार को उन्होंने एक एडिटेड तस्वीर शेयर की, जिसमें समय रैना को गधे पर बैठे दिखाया गया। जिसमें लिखा था कि समय रैना तू सिर्फ गधे पर बैठने के लायक है!! वो भी मुंह काला करके।

तस्वीर के साथ मुकेश खन्ना ने इंस्टाग्राम पर यह लिखा, 'कुत्ते की दुम टेढ़ी रहती है। उसे लाख शीशियों में रखो। बाहर निकालो, फिर टेढ़ी की टेढ़ी!! समय रैना की भी एक दुम है। कितना भी मारो, सीधा करो, वो वापस टेढ़ी हो जाती है क्योंकि वो सीधा-सादा प्राणी नहीं है। वो रोस्टेड प्राणी है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'गंदगी की आग में जलाया हुआ, पकाया हुआ। पूरे देश ने लताड़ा, मारा, फिर आ गया बेशर्मों की तरह और मार खाने। अब एक ही चीज बाकी है। उसका मुंह काला कर गधे पर बिठा कर देश भर के शहरों में, गलियों में उसकी परेड करनी चाहिए। जहां बच्चे उसको अंडे, टमाटर मारें क्योंकि उसने उनके सुपरहीरो शक्तिमान का अपमान किया है!!!

दरअसल हाल ही में समय रैना ने अपने वीडिया 'स्टिल अलाइव' में 2025 के 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद को लेकर आलोचना करने वालों पर टिप्पणी की थी।

जिस पर उन्होंने मुकेश खन्ना और उनके शो शक्तिमान को लेकर कहा था, 'शक्तिमान आ गया था यार। शक्तिमान से कैसे लड़ेंगे यार? शक्तिमान कह रहा था क्या असर पड़ेगा इनके कंटेंट का बच्चों पर, बच्चों का क्या होगा ये कंटेंट देख के। मुझें नहीं पता, तुम में से कितने लोग शक्तिमान एरा में टीवी देखते थे। हर अगले महीने न्यूज आती थी, कोई बच्चा शक्तिमान देख के बिल्डिंग से कूद गया। तूने बच्चे मारे हैं भाई, तू क्या मोरल हाई ग्राउंड लेकर बैठा है?'

रश्मिका मंदाना को जन्मदिन पर पिता ने दिया करोड़ों का बंगला, इमोशनल हुईं एक्ट्रेस

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मार्च महीने में ही शादी के बंधन में बंधे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना 30वां जन्मदिन भी मनाया है। शादी के बाद यह जन्मदिन उनके लिए खास है क्योंकि विजय पति के तौर पर उनके साथ हैं। वहीं रश्मिका के पिता ने भी एक कीमती उपहार जन्मदिन पर दिया है। यह उपहार इस वक्त चर्चा का विषय बन चुका है। जानिए, रश्मिका को पिता से उपहार में क्या मिला है।

पिता ने उपहार में दिया करोड़ों का बंगला

रश्मिका मंदाना के जन्मदिन के जश्न को उनके पिता ने खास बना दिया। एक्ट्रेस के होमटाउन विराजपेट के पास एक खास पारिवारिक मिलन समारोह में उन्होंने घोषणा की कि वह अपनी बेटी को एक खूबसूरत बंगला तोहफे में दे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार विराजपेट के पास स्थित इस प्रॉपर्टी का नाम 'सेरेनिटी' रखा गया है।

गिफ्ट पाकर रश्मिका हो गईं इमोशनल

रश्मिका के पिता की घोषणा से परिवार का हर सदस्य खुश था। वहीं पिता से इतना प्यारा और कीमती उपहार पाकर रश्मिका मंदाना काफी इमोशनल हो गईं। सूत्रों के अनुसार रश्मिका की आंखें नम थीं। बाद में वह इस उपहार को पाकर खुश भी हुईं। अब वह अपने होमटाउन में रह सकेंगी और यहां पर नई यादें बना सकेंगी।

रश्मिका मंदाना इन फिल्मों में आएंगी नजर

रश्मिका मंदाना अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ एक फिल्म 'रणबाली' कर रही हैं। वहीं वह शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ 'कॉकटेल 2' में भी नजर आएंगी। हाल ही में इस फिल्म के पोस्टर रिलीज हुए, जिसमें रश्मिका का लुक भी रिवील हुआ।

'गुड्डी' की मासूमियत ने जीता था 'शहंशाह' का दिल
जानें कैसे मिस भादुड़ी से बनीं मिसेज जया बच्चन

जया बच्चन आज अपना 78वां जन्मदिन मना रही हैं। एक सफल अभिनेत्री, पत्नी और मां; जया ने अपने जीवन के हर रंग को भरपूर जिया है। साल 1971 में फिल्म 'गुड्डी' से उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की। 1972 में पहली बार उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'बंसी बिरजू' में काम किया पर बच्चन से पहली मुलाकात तो 'गुड्डी' के सेट पर ही हो गई थी। फिल्मी सेट पर मिले ये दो दिल तब तक यह नहीं जानते थे की वो एक साथ लंबे वक्त तक धड़केगें।

'गुड्डी' के सेट पर मिली नजरें

जया और अमिताभ बच्चन की प्रेम कहानी पुणे फिल्म संस्थान में शुरू हुई। अमिताभ प्रसिद्ध निर्देशक के. अब्बास के साथ पुणे आए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमिताभ को पहली बार जया के लिए एहसास तब जागा जब उन्होंने पहली बार उन्हें एक पत्रिका के कवर पेज पर देखा।

इसके बाद दोनों पहली बार फिल्म 'गुड्डी' के सेट पर मिले। फिल्म में अमिताभ ने कैमियो किया था। एक पुराने इंटरव्यू में जया ने कहा कि अमिताभ की आंखों से उन्हें पता चल गया था कि वो एक दिन स्टार बनेंगे।

राजेश खन्ना ने जताई थी आपत्ति

एक-दूसरे को पसंद करने का जो सिलसिला 'गुड्डी' से शुरू हुआ था वो फिल्म 'बंसी बिरजू' और 'एक नजर' में परवान चढ़ा। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ी। जया जहां समझ चुकी थी कि यह प्यार है वहीं अमिताभ अब भी इसकी दस्तक नहीं सुन पा रहे थे।

हालांकि, धीरे-धीरे दोनों को यह महसूस हो गया। जया और अमिताभ एक होना चाहते थे। खबरों की मानें तो जया के करीबी दोस्त और सुपरस्टार राजेश खन्ना को दोनों का रिश्ता सही नहीं लगा। इसपर एक्टर ने आपत्ति जताई थी। मगर तब तक अमिताभ का जादू जया पर चल चुका था। दो साल गुजर गए। साल 1973 में फिल्म 'जंजीर' की सफलता के बाद अमिताभ बच्चन सुपरस्टार बन गए। इस सफलता का जश्न मनाने के लिए अमिताभ दोस्तों के साथ फॉरिन ट्रिप पर जाना चाहते थे। वो चाहते थे कि जया भी उनके साथ लंदन जाएं। मगर दोनों के परिवारों को पता चला तो इस पर मंजूरी नहीं मिली। न तो परंपरिक बच्चन परिवार ने अमित को इजाजत दी।

न ही कला के भक्त भादुड़ी परिवार ने जया को। मगर अमिताभ की जिद थी कि वो जया के साथ ही लंदन जाएंगे।

इस पर परिवार वालों ने कहा कि अगर दोनों शादी कर लें तो किसी को कोई परेशानी नहीं है। इसके बाद बिना देरी किए अमिताभ बच्चन और जया भादुड़ी ने 3 जून 1973 एक निजी समरोह में फेरे ले लिए।

'लव इंश्योरेंस कंपनी' की रिलीज से पहले नयनतारा और विग्नेश ने किए तिरुपति मंदिर के दर्शन

फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' रिलीज होने से एक दिन पहले फिल्म के डायरेक्टर विग्नेश शिवन और उनकी पत्नी, अभिनेत्री-निर्माता नयनतारा तिरुपति मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। दोनों ने वहां पूजा-अर्चना की। दोनों का यह वीडियो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है।

दर्शन के बाद नयनतारा और विग्नेश ने कुछ प्रशंसकों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। दोनों का यह वीडियो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। इस दौरान नयनतारा सफेद कुर्ते और लेगिंग के साथ हरे प्रिंटेड दुपट्टे में बहुत सुंदर लग रही थीं। विग्नेश शिवन ने केसरिया कुर्ता और रेशमी धोती पहनी थी।

10 अप्रैल को रिलीज होगी 'लव इंश्योरेंस कंपनी'

फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' एक साइंस-फिक्शन रोमांटिक एंटरटेनर है। इसमें मुख्य भूमिकाओं में प्रदीप रंगनाथन, कृति शेट्टी और एसजे सूर्या हैं। गौरी किशन, योगी बाबू, सीमन, शाह रा, मालविका, मैस्किन, आनंदराज और सुनील रेड्डी ने भी अहम किरदार निभाए हैं। इस फिल्म का निर्माण नयनतारा, विग्नेश शिवन और एसएस ललित कुमार ने मिलकर किया है।

'लव इंश्योरेंस कंपनी' की कहानी क्या है?

'लव इंश्योरेंस कंपनी' की कहानी 2040 साल में घटित होती है। उस समय हर चीज का बीमा होता है, यहां तक कि प्यार का भी। एक कंपनी प्रेम का बीमा करती है। नायक का ऐप रिश्तों के खतरे पहले से बता देता है। लेकिन जब नायक खुद प्यार में पड़ जाता है, तो सिस्टम उसके रिश्ते को फेल बता देता है। इससे उसके अपने प्यार पर भी असर पड़ता है।

इन फिल्मों में नजर आएंगी नयनतारा

नयनतारा अभी कई फिल्मों में काम कर रही हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में 'डियर स्टूडेंट्स', 'एनबीके 111', 'टॉक्सिक', 'मन्नांगट्टी सिंस 1960', 'पैट्रियट', 'मूकूथी अम्मान 2' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा नयनतारा अभिनेता सलमान खान के साथ भी एक फिल्म में काम कर रही हैं।

अक्षय कुमार के बेटे आरव को देख सब हैरान, कोई बोला- एकदम नाना राजेश खन्ना जैसा, तो किसी को लगे विदेशी

अक्षय कुमार हाल ही पत्नी ट्विंकल खन्ना और बेटे के साथ डिनर पर गए, पर बेटे ने लाइमलाइट बटोर ली। मूंछों में नीली आंखों में वाले आरव छा गए। फैंस उनका लुक देख हैरान रह गए। कोई बोला वह पिता अक्षय की कॉपी हैं, तो किसी ने उन्हें राजेश खन्ना जैसा बताया। वहीं, कुछ को वह विदेशी लगे। देखिए तस्वीरें-वीडियोः

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के बेटे आरव वैसे तो हमेशा ही लाइमलाइट से दूर रहते हैं और पब्लिकली भी कम ही नजर आते हैं, पर जब आते हैं, तो सुर्खियों में छा जाते हैं। अब हाल ही वह पैरेंट्स-अक्षय और ट्विंकल के साथ डिनर पर नजर आए, तो

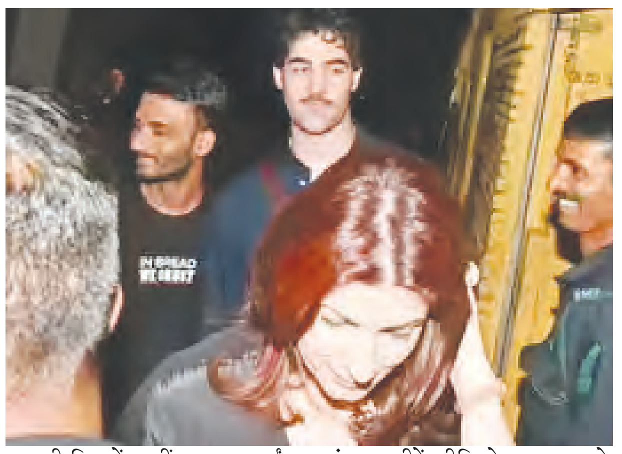

सबकी निगाहें उन्हीं पर ठहर गईं। आरव जब मॉम ट्विंकल के साथ रेस्टोरेंट से बाहर निकल रहे थे, तो भी पपाराजी ने उन्हें घेर लिया। आरव की अक्षय और ट्विंकल संग तस्वीरें-वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिन्हें देख लोग हैरान हो रहे हैं। दरअसल, आरव एकदम पापा अक्षय जैसे लग रहे हैं। ठीक वैसे ही, जैसे अक्षय 90 के दशक में दिखते थे।

आरव ने जींस-शर्ट पहनी थी और मूंछों के साथ लेटेस्ट हेयरस्टाइल में वह काफी डैशिंग लग रहे थे। इस लुक में आरव को देख बहुत से यूजर्स को 90s के अक्षय कुमार की याद आ गई। हालांकि, कुछ ने कहा कि वह नाना राजेश खन्ना की कॉपी लगते हैं। 70 के दशक में राजेश खन्ना ऐसे ही लगते थे। वहीं, कुछ ने उन्हें विदेशी बता दिया।

मालूम हो कि आरव कुमार का बॉलीवुड में आने या एक्टिंग का कोई इरादा नहीं है, और वह इस बारे में पहले ही डैड अक्षय कुमार को बता चुके हैं। अक्षय ने एक बार 'एबीपी न्यूज' को बताया था कि आरव ने उनसे कहा था कि पापा मुझे फिल्मों में नहीं आना। अक्षय ने बताया था कि उन्होंने बेटे आरव से कहा था कि वह उनके प्रोडक्शन कंपनी की बागडोर संभाल ले, पर मना कर दिया। अक्षय के मुताबिक, आरव फैशन डिजाइनर बनना चाहते हैं और उसी के गुर सीख रहे हैं।

आरव सिर्फ लाइमलाइट से ही दूर नहीं रहते, बल्कि वह सोशल मीडिया से भी दूर हैं। उनका कोई इंस्टाग्राम या ट्विटर अकाउंट नहीं है, पर उनके नाम पर कई इंस्टा अकाउंट्स जरूर बने हुए हैं। वह बॉलीवुड की भी किसी पार्टी में नजर नहीं आते और ना ही किसी और स्टार किड संग दिखते हैं। इस वक्त वह अपनी खुद की पहचान बनाने में लगे हुए हैं।

शाहरुख ने सहलाया गाल, मोहित चौहान के साथ गाया गाना; अनंत अंबानी के जन्मदिन में रणवीर सिंह ने ऐसे किया एंजॉय

अनंत अंबानी के जन्मदिन का जश्न एक दिन पहले से ही शुरू हो चुका है। इस जश्न में शामिल होने के लिए बी-टाउन के भी कई सितारे पहुंचे हैं। इसमें शाहरुख खान और सलमान खान से लेकर रणवीर सिंह जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। जामनगर में हो रहे इस जश्न के अब कुछ फोटो और वीडियोज सामने आए हैं। इनमें 'धुरंधर' फेम अभिनेता रणवीर सिंह एंजॉय करते नजर आ रहे हैं।

रणवीर ने गाया 'डूबा डूबा' गाना

सिंगर हर्षदीप कौर के पति मनकीत सिंह ने रणवीर सिंह का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इस वीडियो में रणवीर मनकीत और सिंगर मोहित चौहान के साथ 'सिल्क रूट' का मशहूर गाना 'डूबा डूबा' गा रहे हैं। वीडियो में रणवीर सिल्वर कलर की शाइनिंग वाली पैंट और ब्लैक जैकेट के साथ ब्लैक कलर का हैट पहने नजर आ रहे हैं। वीडियो में तीनों मस्ती में गाना गा रहे हैं और रणवीर दोनों के कंधों पर हाथ रखे खड़े हैं।

शाहरुख के साथ दिखे रणवीर

इसके अलावा रणवीर सिंह का एक और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वो पार्टी के दरमियान शाहरुख खान और अनंत अंबानी के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों और शाहरुख खान की मैनेजर पूजा ददलानी भी नजर आ रही हैं। वीडियो में शाहरुख रणवीर के गालों को सहलाते और उनसे बात करते नजर आ रहे हैं।

हर्षदीप ने रणवीर को बताया प्योर हार्ट

वहीं हर्षदीप कौर ने भी रणवीर सिंह के साथ एक तस्वीर साझा की है। इसमें दोनों प्यार से गले मिलते हुए कैमरे की तरफ देखकर पोज दे रहे हैं। इस तस्वीर के साथ हर्षदीप ने कैप्शन में लिखा, 'जब भी मैं इस इंसान से मिलती हूं, वह वही प्यार और ऊर्जा बिखेरते हैं। उनका व्यक्तित्व, उनकी गर्मजोशी, उनका गले मिलना, आपको बहुत खास महसूस कराता है। एक अनमोल रत्न! लव यू रणवीर।' उन्होंने रणवीर को प्योर हार्ट वाला इंसान बताया।

क्या वामिका गब्बी ने राजपाल यादव को किया था इग्नोर?

एक्टर ने किया सच्चाई का खुलासा

अक्षय कुमार, राजपाल यादव और वामिका गब्बी के साथ अन्य कलाकार इस वक्त अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इन सबके बीच कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे थे, जिन्हें देखकर ऐसा लग रहा था कि वामिका राजपाल को इग्नोर कर रही हैं। अब इन वीडियोज को लेकर राजपाल ने खुलकर बात की है।

वायरल वीडियो पर क्या बोले राजपाल

राजपाल ने इन बातों को खारिज किया और इनके पीछे की कहानी बताई। उन्होंने कहा, 'ये कैसे होता है कि जैसा आपका कैमरा एंगल होता है, मैं वहां किसी दूसरे को कर रहा हूं, वो बेचारी किसी दूसरे को कर रही है, लेकिन वो कैमरा एंगल ऐसा लगा।'

लोगों को इसमें भी एंटरटेनमेंट ढूंढना है

उन्होंने आगे कहा, 'जैसे हम लोग सीन बनाते- तुम वहां खड़े हो जाओ, मैं यहां हो जाता हूं और लड़किया बीच में खड़ी हो जाएंगी, वैसे ही अक्षय पाजी के साथ तीन लड़किया खड़ी हैं। लेकिन अगर लोगों को इसमें भी एंटरटेनमेंट ढूंढना है, तो उसमें कोई दिक्कत नहीं है। हम ईमानदारी से वामिका, अक्षय पाजी और इन सब पर खूब हंस चुके हैं।'

सबके साथ काफी अच्छा रिश्ता है

राजपाल यादव ने आगे यह भी बताया कि वे सबके साथ काफी अच्छा रिश्ता शेयर करते हैं और कोई फॉर्मेलिटी नहीं है। उन्होंने इस बात को माना कि कोई अगर दूर से मुझे देख रहा है, तो वो गलत तरीके से चीजें ले सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि उनके 25 साल के करियर में उन्हें कभी इग्नोर्ड फील नहीं हुआ।

सतीश शाह का पिंडदान 'साराभाई' की कास्ट ने किया था निःसंतान होने पर गया में पूरी टीम ने निभाई परंपरा

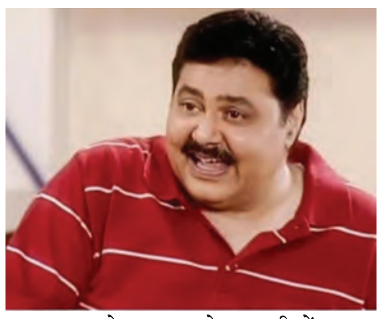

एक्टर राजेश कुमार ने हाल ही में बताया कि दिवंगत एक्टर सतीश शाह के लिए टीवी शो साराभाई वर्सेज साराभाई की पूरी कास्ट ने गया में पिंडदान किया था क्योंकि उनकी कोई संतान नहीं थी।

राजेश कुमार ने बॉलीवुड बबल से बात करते हुए सतीश शाह को बहुत जिंदादिल और पॉजिटिव इंसान बताया। उन्होंने कहा कि सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम के बावजूद, उन्होंने कभी भी अपने दर्द को अपने व्यवहार या काम पर असर नहीं पड़ने दिया।

राजेश के मुताबिक, सतीश शाह डायलिसिस पर थे और उनका किडनी ट्रांसप्लांट भी हुआ था, लेकिन उन्होंने कभी निराशा नहीं दिखाई। वे शम्मी कपूर से काफी प्रेरित थे, जिन्होंने जीवन के आखिरी समय में भी हिम्मत नहीं हारी। राजेश ने कहा कि सतीश शाह अपने निधन से कुछ दिन पहले भी नॉर्मल और खुशमिजाज मूड में थे।

पिंडदान को लेकर राजेश कुमार ने कहा कि वे गया से हैं, जहां यह परंपरा निभाई जाती है। सतीश शाह के निःसंतान होने के कारण शो की पूरी टीम ने मिलकर उनका पिंडदान किया। यह एक इमोशनल फैसला था।

सतीश शाह का निधन 25 अक्टूबर 2025 को 74 साल की उम्र में मुंबई में हुआ। शाह के निधन को लेकर शुरुआत में किडनी फेलियर की बात सामने आई थी। हालांकि बाद में राजेश कुमार ने साफ किया था कि उनका निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ था।

मैं यहां कपड़े उतारने नहीं आई...', कौन हैं एक्ट्रेस अभिरानी?

इंस्टाग्राम सब्सक्राइबर्स को लताड़कर चर्चा में आईं

तमिल फिल्मों और टीवी की एक्ट्रेस अभिरामी वेंकटाचलम ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर सब्सक्रिप्शन पेज शुरू किया था। करीब 700 लोगों ने उन्हें सब्सक्राइब किया लेकिन हाल ही में कुछ ऐसा हुआ, जिससे एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगीं।

सब्सक्राइबर्स कर रहे थे गलत डिमांड

दरअसल, अभिरामी के सब्सक्रिप्शन वाले पेज पर उनके कुछ सब्सक्राइबर्स उनसे गलत तरह की डिमांड कर रहे थे और बेहूदा व्यवहार कर रहे थे, जिससे एक्ट्रेस को गुस्सा आ गया और उन्होंने कड़े शब्दों में एक स्टोरी अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की।

मैं यहां कपड़े उतारने नहीं आई

स्टोरी में उन्होंने लिखा, 'डियर सब्सक्राइबर्स, जो लोग मुझे प्यार और सपोर्ट करते हैं, उनका मैं दिल से धन्यवाद करती हूं।

मैंने यह प्लेटफॉर्म अपनी यूनिक और आर्टिस्टिक तस्वीरें शेयर करने के लिए शुरू किया है, जो मैंने पहले कभी पोस्ट या एक्सपेरिमेंट नहीं की थीं।

अगर यहां कोई यह उम्मीद कर रहा है कि सब्सक्रिप्शन लेने के बाद मैं कपड़े निकालकर खड़ी हो जाऊंगी, तो आप आराम से अनसब्सक्राइब कर सकते हैं। मुझे क्या पोस्ट करना है, यह बताना आपका काम नहीं है। मैं यहां अपनी क्रिएटिविटी शेयर करने के लिए हूं। जो लोग इसे एक आर्ट की तरह देखते हैं, उनका स्वागत है। यह कोई अश्लील साइट नहीं है।'

अभिरामी का एक्टिंग करियर

बता दें कि अभिरामी ने साल 2017 में उन्होंने मिस तमिलनाडु का खिताब जीता था, जो उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इसके बाद एक्ट्रेस ने 2018 में फिल्म नोटा से डेब्यू किया था और 2019 में नरकोंडा पारवाई में अपने रोल के लिए काफी पहचान हासिल की। इस फिल्म में वह अजित कुमार के साथ नजर आई थीं।

अभिरामी वेंकटाचलम इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की एक मल्टीटैलेंटेड पर्सनालिटी हैं। वह एक्ट्रेस, मॉडल और क्लासिकल डांसर के रूप में जानी जाती हैं। खासतौर पर तमिल फिल्मों और टीवी इंडस्ट्री में एक्टिव रहते हुए उन्होंने अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और बेबाक अंदाज से अलग पहचान बनाई है।

रामायणम' में 'मंथरा' कौन है? 53 की एक्ट्रेस कभी थीं मनीषा कोइराला की बॉडी डबल, शाहरुख की बनीं मां

नितेश तिवारी की 'रामायणम' का टीजर रिलीज होने के बाद से ही यह चर्चा में है। जहां राम बने रणबीर कपूर के लुक की चर्चा है, वहीं कई बड़े स्टार्स 4 हजार करोड़ी इस फिल्म का हिस्सा हैं। लंकापति रावण के किरदार में यश हैं, तो साई पल्लवी देवी सीता के रोल में हैं और सनी देओल हनुमान बने हैं। इसी तरह और भी कई कलाकार हैं, जिन्हें अहम किरदारों में चुना गया है, जैसे कि शीबा चड्ढा। वह 'रामायणम्' में कैकेयी की दासी मंथरा का किरदार निभाएंगी। वहीं कैकेयी के किरदार में लारा दत्ता को साइन किया गया है। शीबा चड्ढा के बारे में सब यहां बता रहे हैं:

जब भी मंथरा के किरदार की बात होती है तो रामानंद सागर के सीरियल 'रामायण' की मंथरा याद आ जाती है, जिसका किरदार एक्ट्रेस ललिता पवार ने निभाया था। इस किरदार में ललिता पवार ने ऐसी जान डाली कि वह हमेशा के लिए अमर हो गया। ललिता पवार बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस थीं, और दर्जनों फिल्में कर चुकी थीं, पर सही मायनों में उन्हें स्टारडम रामानंद सागर की 'मंथरा' बनकर मिला था। आज भी इस किरदार को एक बेंचमार्क के तौर पर देखा जाता है।

शीबा चड्ढा की ललिता पवार के साथ तुलना

ऐसे में अब जब शीबा चड्ढा मंथरा के किरदार में नजर आएंगी, तो उनकी तुलना ललिता पवार के साथ किया जाना लाजमी है। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज से पहले कुछ भी कहना बहुत जल्दबाजी होगी, पर यहां आपको 'रामायणम्' की मंथरा यानी शीबा चड्ढा के बारे में बता रहे हैं, जो 53 साल की हैं।

शाहरुख खान की रहीं जूनियर, फिर फिल्मों में बनीं उनकी मां

शीबा चड्ढा दिल्ली में पली-बढ़ीं और यहीं पर थिएटर करना शुरू कर दिया था। उन्होंने दिल्ली के हंसराज कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था, और इसी में शाहरुख खान पढ़ते थे। वह कॉलेज में शाहरुख की जूनियर थीं। दिलचस्प है कि जब वह फिल्मों में आईं, तो उन्होंने शाहरुख की मां का रोल प्ले किया। वहीं, अनुराग कश्यप उनके क्लासमेट थे।

भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने 'आख्या में आख घाली' गाने पर लगाए ठुमके

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने कला के क्षेत्र में भाषा संबंधी सीमाओं को तोड़ने का काम बखूबी किया है। अब बॉलीवुड सितारे भोजपुरी गानों पर डांस करते दिखते हैं तो भोजपुरी सितारों पर हरियाणवी म्यूजिक का रंग चढ़ा है। हाल ही में रानी चटर्जी ने भी हरियाणवी गाने पर जबर्दस्त डांस किया।

हरियाणवी गाने पर भोजपुरी क्वीन का डांस

भोजपुरी म्यूजिक का अपना अलग आकर्षण है। ये अब सिर्फ क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं हैं, बल्कि देशभर में भोजपुरी गाने पसंद किए जाते हैं। इसी तरह, हरियाणवी सॉन्ग भी संगीत प्रेमियों की पसंदीदा लिस्ट में जगह बना रहा है। हाल ही में रानी चटर्जी 'आख्या में आख घाली घाली' गाने पर धमाकेदार डांस करती दिखीं। उन्होंने हरे रंग का कश्मीरी कुर्ता पहना हुआ है।

रानी बोलीं- 'उफ्फ मैं शरमा गई'

रानी चटर्जी ने अपना डांस वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'कश्मीरी कुर्ता ते हरियाणवी बोल। उफ्फ मैं तो शरमा गई'। उन्होंने अपनी कुछ फोटोज भी शेयर की हैं और लिखा है, 'नजर ना लग जाए'। रानी चटर्जी ने डार्क रेड लिपस्टिक और हैवी आई मेकअप से अपना लुक कंपलीट किया है।

यूजर्स बोले- 'सुपर से भी ऊपर'

रानी के पोस्ट पर नेटिजंस रिएक्शन दे रहे हैं और उनके इस अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, 'सुपर डांस परफॉर्मेंस'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'सुपर से भी ऊपर'। कुछ फैंस उन्हें लीजेंड बता रहे हैं। तमाम यूजर्स फायर और रेड हार्ट इमोजी बनाते दिख रहे हैं। बता दें कि रानी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 2.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

'एक रात की दुल्हन' का ट्रेलर रिलीज, क्या छुपा है उस घूंघट के पीछे, जिसके बाद खौफ में बदल जाएगी सारी खुशी

भोजपुरी हॉरर फिल्म ''एक रात की दुल्हन' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस ट्रेलर को शेयर करते हुए लिखा गया है- क्या होगा जब एक रात की खुशी, उम्र भर के खौफ में बदल जाएगी? क ऐसी रात से शुरू होती है जहां डर का साया हर कदम पर आपका पीछा करेगा।

भोजपुरी फिल्म 'एक रात की दुल्हन' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ये फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा से शुरू होती है और फिर धीरे-धीरे ये कहानी एक ऐसी काली अंधेरी रात में तब्दील हो जाती है, जिससे पीछा छुड़ाना मुश्किल है। एक गरीब परिवार की बेटी दुल्हन बनकर अपने ससुराल पहुंचती ही है कि गहलीज पार करने से ही तानों और नफरत की बौछार होने लगती है। इश्तियाक शेख बंटी द्वारा निर्देशित इस फिल्म को नूरसबा शेख ने प्रड्यूस किया है। इस फिल्म में ज्योति मिश्रा लीड रोल में हैं। उनके अलावा अमित शुक्ला, अयाज़ खान, सोनी राज, सीमा यादव जैसे तमाम कलाकार फिल्मों में हैं।

जहा, डर का साया हर कदम पर आपका पीछा करेगा

इस ट्रेलर को जारी कह कहा गया है, 'ये कहानी एक ऐसी रात से शुरू होती है जहां डर का साया हर कदम पर आपका पीछा करेगा? क्या होगा जब एक रात की खुशी, उम्र भर के खौफ में बदल जाएगी? इस डरावने सफर का हिस्सा बनें

और देखें कि क्या छुपा है उस घूंघट के पीछे!'

शादी के बाद पहली रात की झलकियों से शुरू होती है कहानी

करीब 4 मिनट 35 सेकंड का ये ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है, जिसे लोग काफी पसंद भी कर रहे हैं। इस ट्रेलर की शुरुआत शादी के बाद पहली रात की झलकियों से शुरू होती है, जिसमें दुल्हन पानी मांगती दिख रही है। दुल्हन जब कार से ससुराल पहुंचती है, तब भी वो ससुराल वालों से पानी ही मांग रही है, लेकिन यहां पानी तो नहीं मिलता लेकिन सास के ताने जरूर मिल जाते हैं। आखिरकार अगली सुबह दुल्हन की मौत हो जाती है और फिर यहां से वो तांडव शुरू होता है जिसकी ससुरावल वालों ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी।

लोगों ने कहा- फिल्म को देखने के बाद आम लोग भी पानी की कीमत जान लेंगे

ट्रेलर देख लोग अपनी भावनाएं अभी से जाहिर कर रहे हैं। एक ने कहा, 'ये सिर्फ एक हॉरर कहानी नहीं लगती, इसमें बहुत दर्द और गहराई छुपी हुई है... डर के साथ-साथ इमोशन भी महसूस हो रहा है। देखने का इंतजार है।' वहीं एक और ने कहा- ट्रेलर तो शानदार है, मूवी कब रिलीज हो रही है। वहीं एक और ने कहा- इस फिल्म को देखने के बाद आम लोग भी पानी की कीमत जान लेंगे। इस फिल्म की रिलीज का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

राजा सुहेलदेव की तकनीक से ईरान ने उखाड़ दिए अमेरिका के पांव?

श्रावस्ती के राजा सुहेलदेव की कहानी

लखनऊ, 9 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। भारत के एक राजा की कहानी फारस की खाड़ी में गूंजती रहती है। उसे फारस यानी ईरान के फारसी साहित्य में बड़े आदर के साथ लिया जाता है। ये यशस्वी राजा थे-उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती के शासक सुहेलदेव।

श्रावस्ती वैसे तो छोटा सा इलाका था, मगर सुहेलदेव का काम इतना बड़ा था कि उनकी कहानियां मध्य एशिया पार करके ईरान तक जा पहुंचीं। उनकी वीरता की गाथा के चर्चे पूरे भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर ईरान तक होने लगे।

ये वही ईरान यानी फारस है, जहां हाल ही में अमेरिका-ईरान के बीच करीब 40 दिनों तक युद्ध चला है। अब दो हफ्ते का युद्धविराम हो चुका है। हाल ही में राजा सुहैलदेव की यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी तारीफ की थी।

मिरात-ए-मसौदी में मिलता है राजा सुहेलदेव का ब्यौरा

11वीं सदी के राजा सुहेलदेव के बारे में व्यापक ब्यौरा फारसी किताब 'मिरात-ए-मसौदी' में मिलता है। इसे 17वीं सदी में एक सूफी लेखक अब्दुर्रहमान चिश्ती ने लिखा था। इसे तब लिखा गया, जब भारत में मुगल बादशाह जहांगीर (1605-26) का शासन था। यह किताब वैसे तो अफगानिस्तान में गजनी के आक्रमणकारी सुल्तान महमूद के भतीजे सालार मसूद की जीवनी है।

अब्दुर्रहमान ने खुद बताया है कि उसने यह किताब मुल्ला मुहम्मद गजनवी के वृतांत के आधार पर लिखी थी, जो सुल्तान महमूद और सालार मसूद का समकालीन था।

महाराज सुहेलदेव ने एक हजार साल पहले शौर्य और पराक्रम दिखाया। सोमनाथ मंदिर लूटने वाले के जनरल को महाराज सुहेलदेव ने रोका ही नहीं बल्कि जिस निर्ममता के साथ मारा था, उससे सैकड़ों साल तक विदेशी आक्रांता हमला करने हिम्मत नहीं करता था।

दुश्मन से लड़ने वाला राजा हैं सुहेलदेव

इतिहासकार डॉ. दानपाल सिंह के अनुसार, किताब मिरात-ए-मसौदी में सुहेलदेव को 'विदेशी दुश्मनों से लड़ने वाले योद्धा राजा' के रूप में बताया गया है। इसमें कहा गया है कि सुहेलदेव ने 1034 ईसवी में बहराइच के युद्ध में गाजी सैयद सालार मसूद को युद्ध में हरा दिया और मसूद को मार डाला।

यह किताब फारसी में लिखी गई थी, जो ईरान, अफगानिस्तान और मध्य एशिया की चर्चित लाइब्रेरी में रखी मिल जाती है। मध्य एशिया, भारत और ईरान की सभ्यताओं का अध्ययन करने वाले इस किताब को जरूर पढ़ते हैं। डॉ. दानपाल के अनुसार, मिरात-ए-मसौदी में सालार मसूद को योद्धा संत के रूप में दर्शाया गया है।

उसे एक उपनाम गाजी मियां के नाम से भी जाना जाता रहा है। उसका झुकाव भारत में स्थापित सूफियों की मशहूर परंपरा चिश्ती से जोड़ा जाता है। एक समय गाजी मियां का मेल भी लगता रहा था।

बहराइच में गाजी मियां की बन गई कब्र

गाजी मियां उर्फ सालार मसूद ने भारत में घुसने के बाद अपनी शुरुआती राजधानी सातरीख (मौजूदा वक्त में बहराइच का एक छोटा सा कस्बा) में कायम की। इसके बाद से उसने स्थानीय राजाओं को हराना शुरू कर दिया। इसके बाद खुद सालार मसूद बहराइच पहुंचा।

यह देखने के लिए उसकी फौज की तैयारी कैसी है। इसी वक्त राजा सुहेलदेव भी बहराइच पहुंच गए। दोनों में जबरदस्त युद्ध हुआ और सुहेलदेव ने 15 जून, 1034 को सालार मसूद को युद्ध में हराकर मार डाला।

सालार मसूद के कमांडर ने सुहेलदेव की कर दी हत्या

सालार मसूद को बहराइच में ही दफना दिया गया। बाद में इस पर एक दरगाह बना दी गई। बाद में सालार मसूद के ही एक कमांडर सैयद इब्राहिम ने सुहेलदेव की धोखे से हत्या कर दी। राजा सुहेलदेव वैसे तो छोटे इलाके के शासक थे, मगर उनकी युद्ध तकनीक बेहद गजब की थी। वह और उनकी सेना गुरिल्ला युद्ध में माहिर थे। जब महमूद गजनवी के सोमनाथ मंदिर के लूटने और उसे तबाह करने की घटना सुनी तो वो बहुत आहत हुए।

उन्होंने उसी समय ठान लिया कि वह एक ऐसी फौज बनाएंगे, जो ऐसे विदेशी आक्रांताओं का डटकर मुकाबला करेगी। सुहेलदव ने तब थारू और बंजारा समुदाय के लोगों को जुटाना शुरू किया, जो जंगलों से अच्छी तरह परिचित थे और कठोर माहौल में भी लड़ाई में जबरदस्त थे। वह यूपी के राजभर और पासी समुदायों में बेहद पॉपुलर हैं, जिनका आज मध्य और पूर्वी यूपी में काफी प्रभाव है।

मीडिया रिपोर्टों में यह माना जाता है कि छोटे से देश ईरान ने हाल ही में अमेरिका-इजरायल के खिलाफ जंग में दोनों देशों को गुरिल्ला तकनीक से छका दिया। ईरान ने मोजैक रणनीति बनाई, जो गुरिल्ला तकनीक और असममित युद्ध को मिलाकर बनाई गई थी। इस नीति के तहत ईरान सीधे मुकाबले के बजाय छोटे-छोटे, विकेंद्रीकृत हमलों, ड्रोन, मिसाइल और प्रॉक्सी ताकतों का अमेरिका के खिलाफ इस्तेमाल किया गया। माना जाता है कि इस युद्ध में अमेरिका को करीब 80 बिलियन डॉलर का नुकसान हो चुका है। अब ईरान ने यूपी के महाराजा सुहेलदेव की कहानी पढ़ी या नहीं, यह तो इतिहास के गर्त में है, मगर जिस गुरिल्ला तकनीक से गाजी मसूद को मारा, उसे ईरान ने भी अपनाया है। बता दें कि राजा सुहेलदेव की राजधानी श्रावस्ती खामनेई के पूर्वजों के गांव बाराबंकी के पास ही है। सुहेलदेव की कहानी यूपी में तो काफी प्रचलित है ही,जाहिर है उसका असर ईरान तक भी पडा हो।

पीएम मोदी कर चुके हैं सुहेलदेव मेमोरियल का उद्घाटन

16 फरवरी, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महाराजा सुहेलदेव मेमोरियल की नींव रखी।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्सर महाराजा सुहेलदेव की तारीफ करते नहीं थकते। उस वक्त भी उन्होंने कहा था-राजा सुहेलदेव ने गजनवी जनरल गाजी सैयद सालार मसूद को बहराइच में चित्तौरा झील के किनारे चर्चित युद्ध में हराया और मार डाला।

आज सुहेलदेव सुपरफास्ट एक्सप्रेस नाम से एक ट्रेन चलती है। सुहैलदेव की ही वीरगाथा पर जाने-माने लेखक अमीश त्रिपाठी-'लीजेंड ऑफ सुहेलदेवः द किंग हू सेव्ड इंडिया' नाम से एक उपन्यास भी लिखा है।

झारखंड सरकार की करोड़ों की कई योजनाएं फाइलों में ही अटकी रह गईं

रांची, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य में किसानों के हित के लिए बनाई गई कई योजनाएं जमीन पर नहीं उतर सकीं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की करीब डेढ़ दर्जन योजनाएं विभाग की फाइलों में ही दबी रह गईं। इनमें से कुछ केंद्र की और कुछ राज्य की योजनाएं हैं। कई योजनाओं के लिए विभाग ने कोई राशि ही नहीं दी। परिणाम स्वरूप ऐसी योजनाओं का कोई काम नहीं हो सका। इन योजनाओं में नस्ल सुधार, एग्री एक्सपोर्ट, गो मुक्ति धाम जैसी योजनाएं शामिल हैं।

कृषि, उद्यान एवं भूमि संरक्षण विभाग में पोस्ट हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट योजना के लिए 7 करोड़ रुपये का प्रावधान था, व्यय एक नया पैसा भी नहीं किया गया। बीज और रोपण सामग्री योजना में 12.05 करोड़ रुपये का व्यय होना था, लेकिन कोई राशि व्यय नहीं की गई। परंपरागत कृषि विकास योजना के लिए 17.35 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई थी, लेकिन कोई पैसा खर्च नहीं किया गया। इसी तरह राष्ट्रीय बांस मिशन के लिए 1.04 करोड़ रुपये, कृषि मशीनीकरण (हस्त चालित) के लिए 46.87 करोड़, जेएसएमपीएफएस और चैंबर ऑफ फार्मर्स के लिए 7 करोड़ रुपये, पशुपालन और डेयरी विभाग की झील अंडा उत्पादन योजना के लिए 130 करोड़ रुपये, बेकल पोल्ट्री के सुदृढ़ीकरण की योजना के लिए 1 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था, लेकिन कोई राशि व्यय नहीं की गई।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के लिए 30 करोड़ रुपये, अंडा उत्पादन के लिए उद्यमी योजना में 25 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय पशुधन मिशन के लिए 6 करोड़ रुपये, नस्ल सुधार एवं उत्पादकता वृद्धि के लिए 30 करोड़ रुपये, दूध उत्पादकों को मूल्य प्रोत्साहन योजना के लिए 82.66 करोड़ रुपये, सहकारिता विभाग की लैम्पस को अनुदान के लिए 25 करोड़ रुपये, प्राथमिक बुनकर को अनुदान के लिए 1 लाख रुपये एवं सहकारिता कार्यालयों का कंप्यूटरीकरण की योजना के लिए 1 करोड़ रुपये का प्रावधान था। हालांकि इनमें से किसी भी योजना पर कोई व्यय नहीं किया गया। झारखंड सरकार कल्याणकारी और विकास की योजनाओं के कई और मोर्चों पर विफल साबित हुई। पशुपालन विभाग को झारखंड महिला स्वावलंबी पोल्ट्री कोऑपरेटिव यूनियन को 5 करोड़ देने थे, जो नहीं मिले। पोस्टमार्टम और लैब की सुविधा के लिए भी फंड आवंटित नहीं हुआ।

पैसे के अभाव में इसका गठन नहीं हो सका, जबकि इसके लिए शुरुआत में 70 लाख रुपये का प्रावधान था।

अफ्रीकन स्वाइन फीवर संक्रमण की पुष्टि

दुर्ग, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) संक्रमण का मामला सामने आया है। संक्रमण की पुष्टि होने के बाद 83 सुअरों को मार दिया गया है तथा संक्रमण से बचाव के उपाय किए जा रहे हैं। जिले के धमधा विकासखंड में मुड़पार गांव के सुअर फार्म में एएसएफ संक्रमण पाये जाने के बाद पशुपालन विभाग ने अन्य सुअर पालकों को सतर्क कर दिया है।

मामले की जानकारी मंगलवार को अधिकारियों ने दी है। अधिकारियों ने बताया कि मुड़पार गांव में एक निजी सुअर पालक के सुअरों की पिछले कुछ दिनों से मृत्यु हो रही थी तथा जब सुअर पालक ने इसकी सूचना जिला पशुपालन विभाग को दी। दो अप्रैल को पशुपालन विभाग सुअर फार्म पहुंचा और नमूना जांच के लिए भोपाल भेजा।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को रिपोर्ट में सुअरों में एएसएफ की पुष्टि होने के बाद पशुपालन विभाग द्वारा 83 सुअरों को इंजेक्शन देकर मार दिया गया तथा संक्रमण रोकने के लिए सुअरों के शवों को नियमों के अनुसार दफना दिया गया है।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि

निजी फार्म से सैंपल लेकर भेजा गया था भोपाल, पुष्टि के बाद 83 सुअरों को मार दिया गया है, डॉक्टरों ने कहा इस बीमारी का नहीं है कोई इलाज।

दुर्ग में पशु चिकित्सा सेवाओं के उप संचालक डॉक्टर वसीम शम्स ने बताया कि एएसएफ एक ऐसी बीमारी है जिसका कोई इलाज नहीं है और न ही अभी तक इसकी कोई वैक्सिन बनी है, इसलिए भारत सरकार के दिशा निर्देश के तहत वैज्ञानिक पद्धति से सुअरों को मारकर दफनाने का प्रावधान है। डॉक्टर शम्स ने बताया कि यह बीमारी केवल सुअरों से सुअरों तक ही फैलती है, अन्य किसी जानवर या इंसानों में इसका असर नहीं होता है। उन्होंने बताया कि एक किलोमीटर क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन बनाया गया है। वहीं, फॉर्म के संचालक ने बताया कि कुछ दिनों से सुअरों की अचानक मौत हो रही थी। जिसके बाद पशुपालन विभाग को जानकारी दी गई थी।

चांडिल के गुंडा गांव में हाथी ने मचाई तबाही

तड़के गांव में घुसकर चार घरों को किया क्षतिग्रस्त, फसलें रौंदी, ग्रामीणों में फैली दहशत

जमशेदपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। जमशेदपुर के चांडिल क्षेत्र के गुंडा गांव में एक जंगली हाथी ने तड़के करीब 4 बजे घुसकर उत्पात मचाया। हाथी ने चार ग्रामीणों के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया और खेतों में लगी सब्जियों की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचाया।

यह घटना चांडिल रेंज के गुंडा गांव की है। हाथी ने राधा नाथ महतो, कृष्ण पर महतो, हरिपद महतो और मिलन महतो के घरों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथी के गांव में घुसने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

ग्रामीणों ने मशाल और शोर-शराबा कर हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा। इस घटना से किसानों और ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान हुआ है। चांडिल क्षेत्र में जंगली हाथियों का खतरा लगातार बना हुआ है, जबकि वन विभाग द्वारा निगरानी की जा रही है।

100-100 के नोट लेते कॉन्स्टेबल का वीडियो वायरल

राजनांदगांव थाने में महिला की फोटो जूम करते दिखा एएसआई, दोनों सस्पेंड किए गए

राजनांदगांव, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से थाने के भीतर रिश्वत लेने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक कॉन्स्टेबल पैसे लेते नजर आ रहा है, जबकि सामने बैठा एएसआई मोबाइल पर एक महिला की तस्वीर को जूम कर देखता दिखाई दे रहा है।

वीडियो वायरल होने के बाद एसपी अंकिता शर्मा ने दोनों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। एएसआई पर वर्दी में न रहने और पुलिस की छवि खराब करने के आरोप में कार्रवाई हुई, जबकि कॉन्स्टेबल पर रिश्वत लेने के आरोप में एक्शन लिया गया।

मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र का है। एएसआई का नाम रोहित खूंटे है, जबकि कॉन्स्टेबल का नाम लक्ष्मी शंकर कंवर है। दोनों डोंगरगढ़ थाने में ही पदस्थ हैं। वीडियो में कोर्ट में चालान पेश करने को लेकर बातचीत और लेनदेन होता नजर आ रहा है। हालांकि पूरा मामला क्या है, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

वायरल वीडियो में थाने के भीतर एएसआई रोहित खूंटे मोबाइल में महिला की तस्वीर को जूम कर देखते नजर आ रहा है। वहीं वर्दीधारी कॉन्स्टेबल लक्ष्मी शंकर कंवर 100-100 रुपए के नोट लेते और उसे अपनी जेब में रखते हुए दिखाई दे रहा है।

इसके अलावा वीडियो में समझौता, जमानत और चालान से जुड़ी बातचीत होने की बात भी सामने आ रही है। साथ ही "मामला निपटाने" की चर्चा भी की जा रही है। वायरल वीडियो को हाल ही का, यानी पिछले एक सप्ताह के भीतर का बताया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। बुधवार देर शाम इस पूरे मामले में एसपी अंकिता शर्मा ने एएसआई रोहित खूंटे और कॉन्स्टेबल लक्ष्मी शंकर कंवर को निलंबित कर दिया। इसी के साथ दोनों को रक्षित केंद्र में लाइन अटैच किया गया है। वे एसपी की अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे।

ऑर्गन-ऑन-चिप तकनीक दवा परीक्षण के क्षेत्र में नई उम्मीद बनकर उभरी

धनबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में आयोजित दो दिवसीय इन्वेंटिव 2026 में दवा परीक्षण और ड्रग डिस्कवरी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। आईआईटी मुम्बई के छात्रों की टीम द्वारा विकसित ऑर्गेनोमिक की अत्याधुनिक ऑर्गन-ऑन-चिप तकनीक ने वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इस तकनीक के माध्यम से एनिमल पर निर्भरता कम होगी और दवाओं की सटीक व तेज जांच संभव हो पायेगा। आईआईटी मुम्बई की छात्रा डॉ. देवश्री जहागिरदार और सौम्या जायसवाल ने बताया कि इस तकनीक की खास बात यह है कि इसमें इंसानी शरीर के विभिन्न अंगों के माइक्रोस्कोपिक मॉडल तैयार कर दवाओं का परीक्षण किया जाता है जिससे परिणाम अधिक विश्वसनीय और सटीक मिलते हैं। वर्तमान में नई दवा विकसित करने की प्रक्रिया बेहद महंगी और समय लेने वाली है तथा लगभग 90 प्रतिशत दवाएं क्लिनिकल ट्रायल में असफल हो जाती हैं। ऐसे में ऑर्गन-ऑन-चिप तकनीक दवा परीक्षण के क्षेत्र में नई उम्मीद बनकर उभरी है।

इस प्रोजेक्ट में छात्रा डॉ. देवश्री जहागिरदार और छात्रा सौम्या जायसवाल की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही। डॉ. देवश्री ऑर्गन-ऑन-चिप तकनीक और रेगुलेटरी अफेयर्स की विशेषज्ञ हैं और उन्होंने तकनीक को वैज्ञानिक और नियामक मानकों के अनुरूप विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वहीं छात्रा सौम्या जायसवाल ने मेडिकल डिवाइसेस और फार्मास्यूटिकल साइंसेज के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता से इस प्रोजेक्ट को मजबूती प्रदान की। दोनों छात्राओं के शोध और तकनीकी योगदान ने ऑर्गेनोमिक प्लेटफॉर्म को नई दिशा दी है। उनका कहना है कि ऑर्गेनोमिक टीम ने इस तकनीक के जरिए त्वचा, प्लेसेंटा, रेटिना और ब्लड-ब्रेन बैरियर जैसे अंगों के माइक्रो मॉडल तैयार किए हैं। इन चिप्स पर दवाओं का परीक्षण कर उनके प्रभाव को रियल टाइम में मॉनिटर किया जा सकता है जिससे पारंपरिक तरीकों की तुलना में अधिक सटीक परिणाम मिलते हैं।

इस महत्वाकांक्षी पहल का नेतृत्व प्रो. अभिजीत मजुमदर कर रहे हैं, जिनके पास केमिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में 15 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उनकी अगुवाई में टीम भारत में स्वदेशी ऑर्गन-ऑन-चिप प्लेटफॉर्म विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। वे ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैण्डर्ड (बीआईएस) से भी जुड़े हुए हैं।

टीम ने ग्रेडिएंट जनेरेटर डिवाइस, मल्टी स्फेरॉइड जनरेशन डिवाइस, बैरियर ऑन चिप और डायनमिक डिफार्मेशन ऑन चिप जैसे आधुनिक उपकरण भी विकसित किए हैं, जो दवा परीक्षण की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बढ़ाते हैं। इन तकनीकों से एनिमल टेस्टिंग की आवश्यकता काफी हद तक कम हो सकती है।

विशेषज्ञों (यूएस एफडीए, ईएमए इत्यादि) का मानना है कि इस तरह की तकनीकें बड़े स्तर पर अपनाई गईं तो भविष्य में दवा परीक्षण का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा। कम लागत, कम समय और ज्यादा सटीकता के साथ नई दवाओं का विकास संभव होगा जिससे मरीजों को बेहतर और सुरक्षित दवाएं जल्द मिल सकेंगी।

दिल्ली पहुंचे सीएम नीतीश, बोले- अब यहीं रहूंगा

जेडीयू नेताओं के साथ बैठक करेंगे, पटना बीजेपी ऑफिस में फाड़े गए 'सम्राट चौधरी' के पोस्टर

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सीएम नीतीश कुमार पटना से दिल्ली पहुंच चुके हैं। इस दौरान वे लंबे समय बाद मीडिया के सामने आए। राज्यसभा जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, "कल मैं शपथ लूंगा और अब यहीं रहूंगा। बहुत समय तक यहां (दिल्ली) काम किया है, अब फिर से यहीं काम करूंगा।"

उन्होंने यह भी कहा, "इतने सालों में बिहार में बहुत काम किया है, आगे भी काम जारी रहेगा।" इस दौरान उन्होंने स्पष्ट संकेत दिए कि वे दिल्ली में सक्रिय रहेंगे, लेकिन पटना आना-जाना भी जारी रहेगा। जब उनसे बेटे निशांत कुमार को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, "इस बारे में हमारे पार्टी के नेता तय करेंगे।" जदयू सूत्रों के अनुसार,

सीएम नीतीश कुमार आज दिल्ली में अपने दल के नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। बैठक में राष्ट्रीय परिषद और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के नेता शामिल होंगे। बिहार की नई सरकार और निशांत कुमार को दायित्व सौंपने पर विमर्श किया जाएगा। अब तक के कार्यक्रम के अनुसार दिल्ली में शुक्रवार को शपथ लेने के बाद नीतीश शनिवार को पटना वापस आएंगे। दिल्ली में वह पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने वाले हैं। नीतीश बिहार में नई सरकार पर बात करेंगे। उनके साथ पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा रह सकते हैं।

इधर, बिहार बीजेपी दफ्तर के पास लगे सम्राट चौधरी के पोस्टर को फाड़ा गया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें बीजेपी दफ्तर में तैनात गार्ड एक पोस्टर को फाड़ कर हटा रहा है, जिसमें सम्राट चौधरी की तस्वीर लगी थी।

इस पोस्टर में लिखा था, "वाल्मीकि समाज की यही पुकार, बिहार में हो सम्राट की सरकार।" इस पोस्टर के पीछे पीएम मोदी और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष नितिन नवीन का पोस्टर लगा है।

छत्तीसगढ़ से छोटे-नोटों की कमीशन लेकर एमपी में सप्लाई

17 .90 लाख के साथ पकड़ाया कारोबारी, इसमें 10-20 और 50 रुपए की गड्डियां, बैंकों से जुटाता था पैसे

बिलासपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश में कमीशन के लिए छोटे नोट सप्लाई किए जा रहे हैं। बिलासपुर में बेलगहना पुलिस और एसीसीयू टीम ने एक कारोबारी के पास से 17.90 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार किया है। जिसमें 10, 20 और 50 रुपए के नए नोटों की 81 गड्डियां शामिल है। मामला बेलगहना थाना इलाके का है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पवन बजाज (35) निवासी बिलासपुर के सिटी कोतवाली कश्यप कॉलोनी के रूप में हुई है। युवक तांबा-पीतल स्क्रेब का कारोबार भी करता है। जिसके चलते उसका बैकों में आना जाना रहता है। इसी माध्यम से उसने

बैंक अफसरों से परिचय बढ़ाकर करेंसी नोट खपाने का अवैध धंधा करने लगा। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि, वह इन छोटे नोटों की गड्डियों को कमीशन पर सप्लाई करता था। हर बंडल पर उसे 200 से 1000 रुपए तक का कमीशन मिलता था। वह शहर के साथ-साथ जिले के बैंकों के अधिकारियों और कर्मचारियों से संपर्क कर नोट जुटाता था।

बुधवार रात को बेलगहना पुलिस और एसीसीयू टीम इलाके में पेट्रोलिंग और जांच कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि टेगनमाड़ा रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति दो सूटकेस और एक पिट्ठू बैग के साथ संदिग्ध हालत में घूम रहा है। इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों रजनेश सिंह, मधुलिका सिंह और निमितेश सिंह को दी गई। उनके निर्देश पर टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को पकड़ लिया। युवक ने पुलिस को बताया कि वह बैंकों से करेंसी नोटों को इकठ्ठा कर एमपी के कटनी, शहडोल और आसपास के व्यापारियों के यहां खपाता था।

नोएडा एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्र की गड्ढे में डूबकर मौत

नोएडा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। नोएडा में एमिटी यूनिवर्सिटी के 23 साल के छात्र हर्षित भट्ट की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, बुधवार शाम को परीक्षा खत्म होने के बाद हर्षित अपने तीन दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान वह गड्ढे में उतर गया। वह गहराई में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

20 मिनट बाद पुलिस गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची और हर्षित को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

केरोसीन डालकर पत्नी को जिंदा जलाया, तड़पते देखता रहा

हाईकोर्ट बोला- मरता इंसान झूठ नहीं बोलता, दोषसिद्धि करने का यह ठोस आधार, पति की उम्रकैद बरकरार

बिलासपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के पांडातराई में कैरेक्टर पर शक के चलते पति ने पत्नी पर केरोसीन डालकर उसे जिंदा जला दिया। आग से जलती हुई महिला ने तालाब में कूदकर अपनी जान बचाने की कोशिश भी की, लेकिन वह नहीं बच सकी। पति उसे जलते हुए देखता रहा।

अब हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मामले में हत्या के दोषी पति की अपील खारिज कर दी है। डिवीजन बेंच ने उम्रकैद के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि, मरने से पहले का बयान अपने आप में दोषसिद्धि का ठोस आधार है, क्योंकि मरते हुए व्यक्ति के होठों पर सत्य निवास करता है।

दरअसल, पांडातराई निवासी आरोपी संतोष उर्फ गोलू श्रीवास्तव ने 18 नवंबर 2019 को पत्नी लता श्रीवास्तव पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी थी। उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह पत्नी के चरित्र पर शक करता था। इसके चलते दोनों पति-पत्नी के बीच आए दिन विवाद होता था।

चांदी 8 हजार कम होकर 2.36 लाख किलो हुई

सोना 1 हजार गिरकर 1.50 लाख पर आया

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 9 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1 हजार रुपए घटकर 1.50 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.51 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 8 हजार रुपए घटकर 2.36 लाख रुपए रह गई।

सोना ऑल टाइम हाई से 26 हजार सस्ता हुआ

साल की शुरुआत में सोने में तेजी थी, लेकिन हाल के हफ्तों में मुनाफावसूली और ईरान जंग से गिरावट आई है। ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 1.76 लाखमौजूदा स्थितिः अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 26 हजार सस्ता हो चुका है।

फायर या सीजफायर? जंग पर असमंजस बढ़ने से फिर टूटा बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी का हाल

मुंबई,9 अप्रैल(एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में पांच दिनों से जारी बढ़त का सिलसिला गुरुवार को टूट गया। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन सेंसेक्स 931.25 (1.20%) अंक टूटकर 76,631.65 के स्तर पर आ गया। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 222.25 (0.93%) अंकों की गिरावट के साथ 23,775.10 के स्तर पर कारोबार करते हुए बंद हुआ। इस दौरान एलएंडटी और जियो फाइनेंस जैसे शेयरों में तीन-तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बाजार में गिरावट का सबसे बड़ा कारण पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर स्थिति का साफ न होना रहा। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच सीजफायर के एलान के बावजूद दोनों पक्षों की ओर से तनातनी भरे बयान आए। लेबनान पर इस्राइल के हमलों के जवाब में ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद करने के बाद युद्धविराम समझौता खतरे में दिखाई देने लगा। इससे निवेशकों के बीच अनिश्चितता बढ़ गई और इसका असर प्रमुख सूचकांकों के प्रदर्शन पर पड़ा।

सेंसेक्स और निफ्टी का हाल

सेंसेक्स
76,631.65
-931.25 (-1.20%)

निफ्टी
23,775.10
-222.25 (-0.93%)

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे गिरकर 92.63 पर बंद हुआ

पश्चिम एशिया में स्थिति नाजुक बनी रहने के कारण, गुरुवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर 92.63 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जिससे निवेशक होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने को लेकर सतर्क हैं। फॉरेक्स ट्रेडर्स ने कहा कि अगर इजरायल लेबनान पर बमबारी जारी रखता है तो ईरान द्वारा वार्ता से बाहर निकलने की धमकी के बीच भू-राजनीतिक अनिश्चितता अभी भी बहुत अधिक है, और बाजार मजबूत दिशात्मक रुख अपनाने के बजाय प्रतीक्षा करो और देखो की स्थिति में हैं।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.63 पर खुला, फिर गिरकर दिन के दौरान 92.92 के निचले स्तर पर पहुंच गया। सत्र के दौरान इसने दिन का उच्चतम स्तर 92.53 भी छुआ। गुरुवार को कारोबार सत्र के अंत में रुपया डॉलर के मुकाबले 92.63 पर कारोबार कर रहा था। इसमें पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 9 पैसे की गिरावट दर्ज की गई।

60% आयात निर्भरता के बावजूद घरेलू एलपीजी आपूर्ति 100% सुरक्षित

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं को हिलाकर रख दिया है। हालांकि, इस भारी संकट के बीच भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने फिर एक बार साफ तौर पर कहा है कि वर्तमान भू-राजनीतिक हालात के कारण एलपीजी आपूर्ति प्रभावित जरूर हुई है, लेकिन सरकार ने आम उपभोक्ताओं की रसोई को इससे पूरी तरह सुरक्षित रखा है।

देश की 60 प्रतिशत एलपीजी जरूरतें आयात से पूरी होने के बावजूद, घरेलू उपयोग के लिए 100 प्रतिशत गैस आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। सुजाता शर्मा ने बताया कि देश में किसी भी एलपीजी वितरक के पास गैस की कमी की कोई सूचना नहीं है। केवल एक दिन में ही 51 लाख से अधिक घरों में एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी की गई है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सफलता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एलपीजी की ऑनलाइन बुकिंग 98 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि 92 प्रतिशत डिलीवरी ओटीपी के माध्यम से हो रही है। शर्मा के मुताबिक, कमर्शियल एलपीजी पर कुछ असर पड़ा था, लेकिन इसे भी अब लगभग 70

प्रतिशत तक बहाल कर दिया गया है। इसके साथ ही फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, फूड, पैकेजिंग और पेंट्स जैसे महत्वपूर्ण सेक्टर्स के लिए बल्क नॉन-डोमेस्टिक एलपीजी की आपूर्ति भी सामान्य कर दी गई है।

कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की सक्रियता और ऊर्जा सहयोग

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर बहुत करीब से नजर रख रहा है। इसी रणनीतिक पहल के तहत, विदेश मंत्री 11 से 12 अप्रैल 2026 तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे, जहां दोनों देशों के नेतृत्व के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने पर चर्चा होगी। इसके अलावा, पेट्रोलियम मंत्री भी 9 और 10 अप्रैल, 2026 को कतर के दौरे पर हैं और भारत खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के अन्य देशों के साथ भी लगातार संपर्क में है।

जायसवाल ने पड़ोसी देश बांग्लादेश के साथ संबंधों पर अपडेट देते हुए कहा कि हाल ही में बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने भारत का दौरा किया था और भारत अपनी रिफाइनिंग क्षमता व घरेलू जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बांग्लादेश को ऊर्जा उत्पादों की आपूर्ति जारी रखे हुए है।

समुद्री सुरक्षा और भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी

पश्चिम एशिया संकट के बीच समुद्री व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा को लेकर बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने आश्वस्त किया कि पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय ध्वज वाले जहाज या भारतीय नाविकों से जुड़ी कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई है। 5 अप्रैल, 2026 को होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने वाला भारतीय जहाज 'ग्रीन आशा' सुरक्षित रूप से जेएनपीए पहुंच गया है। इसके अलावा, डीजी शिपिंग के माध्यम से अब तक खाड़ी क्षेत्र से 1800 से अधिक भारतीय नाविकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित की गई है, जिनमें से 49 नाविक पिछले 24 घंटों के दौरान ही वापस लाए गए हैं।

फार्मा सेक्टर और दवाओं की कीमतों पर असर नहीं

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में पैदा हुई अनिश्चितता के बीच एक और बड़ी राहत की बात यह है कि देश में जीवन रक्षक दवाओं की कीमतों पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के संयुक्त सचिव सत्यप्रकाश टीएल ने स्पष्ट किया कि पश्चिम एशिया संकट के कारण दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स की बिक्री कीमतों में कोई बड़ी वृद्धि नहीं हुई है। अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता से यह साफ है कि भारत सरकार पश्चिम एशिया के ऊर्जा और भू-राजनीतिक संकट से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति पर काम कर रही है। घरेलू ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के साथ-साथ कूटनीतिक संवाद और समुद्री सुरक्षा के मोर्चे पर उठाए गए ये कदम भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक झटकों से बचाने में एक ढाल का काम कर रहे हैं।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		
सुर्य	मीन	मे
चंद्र	धनु	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय	
मीन....	04-45 बजे
मेष.....	06-21 बजे
वृष....	08-05 बजे
मिथुन..	10-06 बजे
कर्क...	12-18 बजे
सिंह---	14-30 बजे
कन्या--	16-37 बजे
तुला----	18-42 बजे
वृश्चिक..	20-52 बजे
धनु.....	23-06 बजे
मकर...	01-13 बजे
कुंभ....	03-03 बजे

श्री राष्ट्र /श्री दुमती नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 06-09
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष, सूर्यास्त. 18 -26
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष शुक्रवार 10 April 2026
तिथि - अष्टमी 23-15 तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 11-27 तक उप उत्तराषाढ़ा
योग - शिव 18-30 तक उप सिद्ध
करण - बालव 10-21 तक उप कौलव

शीतला पूजा बूढ़ा बासोडा

विशेष: मीने बुध रात्री 01-16 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-44 से 12-18 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
चंचल	06-09 - 07-38	शुभ
लाभ	07-38 - 09-11	शुभ
अमृत	09-11 - 10-44	शुभ
काल	19-44 - 12-18	अशुभ
शुभ	12-18 - 13-51	शुभ
रोग	13-51 - 15-24	अशुभ
उत्पात	15-24 - 16-57	अशुभ
चंचल	16-57 - 18-26	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	18-26 - 19-57	अशुभ
काल	19-57 - 21-24	अशुभ
लाभ	21-24 - 22-50	शुभ
उत्पात	22-50 - 00-17	अशुभ
शुभ	00-17 - 01-44	शुभ
अमृत	01-44 - 03-11	शुभ
चंचल	03-11 - 04-38	शुभ
रोग	05-38 - 06-09	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला,ली, लू , ले, लो, अ,)
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं | अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है |आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'भारत के लिए ऊर्जा और क्रिटिकल मिनरल्स में विविधता लाने में कई चुनौतियां': टाटा स्टील के सीईओ

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत अपनी अर्थव्यवस्था को भविष्य के लिए मजबूत करने के उद्देश्य से ऊर्जा के नए स्रोतों और क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। हालांकि, एक तरफ जहां यह डायवर्सिफिकेशन देश के लिए बेहद जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ इसने कुछ नई चुनौतियों को भी जन्म दिया है।

गुरुवार को ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) लीडरशिप कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने भारत के इस रणनीतिक कदम को बहुस्तरीय जोखिम करार दिया। टीवी नरेंद्रन के अनुसार भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करने का प्रयास कर रहा है, इसलिए सप्लाई चेन में पैदा होने वाले नए जोखिमों को भी समझना आवश्यक है। नरेंद्रन ने कहा कि ऊर्जा और क्रिटिकल खनिजों के स्रोतों में विविधता लाना भारत के लिए जरूरी है, लेकिन इसमें छिपी जटिलताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, यह चुनौती बिल्कुल साफ है। हम ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के स्रोतों में विविधता ला रहे हैं, जो कि हमें करना ही चाहिए; लेकिन यह डायवर्सिफिकेशन एक बहुस्तरीय जोखिम भी है। यह केवल आयात पर निर्भरता जैसी चुनौती नहीं है, बल्कि यह उन रणनीतिक फैसलों पर भी जुड़ा निर्भर करती है जो इन आयातों को सुचारू रूप से हमारे देश तक पहुंचने देती है।

वैश्विक संकट और भारत के लिए रणनीतिक अवसर

नरेंद्रन के अनुसार इस दशक की शुरुआत में कोरोना महामारी के रूप में एक बहुत बड़ा व्यवधान आया, जिसने सरकारों को तेजी से कदम उठाने पर मजबूर कर दिया और व्यवसायों व समाजों को नए तरीकों से काम करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद भी वैश्विक स्तर पर कई झटके लगे हैं। नरेंद्रन ने बताया कि टूटी हुई ग्लोबल सप्लाई चेन, रूस-यूक्रेन संघर्ष, ऊर्जा और कमोडिटी बाजार में भारी अस्थिरता, बढ़ते व्यापार अवरोध, सख्त तकनीकी नियंत्रण और हाल ही में पश्चिम एशिया संकट के कारण प्रमुख शिपिंग मार्गों में आई बाधाओं ने दुनिया के व्यापारिक समीकरण बदल दिए हैं।

एआईएमए के अध्यक्ष के रूप में अपने विचार रखते हुए नरेंद्रन ने इस बात पर जोर दिया कि इन संकटों के बीच भारत के लिए एक बड़ा अवसर छिपा है। पूरी दुनिया इस समय एक भरोसेमंद साझेदार, विविध सप्लाई चेन और स्थिर विकास वाले बाजार की तलाश में है। उन्होंने कहा, भारत के लिए अवसर न केवल अपनी जरूरतों के लिए निर्माण करने का है, बल्कि दुनिया को बेचने का भी है। असली परीक्षा यह है कि हम ऐसा करने में कितने सक्षम साबित होते हैं। जैसे-जैसे विभिन्न देश एनर्जी ट्रांजिशन और डिजिटलाइजेशन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, विश्व स्तर पर क्रिटिकल मिनरल्स की मांग में भारी उछाल आ रहा है।

ईरान में सीजफायर से गौतम अडानी की लॉटरी

एक दिन में कमा डाले 56 हजार करोड रुपए

नई दिल्ली,9 अप्रैल(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में सीजफायर से बुधवार को शेयर बाजार में भारी तेजी देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 2900 अंक से अधिक उछला। इससे निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के शेयरों में कारोबार के दौरान 13 फीसदी तक तेजी आई। इससे ग्रुप का मार्केट कैप 96,000 करोड़ रुपये बढ़ गया। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 6.06 अरब डॉलर यानी करीब 56,0000 करोड़ रुपये की तेजी आई। इसके साथ ही अडानी की नेटवर्थ 84.1 अरब डॉलर पहुंच गई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 21वें नंबर पर हैं। अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी की एक और बड़ी वजह रही। अडानी ने अमेरिका में सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के सिविल फ्रॉड मामले को खारिज करने के लिए अदालत का रुख किया है। यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने प्री-मोशन कॉन्फ्रेंस के लिए अडानी के अनुरोध को मान लिया है। एसईसी ने नवंबर 2024 में अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी पर भारत में सोलर एनर्जी से जुड़े ठेके हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने की साजिश रचने का आरोप लगाया था।

मुकेश अंबानी की नेटवर्थ

इस बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 3.3 फीसदी तेजी आई। इससे कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 3.37 अरब डॉलर की तेजी आई। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 91.9 अरब डॉलर पहुंच गई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें और एशिया में पहले नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 15.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

दुनिया के टॉप 10 रईस

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एलन मस्क 623 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। लैरी पेज ($270 अरब) दूसरे, सर्गेई ब्रिन ($251 अरब) तीसरे, जेफ बेजोस ($243 अरब) चौथे, मार्क जकरबर्ग ($217 अरब) पांचवें, लैरी एलिसन ($192 अरब)छठे, बर्नार्ड आरनॉल्ट ($165 अरब) सातवें, माइकल डेल ($157 अरब) आठवें, जेंसन हुआंग ($151 अरब) नौवें और जिम वॉल्टन ($150 अरब) दसवें नंबर पर हैं।

फटाफट तेल के टैंकर भेजो, सीजफायर का पूरा फायदा उठाने की तैयारी में भारत

नई दिल्ली,9 अप्रैल(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में सीजफायर कभी भी टूट सकता है। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इस बीच भारत ने ईरान से जल्दी-जल्दी तेल और गैस के टैंकर भेजने को कहा है। भारत दो हफ्ते के सीजफायर का पूरा फायदा उठाना चाहता है। उसकी योजना इस दौरान अपना स्टॉक फुल करने की है। शिपिंग मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने ईटी से यह बात कही। होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही बंद होने के कारण देश में तेल और गैस की सप्लाई टाइट हो गई है। भारत अपना ज्यादातर तेल और गैस पश्चिम एशिया से ही खरीदता है। जानकारों का कहना है कि होर्मुज

स्ट्रेट से तेल की सप्लाई सामान्य होने में कम से कम तीन महीने का समय लग सकता है। भारत के 16 शिप फारस की खाड़ी में अटके हुए हैं जबकि आठ एलपीजी टैंकर हाल में होर्मुज की खाड़ी से गुजरे हैं। कुल मिलाकर 800 जहाज उस इलाके में फंसे हुए हैं। यही वजह है कि इस बैकलॉग को क्लियर करने में समय लग सकता है। भारतीय रिफाइनरी कंपनियां तेजी से सप्लाई चाहती हैं लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इसमें समय लग सकता है।

फीस वसूलने का प्रस्ताव

इंडस्ट्री एक अधिकारी ने कहा कि जब तक फाइनल डील नहीं हो जाती है, ईरान होर्मुज की खाड़ी में सामान्य ट्रैफिक बहाल नहीं होने देगा। अगर कोई जहाज वहां से निकल भी जाता है तो उसे वापस भेजना आसान नहीं होगा। इसकी वजह यह है कि वहां फिर से फंसने का खतरा है। सीजफायर की शर्तों में ईरान ने होर्मुज की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों से ट्रांजिट फीस वसूलने का प्रस्ताव दिया है।

कच्चे तेल की कीमत

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमारी इस मुद्दे पर ईरान के साथ कोई चर्चा नहीं हुई है।

सीजफायर से बुधवार को कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई थी। हालांकि आज इसमें तेजी दिख रही है। पश्चिम एशिया में सीजफायर टूटने की आशंका में कच्चे तेल की कीमत में करीब 4 फीसदी तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड अभी 3.15 फीसदी तेजी के साथ 97.73 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। लेकिन स्पॉट मार्केट में रिफाइनरी कंपनियों को 130 से 140 डॉलर तक भुगतान करना पड़ा है।

मुकेश अंबानी के रिलायंस ग्रुप का स्टार्टअप बना 'हेक्टाकॉर्न' वैश्विक सूची में 7वें नंबर पर

नई दिल्ली,9 अप्रैल(एजेंसियां)। रिलायंस ग्रुप की ईशा अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी है रिलायंस रिटेल । यह कंपनी दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी स्टार्टअप कंपनियों की वैश्विक सूची में 7वें स्थान पर पहुंच गई है। इसका खुलासा स्टैनफोर्ड ग्रैजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की एक रिसर्च में हुआ है। इसका वैल्यूएशन $100 बिलियन को पार कर गया है।

टॉप 100 में भारत की 3 कंपनियां

इस रिसर्च के अनुसार, रिलायंस रिटेल $100 अरब से अधिक के वैल्यूएशन के साथ कंपनी ने वैश्विक स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यही नहीं, पहली 100 मूल्यवान स्टार्टअप कंपनियों की सूची में तीन भारतीय कंपनियां शामिल हुई हैं। इस सूची में रिलायंस रिटेल ने सबसे ऊंची रैंकिंग हासिल की है। अब यह कंपनी दुनिया की उन सात कंपनियों में शामिल हो गई है जिन्हें 'हेक्टाकॉर्न' कहा जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस सूची में भारत की जो तीन कंपनियां शामिल हैं, उनमें रिलायंस रिटेल के अलावा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 27वें स्थान पर है, जबकि टाटा ईवी मोबिलिटी 9 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 93वें स्थान पर है। वैसे स्टार्टअप्स जिनका वैल्यूएशन $100 बिलियन को पार कर जाती है उन्हें हेक्टाकॉर्न के नाम से जाना जाता है। इस सूची की शीर्ष सात कंपनियों में रिलायंस रिटेल एकमात्र ऐसी कंपनी है, जिसका संबंध रिटेल सेक्टर से है। इस कंपनी को कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, केकेआर, सिल्वरलेक, जीआईसी, टीपीजी और मुबाडाला जैसे प्रमुख वैश्विक निवेशकों से निवेश प्राप्त हुआ है। निवेशकों द्वारा लगाई गई कंपनी की कीमत को ही रैंकिंग का प्रमुख आधार माना गया है।स्टैनफर्ड ग्रैजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की वेंचर कैपिटल इनीशिएटिव की रिसर्च से तैयार इस रैंकिंग का आधार जनवरी 2026 तक के आंकड़ें हैं। इस सूची में पहले तीन स्थान पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई, एलन मस्क की स्पेसएक्स और एंथ्रोपिक शामिल हैं। इस सूची में अमेरिका 65 कंपनियों के साथ सबसे आगे है, जबकि चीन की 21 कंपनियां शामिल हैं।

अप्रैल का पहला हफ्ता बीत गया

कब बढ़ेगा केंद्र सरकार के कर्मचारियों का डीए?

नई दिल्ली,9 अप्रैल(एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए अब तक महंगाई भत्ते यानी डीए की घोषणा नहीं की है। अमूमन होली के आसपास इसकी घोषणा हो जाती है लेकिन इस बार अप्रैल का पहला हफ्ता गुजर जाने के बाद भी इस बारे में कोई हलचल नहीं दिख रही है।केंद्र सरकार साल में दो बार अपने कर्मचारियों के लिए डीए और पेंशनर के लिए महंगाई राहत की घोषणा करती है।

यह 1 जनवरी और 1 जून से लागू होता है। लेकिन जून, 2016 में सातवें पे कमीशन की सिफारिशें लागू होने के बाद डीए की घोषणा में कभी भी इतनी देरी नहीं हुई है। पिछले साल केंद्र सरकार ने जनवरी से लागू होने वाली डीए बढ़ोतरी की घोषणा 28 मार्च, 2025 को की थी और इस बारे में 2 अप्रैल को आधिकारिक आदेश जारी किया गया था। इसी तरह 2024 में डीए की बढ़ोतरी से जुड़ा सरकारी आदेश 3 अप्रैल को जारी किया गया था। कोरोना काल में सरकार ने 14 अक्तूबर 2019 से 20 जुलाई, 2021 के बीच 18 महीने का डीए 17% पर फ्रीज कर दिया था। इसका ऑर्डर 23 अप्रैल, 2020 को जारी किया गया था।सवाल उठता है कि क्या सरकार डीए में बढ़ोतरी से बच रही है या पश्चिम एशिया युद्ध से पैदा हुए वित्तीय दबाव के कारण इसमें देरी कर रही है? या फिर कोई और कारण है जिससे सरकार डीए में बढ़ोतरी की घोषणा को टाल रही है। सातवें पे कमीशन का कार्यकाल 31 दिसंबर, 2025 को खत्म हो गया है लेकिन केंद्र सरकार के कर्मचारियों को इसी कमीशन के तहत डीए हाइक मिलेगा। ऑल-इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स-इंडस्ट्रियल वर्कर्स के 12 महीने के एवरेज के हिसाब से डीए में दो फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है। इससे डीए 58 फीसदी से बढ़कर 60 फीसदी हो जाएगा। सवाल है कि क्या कर्मचारियों को डीए में बढ़ोतरी का फायदा मिलेगा?

गुटखा-तंबाकू खाने वालों शिक्षकों के लिए नए निर्देश

बच्चों को मिलेगा नाम बदलने का मौका

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। शिक्षा व्यवस्था को अनुशासन और संस्कार से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार अब दो बड़े मोर्चों पर एक साथ काम करने जा रही है। एक तरफ जहां बच्चों को 'निरर्थक' नामों से मुक्ति दिलाने की पहल की गई है, वहीं दूसरी ओर स्कूलों में नशा करने वाले शिक्षकों पर सख्ती की तैयारी शुरू हो गई है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रेसवार्ता में कहा कि विभाग ऐसे बच्चों को अपने नाम और उपनाम बदलने का अवसर देगा, जिनके नाम अर्थहीन या मजाक का कारण बनते हैं। मंत्री ने माना कि कई बार अभिभावक अनजाने में बच्चों के ऐसे नाम रख देते हैं, जो बड़े होने पर परेशानी और उपहास का कारण बनते हैं।

मंत्री ने कहा कि हम चाहते हैं कि बच्चों का नाम उनकी पहचान बने, मजाक नहीं। ऐसे बच्चों को अब सार्थक नाम चुनने का अवसर दिया जाएगा। यह पहल खास तौर पर उन विद्यार्थियों के लिए राहत लेकर आएगा, जो वर्षों से अपने नाम को लेकर असहज महसूस करते रहे हैं। इसके लिए विभाग खुद करीब दो हजार नामों की सूची तैयार करेगा, जहां प्रवेश के समय अभिभावकों को विकल्प के तौर पर दिए जाएंगे।

सरकार ने शिक्षा के माहौल को बेहतर बनाने के लिए दूसरा बड़ा कदम उठाया है। अब धूम्रपान, गुटखा, तंबाकू या शराब का सेवन करने वाले शिक्षकों की सूची तैयार की जाएगी।

मंत्री ने साफ कहा कि कुछ शिक्षक शराब पीकर स्कूल आते हैं या लगातार गुटखा-तंबाकू खाते रहते हैं। इसका सीधा असर बच्चों पर पड़ता है, जो स्वीकार्य नहीं है। सभी जिलों के अधिकारियों को ऐसे शिक्षकों की पहचान कर जल्द से जल्द रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षा अधिकारियों को यह भी दिए निर्देश

सरकारी स्कूलों में टॉप आने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा।

बच्चों के होर्डिंग भी स्कूल प्रशासन की ओर से लगाए जाएंगे, जिससे अन्य बच्चे प्रेरित हों।

स्कूलों में पूर्व छात्रों के सम्मान समारोह भी होंगे ताकि पुराने बच्चों का अपने स्तर से जुड़ाव हो।

घुमंतू जातियों के बच्चों को आवश्यक रूप से प्रवेश दिया जाएगा।

दस्तावेज की कमी के कारण बच्चों का प्रवेश नहीं रोका जाएगा।

फर्जी डिग्री पर बरसे राज्यपाल एवं कुलाधिपति

मरीजों की जान से मत खेलो

अलवर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े मत्स्य विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए विशेष रूप से हेलीकॉप्टर से आए और फिर प्रताप ऑडिटोरियम पहुंचे। समारोह में उनके साथ नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल ने मेधावी विद्यार्थियों को मेडल और उपाधियां प्रदान कीं, लेकिन उनके संबोधन ने शिक्षा माफियाओं की नींद उड़ा दी।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अपने भाषण में फर्जी डिग्री के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि फर्जी डिग्री का खेल लंबे समय से चल रहा है और अब तो अपराधी जेल भी जा रहे हैं। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि अगर कोई फर्जी डिग्री लेकर डॉक्टर बन जाए, तो उसके पास आने वाले मरीजों का क्या होगा? राज्यपाल ने कहा कि ऐसा डॉक्टर खुद के परिवार के बीमार होने पर उन्हें दूसरे डॉक्टर के पास भेजेगा क्योंकि उसे अपनी योग्यता पता है। यह समाज के साथ धोखा है।

विश्वविद्यालयों की संख्या पर सवाल: यहां कोई फेल ही नहीं होता

राजस्थान और महाराष्ट्र की तुलना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान की जनसंख्या 8 करोड़ है और यहाँ 52 विश्वविद्यालय हैं, जबकि महाराष्ट्र की 12 करोड़ की आबादी पर केवल 26 विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि यही कारण है कि बाहर के लोग यहां पढ़ने आते हैं, क्योंकि यहां कोई फेल नहीं होता, सब पास हो जाते हैं। लेकिन फर्जी डिग्री देने वाले संस्थानों को अब बंद होना पड़ेगा। बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करो, उन्हें सिर्फ अच्छी और वास्तविक शिक्षा दो।

कुलगीत याद नहीं तो काटें नंबर

राज्यपाल उस समय नाराज दिखे जब विश्वविद्यालय का कुलगीत बज रहा था। उन्होंने कहा कि मैंने देखा कि गीत बजते समय न तो किसी शिक्षक का और न ही किसी विद्यार्थी का मुँह हिल रहा था। इसका मतलब किसी को गीत याद नहीं है। उन्होंने कुलगुरु को निर्देश दिया कि कुलगीत के लिए अलग से मार्क्स रखे जाएं और जो छात्र इसे न सुना पाए, उसके नंबर काट लिए जाएं।

डिग्री और ज्ञान में अंतर: बौद्धिक क्षमता सर्वोपरि

राज्यपाल ने छात्रों को जीवन का मूल मंत्र देते हुए कहा कि शिक्षा का असली मतलब ज्ञान का विस्तार है, केवल कागज का टुकड़ा (डिग्री) हासिल करना नहीं। उन्होंने कहा कि बौद्धिक क्षमता को मापने का कोई ऐसा मीटर नहीं बना है जो दिमाग को छूते ही बता दे कि इसमें कितना ज्ञान है। बौद्धिक ज्ञान होना आवश्यक है। सिर्फ किताबें पढ़ लेना काफी नहीं है। उन्होंने शिक्षकों से भी गुजारिश की कि वे बच्चों का फाउंडेशन मजबूत करें। उन्होंने चिंता जताई कि वर्तमान में शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच की खाई बढ़ती जा रही है, जबकि बच्चों को अपने गुरुओं का अनुसरण करना चाहिए।

71 मेधावियों का हुआ सम्मान

कुलगुरु प्रो. रमन कुमार दवे के नुसार दीक्षांत समारोह में सत्र 2024-25 के 71 टॉपर स्टूडेंट्स शामिल हैं। इनमें

01 चांसलर मेडल (सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए), 37 गोल्ड मेडल, 05 सिल्वर मेडल, 28 पीएचडी उपाधियां शामिल हैं। राज्यपाल ने सभी मेधावियों को बधाई देते हुए उनसे अपेक्षा की कि वे अपने अर्जित ज्ञान को व्यवहार में उतारकर समाज के काम आएंगे।

एसआई भर्ती : जिनका चयन नहीं हुआ उनका पक्ष सुनने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई कैवियट

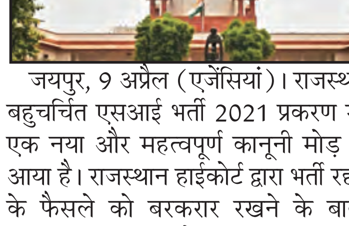

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की बहुचर्चित एसआई भर्ती 2021 प्रकरण में अब एक नया और महत्वपूर्ण कानूनी मोड़ सामने आया है। राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा भर्ती रद्द करने के फैसले को बरकरार रखने के बाद यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक पहुंच गया है। इस बीच अचयनित अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में कैवियट याचिका दायर कर आगामी कानूनी प्रक्रिया को और दिलचस्प बना दिया है।

जानकारी के अनुसार, अचयनित अभ्यर्थी कैलाशचन्द्र शर्मा और प्रमोद कुमार ने अपने अधिवक्ताओं ऋषभ संचेती और हरेंद्र नील के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में कैवियट दायर की है। इस याचिका में उन्होंने स्पष्ट रूप से आग्रह किया है कि यदि राज्य सरकार या चयनित अभ्यर्थी हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करते हैं, तो कोर्ट कोई भी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करने से पहले उनका पक्ष अवश्य सुने।

गौरतलब है कि हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने एसआई भर्ती 2021 को रद्द करने के एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखा था। इस निर्णय के बाद हजारों चयनित अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है और पूरी भर्ती प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं।

अचयनित अभ्यर्थियों के वकील हरेंद्र नील ने बताया कि कैवियट दायर करने का सीधा मतलब यह है कि अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले में बिना अचयनित पक्ष को सुने कोई भी निर्णय नहीं ले सकेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी पक्षों को न्यायालय में अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिले।

अधिवक्ता नील ने कहा कि राज्य सरकार और चयनित अभ्यर्थी जल्द ही हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों की नौकरी का सवाल है, इसलिए वे सुप्रीम कोर्ट जरूर जाएंगे। ऐसे में अचयनित अभ्यर्थियों द्वारा दायर कैवियट उनके लिए एक महत्वपूर्ण कानूनी बाधा बन सकती है, क्योंकि अब कोर्ट को पहले इस पक्ष की दलीलें सुनना अनिवार्य होगा। इस घटनाक्रम ने एसआई भर्ती विवाद को एक नई दिशा दे दी है। अब सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट की आगामी सुनवाई और फैसले पर टिकी हैं, जो हजारों युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर सकता है।

जेजेएम घोटाले में बड़ी कार्रवाई

पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल दिल्ली से गिरफ्तार

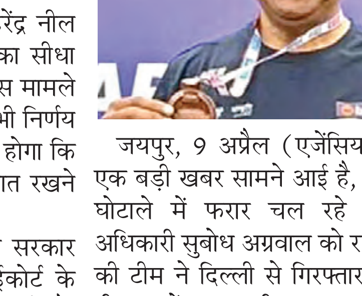

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है, जिसमें जेजेएम घोटाले में फरार चल रहे पूर्व आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल को राजस्थान एसीबी की टीम ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। टीम उन्हें जल्द ही जयपुर लेकर आएगी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोर्ट ने इस मामले में चार फरार आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इसके बाद से एसीबी टीम सुबोध अग्रवाल की तलाश में लगातार उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी।

इसी बीच एसीबी को सूचना मिली कि सुबोध अग्रवाल दिल्ली में मौजूद हैं। इनपुट के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए उन्हें वहीं से पकड़ लिया। अब उनसे जयपुर लाकर पूछताछ की जाएगी।

बुखार, दौरे और अब 556 शुगर

एक और मासूम ने तोड़ा दम, अब तक 8 बच्चों की मौत

उदयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के सलूंबर क्षेत्र में रहस्यमयी बीमारी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है. झल्लारा ब्लॉक के मांडली गांव में एक और मासूम की मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है. परिजन बच्चे को दौरे (तान) की शिकायत के बाद झल्लारा सीएचसी लेकर पहुंचे थे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया. जांच के दौरान बच्चे का शुगर लेवल 556 पाया गया, जो बेहद खतरनाक स्थिति को दर्शाता है. कुछ ही घंटों में बच्चे की मौत हो गई. चिंताजनक बात यह है कि मृतक की मां भी बुखार से पीड़ित है. उदयपुर संभाग के सलूंबर जिले में रहस्यमयी बीमारी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है. पिछले 8 दिनों में 8 मासूम बच्चों की मौत ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है. बच्चों में अचानक बिगड़ती हालत और गंभीर लक्षणों ने चिकित्सा विभाग को भी चिंता में डाल दिया है.

झल्लारा ब्लॉक के मांडली गांव से सामने आया है, जहां एक और मासूम ने इस रहस्यमयी बीमारी के चलते दम तोड़ दिया. परिजन बच्चे को "तान" (दौरे) की शिकायत होने पर झल्लारा सीएचसी लेकर पहुंचे थे. वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया. जांच के दौरान बच्चे का शुगर लेवल 556 पाया गया, जो नॉर्मल से कई गुना ज्यादा है. हालत इतनी तेजी से बिगड़ी कि कुछ ही घंटों में मासूम की मौत हो गई.

सबसे गंभीर बात यह है कि मृतक बच्चे की मां भी बुखार से पीड़ित बताई जा रही है. इससे आशंका और गहरा गई है कि यह कोई संक्रामक बीमारी हो सकती है. गांव में अन्य बच्चों और परिजनों में भी इसी तरह के लक्षण सामने आने से भय का माहौल बना हुआ है. बीमारी के कारणों का पता लगाने के लिए उदयपुर के एम.बी. हॉस्पिटल में सैंपलों की जांच की जा रही है. अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर.एल. सुमन के अनुसार बच्चों में पाए गए लक्षण जैसे- तेज बुखार, उल्टी, दस्त, दौरे पड़ना और बेहोशी, दिमागी बुखार (एन्सेफलाइटिस) की ओर इशारा करते हैं. हालांकि उन्होंने बताया कि अभी जांच जारी है और फाइनल रिपोर्ट आने के बाद ही किसी रिजल्ट पर पहुंचा जा सकेगा.

छात्र की करंट से दर्दनाक मौत

10वीं बोर्ड में किया था टॉप

पाली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पाली जिले में करंट लगने से दो हादसे हो गए। जैतारण में एक किशोर की करंट लगने से मौत हो गई। किशोर को परिजन जैतारण के राजकीय चिकित्सालय लेकर गए। जहां प्राथमिक उपचार कर उसे जोधपुर रेफर कर दिया, लेकिन बीच रास्ते में दम टूट गया। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द किया। भरत ने पिछले साल 10वीं में जिले में टॉप किया था। इस साल भी वो क्लास में फर्स्ट आया था। पिता ऑटो चालक हैं। परिवार को अपने होनहार बेटे से बड़ी उम्मीदें थी, लेकिन करंट ने उनके सपनों को तोड़ दिया।

सनसनीखेज वारदात, शारीरिक संबंध बनाने के बहाने घर बुलाया फिर तड़पा-तड़पा कर मार डाला

बाड़मेर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बालोतरा जिले के थाना गिड़ा क्षेत्र में दर्ज हत्या के एक सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि के विरुद्ध संघर्षरत किशोर को पुलिस संरक्षण में लिया गया है।

आरोपियों ने युवक को जिंदा पानी के टांके में डालकर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस अधीक्षक रमेश ने बताया कि मामले में जारी निर्देशों के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरफूलसिंह एवं पचपदरा वृताधिकारी विकास कुमार के सुपरवीजन में गिड़ा थानाधिकारी दलपतसिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई कर आरोपी अर्जुन कुमार व उसकी पत्नी शांति को गिरफ्तार किया।

9 मार्च 2026 की शाम को सूचना मिली कि गांव मलवा में एक व्यक्ति की टांके में गिरने से मृत्यु हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मृतक सुरेश पुत्र पारसराम भील निवासी मलवा चारणान के शव को टांके से बाहर निकलवाकर सीएचसी गिड़ा की मोर्चरी में रखवाया। मृतक के चाचा जालाराम पुत्र नारायणराम ने रिपोर्ट देकर हत्या की आशंका जताई, जिस पर धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान संदिग्धों से गहन पूछताछ में सामने आया कि मृतक सुरेश, शांति को बार-बार फोन कर परेशान करता था। इतना ही नहीं, वह गांव और परिजनों के सामने उसे अपनी पत्नी बताता था, जबकि शांति उसकी पत्नी नहीं थी। इस बात से शांति और उसके परिवार में गहरा आक्रोश था। कई बार समझाने के बावजूद भी मृतक नहीं माना, जिससे विवाद बढ़ता गया।

आक्रोश के चलते अर्जुन कुमार, उसकी पत्नी शांति और एक किशोर ने मिलकर हत्या की साजिश रची। योजना के तहत 08 मार्च 2026 की मध्यरात्रि में शांति ने सुरेश को शारीरिक संबंध बनाने के बहाने घर से बाहर पानी के टांके के पास बुलाया।

जहां तीनों ने मिलकर उसे पकड़कर जिंदा

बुजुर्ग का अपहरण कर बेरहमी से हत्या, तीन गिरफ्तार

कोटपूतली-बहरोड़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में अपहरण के बाद हुई हत्या की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई कार और मोटर साइकिल भी बरामद की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मामूली पैसों के विवाद ने इतना बड़ा रूप ले लिया कि आरोपियों ने एक बुजुर्ग की हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के अनुसार 28 मार्च को हुई इस घटना के बाद पुलिस ने तुरंत विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। मामला तब सामने आया, जब 29 मार्च को अमित कुमार गुर्जर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पिता रामस्वरूप गुर्जर को रात करीब साढ़े नौ बजे कुछ लोग जबरन गाड़ी में उठाकर ले गए। अगले दिन उनका शव चतुर्भुज क्षेत्र के पास सड़क किनारे एक खेत में मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। जांच के दौरान पुलिस ने एफएसएल और एमओबी टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए और संदिग्धों की तलाश शुरू की। पड़ताल में सामने आया कि मुख्य आरोपी दीपक यादव का अपने परिचित चेतराम उर्फ गोलू से पैसों को लेकर विवाद था।

अंतरराज्यीय मोबाइल चोर गैंग के दिल्ली-मुंबई से जुड़े तार

म्यूजिक कॉन्सर्ट में उड़ाए थे 50 से ज्यादा मोबाइल

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सीतापुरा जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में शनिवार रात आयोजित पंजाबी सिंगर करण औजला के कॉन्सर्ट में संगीत की धुन के बीच जेबकतरों ने जमकर हाथ साफ किए। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने उनके पास से चोरी के पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राहुल (34) मलकागंज दिल्ली का रहने वाला है, जबकि दूसरा आरोपी कृष्णा अरविन्द पेडनेकर (26) निर्मल नगर मुंबई का निवासी हैउल्लेखनीय है कि इस कॉन्सर्ट के दौरान करीब 50 से अधिक लोगों के मोबाइल फोन चोरी होने की बात सामने आई थी। भीड़ का फायदा उठाकर आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। कई युवाओं को कार्यक्रम के बीच में ही मोबाइल गायब होने का पता चला, वहीं कई लोगों को घर जाने के बाद इसका एहसास हुआ। कुछ मामलों में मोबाइल गिरने की भी सूचना है। पुलिस अब इस गैंग के अन्य सदस्यों और चोरी हुए अन्य मोबाइलों की तलाश कर रही है।

म्यूजिक कॉन्सर्ट में उड़ाए थे 25 लाख के 50 से ज्यादा मोबाइल। इसके बाद पुलिस जांच में तेजी आई और दो आरोपी पकड़े गए।

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने दिल्ली और मुंबई में चोरी के मोबाइल फोन बेचने की बात स्वीकार की है। आरोपियों के अनुसार दिल्ली और मुंबई में चोरी के महंगे मोबाइल फोन की सबसे ज्यादा डिमांड है और डिमांड के अनुसार ही भीड़भरे इलाकों में सर्वाधिक वारदातें की गई हैं।

मालूम हो बीते माह जयपुर शहर के महेश नगर इलाके में साप्ताहिक हाट बाजार में भी एक साथ दर्जनों मोबाइल फोन चोरी होने की घटना से हड़कंप मच गया था। जयपुर में बड़े आयोजन जैसे म्यूजिक कॉन्सर्ट, क्रिकेट मैच में जुटने वाली भीड़ में चोरी की वारदातें पुलिस के लिए चुनौती बन गई हैं।

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने दिल्ली और मुंबई में चोरी के मोबाइल फोन बेचने की बात स्वीकार की है। आरोपियों के अनुसार दिल्ली और मुंबई में चोरी के महंगे मोबाइल फोन की सबसे ज्यादा डिमांड है और डिमांड के अनुसार ही भीड़भरे इलाकों में सर्वाधिक वारदातें की गई हैं। मालूम हो बीते माह जयपुर शहर के महेश नगर इलाके में साप्ताहिक हाट बाजार में भी एक साथ दर्जनों मोबाइल फोन चोरी होने की घटना से हड़कंप मच गया था। जयपुर में बड़े आयोजन जैसे म्यूजिक कॉन्सर्ट, क्रिकेट मैच में जुटने वाली भीड़ में चोरी की वारदातें पुलिस के लिए चुनौती बन गई हैं।

रूपा राठौड़ का विश्व में डंका, बनीं नंबर-1 जॉकी

750 जीत और सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट के साथ रचा इतिहास

नागौर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। निकटवर्ती ग्राम कुकनवाली की प्रतिभावान बेटी रूपा राठौड़ पुत्री नरपत सिंह राठौड़ ने घुड़सवारी (जॉकी) के क्षेत्र में विश्व स्तर पर नया कीर्तिमान रचते हुए भारतदेश का नाम रोशन किया है। वे विश्व की नंबर-1 महिला जॉकी के रूप में पहचान बना चुकी हैं।

बता दें कि उनके नाम अब तक 750 जीत दर्ज हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट विश्व स्तर पर कायम है, जिसे अब तक कोई नहीं तोड़ पाया है।

पुरुष वर्चस्व वाले इस खेल में उन्होंने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से यह मुकाम हासिल कर साबित कर दिया कि प्रतिभा के सामने कोई बाधा बड़ी नहीं होती।

रूपा राठौड़ को अंतरराष्ट्रीय पहचान तब मिली, जब उन्होंने पोलैंड में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व विजेता का खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में दुनियाभर के नामी जॉकी शामिल थे।

लेकिन रूपा ने अपने बेहतरीन कौशल से सभी को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस उपलब्धि के बाद देश-विदेश में उनकी चर्चा होने लगी। रूपा राठौड़ की यह उपलब्धि देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

विश्व विजेता बनने के बाद 10 अप्रैल को राठौड़ अपने पैतृक गांव कुकनवाली पहुंचेंगी। जहां उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। सुबह करीब 9:30 बजे विजय जुलूस निकाला जाएगा, जो मुख्य मार्गों से गुजरते हुए महात्मा गांधी विद्यालय पहुंचेगा, वहां सम्मान समारोह होगा।

कार्यक्रम में सांगलिया धाम के पीठाधीश्वर ओमदास महाराज, राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, पूर्व आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेन्द्र सिंह राठौड़, राजस्थान पोलो एसोसिएशन के सचिव दिग्विजय सिंह व महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची कोटा की बॉक्सर अरुंधती चौधरी, 4-1 से हुई शानदार जीत

कोटा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा की बेटी बॉक्सर अरुंधती चौधरी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। मंगोलिया में आयोजित इस प्रतियोगिता में अरुंधती ने सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की बॉक्सर बख्येत सेईदिश को 4-1 से हराकर ये उपलब्धि हासिल की। उनकी इस जीत से कोटा ही नहीं पूरे राजस्थान के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है।

सेमीफाइनल में दिखाया दमदार खेल

70 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही अरुंधती ने सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार खेल दिखाया। शुरुआत से ही उन्होंने आक्रामक अंदाज में मुकाबला खेलते हुए कजाकिस्तान की बॉक्सर पर दबाव बनाए रखा। उनके सटीक पंच और बेहतर रणनीति के सामने प्रतिद्वंद्वी टिक नहीं पाई और अरुंधती ने 4-1 के अंतर से मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

कोच अशोक गौतम ने बताया कि फाइनल मुकाबला 11 अप्रेल को खेला जाएगा। इसमें अरुंधती का सामना उज्बेकिस्तान की बॉक्सर ओयसिया थिरोव से होगा। टीम को उम्मीद है कि अरुंधती फाइनल में भी शानदार प्रदर्शन कर देश के लिए स्वर्ण पदक जीतेंगी।

2016 से शुरू हुआ संघर्ष और सफलता का सफर

अरुंधती चौधरी की सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत और अनुशासन छिपा है। उनका बॉक्सिंग सफर वर्ष 2016 में उस समय नई दिशा में आगे बढ़ा, जब उनके पिता सुरेश चौधरी ने देशभर में घूमकर उनकी ट्रेनिंग के लिए सही कोच की तलाश की। इसके बाद अरुंधती ने कोटा में अपने कोच अशोक गौतम के मार्गदर्शन में लगातार दो साल तक कड़ी मेहनत की।

इस दौरान उन्होंने रोजाना घंटों अभ्यास कर अपनी बेसिक तकनीकों को मजबूत किया। यही मजबूत नींव आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। अरूंधती चौधरी राजस्थान की पहली महिला बॉक्सर हैं जिन्होंने यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

प्रकाशम के गांवों ने पेश की जल क्रांति की मिसाल

जल संकट से स्थिरता तक पहुंचे ग्रामीण

विजयवाड़ा , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के मुरुगुम्मी, मरेल्ला और थंगेला गांवों ने सामुदायिक प्रयासों के बल पर जल संकट को स्थायी जल सुरक्षा में बदलकर एक नई मिसाल कायम की है। यह परिवर्तन भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के "जल संचय जन भागीदारी" अभियान के तहत संभव हुआ है। कभी अनियमित वर्षा, गिरते भूजल स्तर और सूखते बोरवेल की समस्या से जूझ रहे इन गांवों ने ग्राम सभाओं, जागरूकता अभियानों और प्रायोगिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को संगठित किया। किसानों, महिलाओं और युवाओं ने मिलकर जल बजट, फसल योजना और भूजल साझा करने जैसे उपाय अपनाए। 'रिज-टू-वैली' (ऊंचाई से निचले क्षेत्र तक) दृष्टिकोण अपनाते हुए गांवों में परकुलेशन टैंक, खेत तालाब, जल संरक्षण खाइयां, छत वर्षा जल संचयन प्रणाली और पारंपरिक जल स्रोतों का निर्माण एवं पुनर्जीवन किया गया।

इन प्रयासों का व्यापक प्रभाव देखने को मिला है। लगभग 5,900 लोगों को बेहतर भूजल उपलब्धता का लाभ मिला है, जबकि सिंचाई क्षेत्र बढ़ने से सैकड़ों हेक्टेयर भूमि पर कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। जल उपलब्धता बढ़ने से डेयरी गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है और मजबूरी में पलायन की प्रवृत्ति घटी है। मुरुगुम्मी गांव में 71 संरचनाओं का निर्माण कर लगभग 8.11 लाख घन मीटर जल भंडारण क्षमता विकसित की गई, जिससे 264.5 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिली। मरेल्ला में 53 संरचनाओं के माध्यम से करीब 10.04 लाख घन मीटर जल संग्रहण क्षमता बढ़ाई गई, जिससे 220.5 हेक्टेयर क्षेत्र को लाभ हुआ। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक तालाबों के जीर्णोद्धार से लगभग 5.95 लाख घन मीटर अतिरिक्त भंडारण क्षमता विकसित हुई। थंगेला गांव में 71 जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण से लगभग 5.89 लाख घन मीटर जल भंडारण क्षमता बनी, जिससे 185.3 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सहायता मिली। पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन से लगभग 3.98 लाख घन मीटर अतिरिक्त जल संग्रहण क्षमता भी जुड़ी। इस उल्लेखनीय उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। मुरुगुम्मी को राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024 में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत का सम्मान मिला, जबकि मरेल्ला और थंगेला को भी शीर्ष श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ। यह पहल सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से दीर्घकालिक जल सुरक्षा और ग्रामीण सशक्तिकरण का एक आदर्श मॉडल बनकर उभरी है।

आरओ प्लांट विस्फोट में घायल मजदूर की मौत

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पीवीएनआर मार्ग स्थित जलविहार के पास एक आरओ जल आपूर्ति संयंत्र में हुए विस्फोट में घायल एक मजदूर की गुरुवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान लक्ष्मण के रूप में हुई है, जो हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसे सोमाजीगुडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं, इस घटना में घायल दो अन्य मजदूर अप्पुलु नायडू और अंजी गांधी अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

प्राथमिक जांच में विस्फोट का कारण आरओ यूनिट या कंप्रेसर में अत्यधिक दबाव माना जा रहा है। यह हादसा बुधवार को हुआ था।

डीजीपी ने आक्टोपस कार्यालय का किया निरीक्षण

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने गुरुवार को पेटलाबुर्जु स्थित पुलिस रवाना संगठन (पीटीओ) का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यालय में नवनिर्मित योग केंद्र का उद्घाटन किया। इसके पश्चात् उन्होंने संगठन के विभिन्न विभागों का दौरा किया और वाहन प्रबंधन तथा तकनीकी कार्यों पर अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने बुधवार को इब्राहिमपट्टनम क्षेत्र में स्थित आक्टोपस कार्यालय का भी दौरा किया। आक्टोपस के अतिरिक्त डीजी (ऑपरेशंस) डॉ. अनिल कुमार ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने आक्टोपस के नए प्रशासनिक भवन, अत्याधुनिक हथियार प्रदर्शन, शॉट-कॉम्बैट विभाग और बम निवारण केंद्र (आईडी सेंटर) का अवलोकन किया। उन्होंने राज्य की एलीट कमांडो फोर्स आक्टोपस की गतिविधियों की समीक्षा की और विभाग के विभिन्न कार्यों एवं उनकी कार्यप्रणाली पर अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। इस निरीक्षण में फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नर जी. सुधीर बाबू, महेश्वरम डीसीपी नारायण रेड्डी, आक्टोपस एसपी एम. वेंकटेश्वर, अतिरिक्त एसपी रघुनंदन राव, प्रशिक्षण विशेषज्ञ कर्नल भरत प्रसाद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में अनियमितताओं के आरोप, जांच की मांग

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना डॉक्टर्स फेडरेशन ने मेडिकल एंड हेल्थ सर्विसेज रिक्रूटमेंट बोर्ड द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर गंभीर चिंता जताई है। फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. पी.एस. विजयेंद्र ने कहा कि उम्मीदवारों की कई शिकायतों में भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और मूल्यांकन में गड़बड़ियों की बात सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंकों के आवंटन में अनियमितताएं हुई हैं और चयन प्रक्रिया में योग्यता को पूरी तरह से महत्व नहीं दिया गया।

डॉक्टर के घर चोरी का खुलासा

रिटायर्ड सैन्यकर्मी मास्टरमाइंड सहित 9 गिरफ्तार

सिद्दिपेट, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट पुलिस ने बुरुगुपल्ली इलाके में एक डॉक्टर के घर में हुई चोरी की वारदात का 72 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए नौ लोगों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि इस गिरोह का मास्टरमाइंड नरेंद्रुला श्रीकांत (41) है, जो एक सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी है और रामागुंडम स्थित आईओसी में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत था। आरोप है कि 4 अप्रैल की रात गिरोह ने घर में घुसकर चाकू की नोक पर धमकाते हुए 86 ग्राम सोना, एक लाख रुपये नकद, मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान लूट लिया। वारदात के दौरान उन्होंने घर में मौजूद लोगों को चार्जिंग केबल से बांध दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, आरोपी श्रीकांत अपने शौक और खर्चों को पूरा करने के लिए गिरोह बनाकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों से 43 ग्राम सोना, 10 मोबाइल फोन, 50,000 रुपये नकद, एक कार और एक बाइक बरामद की है। सभी आरोपियों को गुरुवार को मीडिया के सामने पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हज यात्रा के लिए 'हज सुविधा' ऐप लॉन्च

> तीर्थयात्रियों को मिलेगी डिजिटल सहायता

जेद्दा-हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी हज यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए भारत ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस वर्ष भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए 'हज सुविधा' ऐप लॉन्च किया जा रहा है, जो उनकी पूरी यात्रा को आसान और सुरक्षित बनाने में मदद करेगा। यह ऐप तीर्थयात्रियों को जरूरी जानकारी देने के साथ-साथ भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में उनकी वास्तविक समय की स्थिति को ट्रैक करने में भी सक्षम होगा। अधिकारियों के अनुसार, यह ऐप सऊदी अरब के 'नुसुक' प्लेटफॉर्म की तर्ज पर तैयार किया गया है, जो लाखों तीर्थयात्रियों के प्रबंधन में मदद करता है।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव रमन सिंह ने बताया कि यह ऐप स्मार्टवॉच के साथ काम करेगा और इसमें 1 जीबी डेटा उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें एसओएस सुविधा, रियल टाइम फ्लाइट जानकारी, पवित्र स्थलों के लिए नेविगेशन और स्वास्थ्य निगरानी जैसे फीचर्स शामिल हैं। महावाणिज्यदूत फहद खान सूरी ने कहा कि यह ऐप भारतीय तीर्थयात्रियों के अनुभव में बड़ा बदलाव लाएगा। इसे एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल किया जा सकेगा और यात्रियों को स्मार्ट घड़ियां भी उपलब्ध कराई जाएंगी। अधिकारियों के अनुसार, हज 2026 की पहली उड़ान 18 अप्रैल को मुंबई से रवाना होगी और इस वर्ष करीब 1.75 लाख तीर्थयात्री हज पर जाएंगे। इसमें लगभग 400 महिलाएं बिना महरम के यात्रा करेंगी। हज के दौरान बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 350 से अधिक चिकित्सा कर्मियों को तैनात किया जाएगा और 24 घंटे चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। भारतीय अधिकारियों का दल वर्तमान में सऊदी अरब में व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहा है, ताकि तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

निर्माण कार्यों में नियमों का सख्ती से पालन करें : आयुक्त श्रीजना

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद नगर निगम आयुक्त जी श्रीजना ने बिल्डर एसोसिएशनों से सभी निर्माण परियोजनाओं में नियमों और पर्यावरण मानकों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। गुरुवार को आयोजित बैठक में उन्होंने एनएरेडको, क्रेडाई, तेलंगाना डेवलपर्स एसोसिएशन और अन्य बिल्डरों के प्रतिनिधियों से कहा कि निर्माण स्थलों पर सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया जाए और धूल व वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही, ध्वनि प्रदूषण से जुड़े मानकों का भी पालन करने को कहा गया। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि भवन निर्माण पूरा होने के बाद ही आंशिक अधिभोग प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया जाए और सरकार के निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि निर्माण मलबे को केवल अधिकृत एजेंसियों को ही सौंपा जाए और स्वीकृत योजना के अनुसार ही बफर जोन विकसित किए जाएं।

सेरिलिंगमपल्ली आरओबी को मिली मंजूरी 304 करोड़ में होगा निर्माण

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद नगर निगम ने सेरिलिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन के पास प्रस्तावित रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) के लिए 304 करोड़ रुपये की संशोधित लागत को मंजूरी दे दी है। प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद आने वाले महीनों में इस परियोजना पर काम शुरू होने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार, यह परियोजना हैदराबाद सिटी इनोवेटिव एंड ट्रांसफॉर्मेटिव इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यक्रम के तहत प्रस्तावित है। पहले इसकी लागत 125 करोड़ रुपये आंकी गई थी, लेकिन डिजाइन में बदलाव के कारण इसे बढ़ाकर 304 करोड़ रुपये कर दिया गया।

लंबे समय से इस क्षेत्र में संकरी सुरंग और जलभराव के कारण यात्रियों और आईटी कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मानसून के दौरान अंडरपास में पानी भरना आम समस्या है, जिससे गाचीबोवली, माधापुर और वित्तीय जिले की ओर जाने वाले यातायात पर असर पड़ता है। नई योजना के तहत चार लेन का आरओबी बनाया जाएगा, जिसमें दो लेन का अप-रैंप भी शामिल होगा। इसके अलावा गाचीबोवली और बीएचईएल के बीच दो एकतरफा फ्लाईओवर भी बनाए जाएंगे। परियोजना के लिए कुल 214 आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियां प्रभावित होंगी। प्रशासनिक मंजूरी के बाद भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में सुधार होने की उम्मीद है।

चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

मंचेरियल, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मुलकल्ला गांव में 25 मार्च को हुई चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दरवाजा राजैया के घर से तीन तोला चांदी, 2,000 रुपये नकद और 20 अमेरिकी डॉलर चोरी हुए थे।

मामले में थोकाला रमेश और थौतम अशोक को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पहले अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की गई चांदी के आभूषण, नकदी और अमेरिकी डॉलर बरामद किए हैं। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने चोरी की बात स्वीकार की।

चलती ट्रेन में चेन स्नैचिंग करने वाला पूर्व सैनिक गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल ने चलती ट्रेनों में चेन छीनने की घटनाओं में शामिल एक सेवानिवृत्त सेना कर्मी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 6.75 लाख रुपये के सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान अन्नापु रेड्डी श्रीनिवास रेड्डी (51) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में घाटकेसर में एक निजी सुरक्षा फर्म में फील्ड ऑफिसर के रूप में काम कर रहा था। उसे सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 पर संदिग्ध स्थिति में घूमते हुए पकड़ा गया। जांच में सामने आया कि आरोपी ट्रेन के दरवाजों के पास खड़ी महिला यात्रियों को निशाना बनाता था। 2 अप्रैल को उसने काकतीय एक्सप्रेस में एक महिला का मंगलसूत्र छीनने की कोशिश की और ट्रेन धीमी होने पर कूदकर भाग गया। अगले दिन उसने चार्लापल्ली के पास इसी तरह की एक और वारदात को अंजाम दिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि शेयर बाजार में नुकसान और ऑनलाइन सट्टेबाजी के चलते आर्थिक तंगी ने उसे अपराध करने के लिए मजबूर किया। इस संबंध में सिकंदराबाद रेलवे पुलिस स्टेशन में दो मामले दर्ज किए गए हैं और आगे की जांच जारी है।

डिग्री कॉलेजों में फेस रिकग्निशन से होगी उपस्थिति अनिवार्य

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने आगामी शैक्षणिक वर्ष से सभी निजी डिग्री कॉलेजों में चेहरे की पहचान आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों की सटीक उपस्थिति सुनिश्चित करना और उनके शैक्षणिक हितों को मजबूत करना है। निर्देश के अनुसार, सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को अनिवार्य उपस्थिति नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। विश्वविद्यालयों को भी अपने अधीन आने वाले कॉलेजों को इस व्यवस्था को लागू करने के लिए निर्देश जारी करने को कहा गया है। यह निर्णय सचिवालय में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में लिया गया, जिसमें उच्च शिक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हुए।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीएमइ/को-आर्ड./एससी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.30-04-2026 के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. व दि. - एससी/सीएम.186.सी एण्ड डब्ल्यू. हाय प्रेशर जेट एससी दि.06-04-2026 कार्य विवरणः सिकंदराबाद कोचिंग डिपो के वाशिन्ग साइडिंग के डबल्यूएस 2 & 5 पर हाय प्रेशर जेट क्लीनींग सिस्टम की स्थापना तथा कमीशनींग कार्य। **निविदा का अनुमानित मूल्य** रु.40,02,088.00, अग्रधन रु.80,100.00 निविदा का प्रकारः खुली निविदा, कार्य पूरा करने की अवधिः छह महिने+02 वर्ष वारन्टी अवधि, बोली प्रस्तुति की अंतिम तिथिः30-04-2026 के 11.00 बजे

निविदाकारों को, केवल ई-टेन्डरींग द्वारा ही भाग लेना चाहिए तथा मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। आईआरईपीएस वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर निविदा शर्तें/अन्य कार्य विवरण, निविदा दस्तावेज, शुध्दिपत्र उपलब्ध है। यह निविदा सूचना, एसआर. डीएमइ/को-आर्ड./एससी कार्यालय पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

वरिष्ठ विभागीय यांत्रिक अभियंता/को-आर्ड./सिकंदराबाद

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/आरवायपीएस, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली-521241 द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. एम249-व्हील-06-दि.07-04-26 कार्य विवरणः 24 महिनों की अवधि हेतु वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली के परिसरों पर व्हील शाप में अन्य गतिविधियों सहित बेयरिंग की डिमाउन्टिंग, स्ट्रिप्पींग, क्लीनींग & नामित क्षेत्र में परिवहन। मात्राः निविदा दस्तावेज में विवरित नुसार, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्य रु.2,57,58,629.67 (रु. दो करोड सत्तावन लाख अठ्ठावन हजार छह सौ उन्तीस तथा सढसठ पैसे मात्र), अग्रधन रु.5,15,200.00 (रु. पांच लाख पंद्रह हजार तथा दो सौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, आफर वैधः निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकारः आईआरजीसीसी-2022 द्वारा शासित कार्य निविदा, निविदाकरण की प्रणालीः खुली निविदा-एकल पैकेट, निविदा बंद करने की तिथि व समयः 01-05-2026 के 15.00 बजे निविदा दस्तावेज व शुध्दिपत्रः वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in देखें, पत्राचार हेतु डाक का पताः चीफ वर्कशाप मैनेजर, वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली-521241, आंध्र प्रदेश

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, वैगान वर्कशाप/ गुन्टुपल्ली

निविदा सूचना सं. -01-मेका.-एलएचबी-एसी-टीपीटीवाय-26-27 दि.07-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय. सीएमइ/ सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा तत्संबंधित निविदा संख्या, अधोलिखित बंद करने की तिथि की 11.00 बजेतक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते है। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः 01- मेका-एलएचबी-एसी-टीपीटीवाय-26-27 दि.07-04-2026, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर एलएचबी कोचेस की स्ट्रिपिंग,रि-कुशनींग तथा सीट्स एवं बेर्थ्स की फिटमेन्ट । **अनुमानित मूल्य रु.1,31,03,895.00,** बोली सुरक्षा रु.2,62,100.00, कार्य पूरा करने की अवधिः कार्यारंभ की तिथि से लेकर 24 महिने, बंद करने की तिथि व समयः 28-04-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्तें/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

संख्याःजीएनटी/जीएस/डब्ल्यू.496/निविदाएं/जीएस/जीएनटी दि.31-03-2026

ई-निविदा सूचना सं.47-डीवाय.सीई/जीएस/जीएनटी

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.29-04-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा आयडी 87 सेक्शनः डीवाय.सीई/जीएस/जीएनटी कार्य विवरणः गुंटूर डिवीजनः डीवाय.सीई-जीएस-जीएनटी क्षेत्राधिकार के तहत भू-तकनीकी जांच एवं पुलों के उपर सडक (आरओबी) के निर्माण हेतु डिजाइन की तैयारी का प्रस्तावित कार्य। डीवाय.सीई-जीएस-जीएनटी क्षेत्राधिकार के तहत विस्तृत फाउण्डेशन डिजाइन, सब-स्ट्रक्चर एण्ड सुपर स्ट्रक्चर की प्रस्तुति, कास्टींग व टेस्ट पाइल्स आदि का परीक्षण। अनुमानित मूल्य रु.3,15,15,528.96 अग्रधन रु.6,30,300.00

1.ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 29-04-2026 के 15.00 तक एवम् विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर लाग आन करें। अधिक संचार/शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in से सूचित किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, गुंटूर

निविदा सं.01_2026-27_एसआर. डीईई_टीआरडी_एचवायबी, दि.07-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी द्वारा तत्संबंधित निविदा सं.01_2026-27_ एसआर.डीईई_टीआरडी_एचवायबी, दि.07-04-2026, बंद करने की तिथिः30-04-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः लालागुडा हाल्ट स्टेशन पर स्टैबलिंग लाइन्स का प्रावधान-विद्युतीय टीआरडी व्यवस्थाएं। निविदा का विज्ञापित मूल्य रु. 3,44,72,980.50 अग्रधन रु.6,89,500.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 30-04-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, हैदराबाद

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in याwww.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटःwww.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

ई-नीलामी सूचना सं. वाय/सी. ई-नीलामी/एचवायबी/2026-27 दि.07-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा मोबाइल एस्सेट्स व छिटपुट स्थैतिक सेवा, पार्किंग, पे एण्ड यूज शौचालय या टायलेट्स, आरडीएन तथा हैदराबाद डिवीजन के आउट आफ होम श्रेणी की वाणिज्यिक प्रचार संविदाओं के प्रदान हेतु आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in की ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। ई-नीलामी अनुसूची निम्न विवरित है।

क्रम सं.1, श्रेणीः पे एण्ड यूज टायलेट्स सूची सं. पीएनयु-एचवायबी-केसीजी-टीओआय-1-25-1 (पे एण्ड यूज टायलेट्स) **कार्य विवरणः** हैदराबाद डिवीजन के काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर पीएफ नं.1 पर पे एण्ड यूज टायलेट्स प्रदान करना। **नीलामी तिथिः** 15-04-26, **नीलामी शुरु समयः11.30 बजे नीलामी बंद समयः12.00 बजे**

क्रम सं.2, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-एसटीपीडी-इवीसी-117-26-1 (विविध स्थैतिक सेवाएं-ईवी चार्जिंग स्टेशन्स) सूची सं. एचवायबी-मिक्सड-एनएफआर, **कार्य विवरणः** हैदराबाद भवन पर ईवी चार्जिंग सुविधा, नीलामी तिथिः 15-04-26, **नीलामी शुरु समयः11.15 बजे नीलामी बंद समयः11.45 बजे**

क्रम सं.3, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-युआर-एसटी जन.-121-26-1 (विविध स्थैतिक सेवाएं-स्थैतिक जनरल) सूची सं. एचवायबी-मिक्सड-एनएफआर, **कार्य विवरणः** उमदानगर रेलवे स्टेशन पर फूड ट्रक का संचालन तथा रखरखाव, **नीलामी तिथिः** 15-04-26, **नीलामी शुरु समयः11.25 बजे नीलामी बंद समयः11.55 बजे**

क्रम सं.4, श्रेणीः एडीवीटी-आयएनटी-202068-2-25-1 (रेल के भीतर, फुल फेस पर एडवर्टाइजिंग या विज्ञापन व्यवस्था) सूची सं. एचवायबी-मिक्सड-एनएफआर, **कार्य विवरणः** रेल के बाहरी तरफ रेल नं.12789/12790 काचीगुडा-मुरुडेश्वर-काचीगुडा तथा 22715/22716 काचीगुडा-मदुराई-काचीगुडा एक्सप्रेस **नीलामी तिथिः** 23-04-26, **नीलामी शुरु समयः11.00 बजे नीलामी बंद समयः11.30 बजे**

क्रम सं.5, श्रेणीः एडीवीटी-एचवायबी-एसएफएक्स-ओएच -124-25-1 (आउट आफ होम पर एडवर्टाइजिंग) सूची सं. एचवायबी-मिक्सड-एनएफआर, **कार्य विवरणः** सफिलगुडा, दयानंद नगर, रामकृष्णापुरम रेलवे स्टेशनों पर आउट आफ होम श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार या एडवर्टाइजिंग राइट्स। **नीलामी तिथिः** 23-04-26, **नीलामी शुरु समयः11.10 बजे नीलामी बंद समयः11.40 बजे**

क्रम सं.6, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-केएमसी-एसटी जन.-107-25-1 (विविध स्थैतिक सेवाएं-स्थैतिक जनरल) सूची सं. एचवायबी-मिक्सड-एनएफआर, **कार्य विवरणः** कामारेड्डी रेलवे स्टेशन पर फूड ट्रक का संचालन तथा रखरखाव, **नीलामी तिथिः 23-04-26, नीलामी शुरु समयः11.20 बजे नीलामी बंद समयः11.50 बजे**

क्रम सं.7, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-एमएक्सटी-पीएस-120-26-1 (विविध स्थैतिक सेवाएं-प्रीमियन स्टोर्स) सूची सं. एचवायबी-मिक्सड-एनएफआर, **कार्य विवरणः** मलकपेट रेलवे स्टेशन पर प्रीमियम आउटलेट, **नीलामी तिथिः 23-04-26, नीलामी शुरु समयः11.30 बजे नीलामी बंद समयः12.00 बजे**

क्रम सं.8, श्रेणीः पीएमबीजेके-एचवायबी-केसीजी-पीएमबीजेके 2-24-1 (पीएमबीजेके_प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केन्द्र) सूची सं. एचवायबी-मिक्सड-एनएफआर, **कार्य विवरणः** काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर पीएमबीजेके का आवंटन, संचालन तथा रखरखाव, **नीलामी तिथिः 23-04-26, नीलामी शुरु समयः12.00 बजे नीलामी बंद समयः13.30 बजे**

क्रम सं.9, श्रेणीः पीएमबीजेके-एचवायबी-एमबीएनआर-पीएमबीजेके 3-25-1 (पीएमबीजेके_प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केन्द्र) सूची सं. एचवायबी-मिक्सड-एनएफआर, **कार्य विवरणः** महबूबनगर रेलवे स्टेशन पर पीएमबीजेके का आवंटन, संचालन तथा रखरखाव, नीलामी तिथिः 23-04-26, **नीलामी शुरु समयः12.10 बजे नीलामी बंद समयः12.40 बजे**

ए041 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद**

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'नया आधार कार्ड ...

याचिका में मांग की गई है कि आधार केंद्रों पर बड़े बोर्ड लगाए जाएं। इन पर साफ लिखा होना चाहिए कि आधार कार्ड केवल पहचान का सबूत है, यह नागरिकता, पते या जन्मतिथि का प्रमाण नहीं है। याचिकाकर्ता का कहना है कि अगर कोई वयस्क आधार बनवाना चाहता है, तो उसका वेरिफिकेशन एसडीएम या तहसीलदार जैसे बड़े अधिकारियों से होना चाहिए। याचिका के अनुसार, देश में अब तक 144 करोड़ से ज्यादा आधार कार्ड बन चुके हैं। इसलिए नए नियमों से असली नागरिकों को कोई नुकसान नहीं होगा। याचिका में यह भी कहा गया है कि फर्जी दस्तावेजों से आधार बनवाने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। घुसपैठिये आधार के जरिए राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसे अन्य दस्तावेज भी हासिल कर लेते हैं, जिसे रोकना बहुत जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट में आज कई अहम मामलों पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट आज कई जरूरी याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। इनमें जनता से जुड़े कई संवेदनशील मामले शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने वकील राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की मांग की है। यह मांग पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने के मामले में की गई है। इसके अलावा, भीमा कोरेगांव मामले में कार्यकर्ता ज्योति जगताप की अर्जी पर भी सुनवाई होगी। इसके साथ ही, तमिलनाडु और केरल के बीच मुल्लापेरियार बांध की मरम्मत के विवाद पर भी कोर्ट विचार करेगा। सड़क सुरक्षा और हाईवे से अतिक्रमण हटाने से जुड़ी याचिका पर भी सुनवाई होनी है। सुप्रीम कोर्ट इन सभी मामलों पर जल्द ही अपना फैसला सुनाएगा।

'सबका साथ, सबका ...

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सीमित हैं और जहां नौकरियां हैं, वहां भी बाहरी घुसपैठियों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार है और उन्हें टीएमसी के मंत्रियों द्वारा लूटा जा रहा है। औद्योगिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एक समय हल्दिया जैसे इलाकों में देशभर से लोग काम करने आते थे, लेकिन अब यहां के युवा रोजगार की तलाश में अंडमान, ओडिशा और अन्य राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं।

राज्य में घुसपैठियों की चल रही फैक्ट्री

प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में घुसपैठियों की फैक्ट्री चल रही है, फर्जी दस्तावेज बनाए जा रहे हैं और पशु तस्करी को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टीएमसी की राजनीति डर और भय पर आधारित है। यह चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद पीएम मोदी का राज्य का दूसरा दौरा है।

इससे पहले 5 अप्रैल को उन्होंने कूचबिहार से अपने अभियान की शुरुआत की थी, जहां उन्होंने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार को घेरा था और 'भय बनाम भरोसा' का नारा दिया था।

पीएम शब्द से हे टीएमसी को परेशानी- मोदी

पीएम ने टीएमसी सरकार पर केंद्र की योजनाओं को लेकर तीखा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टीएमसी को पीएम शब्द से इतनी नफरत है कि वह प्रधानमंत्री से जुड़ी योजनाओं का नाम बदल देती है या उन्हें लागू ही नहीं करती। पीएम मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी गरीबों के लिए बनाई गई योजनाओं का नाम बदल दिया गया, जिससे कई वास्तविक लाभार्थियों के नाम सूची से हटा दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे राज्य के गरीबों को नुकसान हुआ है। उन्होंने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का जिक्र करते हुए कहा कि सिर्फ पीएम शब्द होने के कारण इस योजना को पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होने दिया गया, जिससे गरीब और बुजुर्ग इलाज की सुविधा से वंचित रह गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी नेताओं की राजनीतिक नाराजगी उनसे हो सकती है, लेकिन इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पीएम कोई व्यक्तिगत पहचान नहीं, बल्कि संविधान और जनता द्वारा दिया गया पद है।

मोदी की रैली क्यों है अहम?

राजनीतिक दृष्टि से इन रैलियों को बेहद अहम माना जा रहा है। हल्दिया को नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी का गढ़ माना जाता है, जहां भाजपा अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखना चाहती है। वहीं, औद्योगिक क्षेत्र आसनसोल में पार्टी दोबारा अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है। बीरभूम जिले के सूरी में आयोजित रैली भी खास महत्व रखती है, क्योंकि यह इलाका टीएमसी का मजबूत गढ़ माना जाता है। यहां भाजपा संगठनात्मक नेटवर्क और सत्ता विरोधी माहौल के सहारे अपनी पकड़ बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

बाल तस्करी पर ...

सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल 2025 के अपने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि उस निर्णय में संगठित तस्करी नेटवर्क को तोड़ने के लिए कई संस्थागत सुधारों के निर्देश दिए गए थे। इनमें तस्करी के मामलों में छह महीने के भीतर दिन-प्रतिदिन सुनवाई कर ट्रायल पूरा करना, एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स (एएचटीयूएस) को मजबूत करना और जांच प्रक्रिया में सुधार करना शामिल था।

राज्यों को क्या दिए निर्देश?

इसके अलावा, कोर्ट ने राज्यों को निर्देश दिया था कि वे तस्करी के संभावित हॉटस्पॉट की पहचान और निगरानी के लिए राज्य स्तरीय समितियां बनाएं और लापता बच्चों के मामलों को तस्करी मानकर जांच शुरू करें, जब तक कि अन्यथा साबित न हो। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि कई राज्यों द्वारा दाखिल अनुपालन रिपोर्ट सिर्फ औपचारिकता हैं। बुधवार को सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि मध्य प्रदेश, गोवा, हरियाणा, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और पंजाब ने अभी तक तय प्रारूप में रिपोर्ट दाखिल नहीं की है।

लापरवाही हुई तो संबंधित राज्यों को किया जाएगा डिफॉल्टर घोषित

मध्य प्रदेश के गृह सचिव ने देरी पर माफी मांगी, जिस पर कोर्ट ने अंतिम मौका देते हुए चेतावनी दी कि आगे भी लापरवाही बरती गई तो संबंधित राज्यों को डिफॉल्टर घोषित किया जाएगा। पीठ ने यह भी बताया कि कम से कम 15 राज्यों ने अब तक तस्करी प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी के लिए आवश्यक समितियां गठित नहीं की हैं। मामले की अगली सुनवाई अब 29 अप्रैल को होगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

शुभमन गिल पर 12 लाख का जुर्माना

दिल्ली के खिलाफ स्लो ओवर रेट के कारण मिली सजा

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर आईपीएल 2026 में स्लो ओवर-रेट के कारण 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले के बाद की गई।

आईपीएल की ओर से जारी मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, गुजरात टाइटंस ने मैच के दौरान निर्धारित समय में अपने ओवर पूरे नहीं किए। यह इस सीजन में टीम की पहली गलती थी, इसलिए आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत गिल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

गुजरात ने दिल्ली को 1 रन से हराया

इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने रोमांचक जीत दर्ज करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 210 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली की टीम 209/8 रन ही बना सकी।

गुजरात का अगला मैच लखनऊ से गुजरात टाइटंस की इस सीजन में यह पहली जीत रही। अब टीम का अगला मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से लखनऊ में रविवार को होगा। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेन्नई में खेलेगी।

आईपीएल में स्लो ओवर-रेट का नियम क्या है?

आईपीएल में हर टीम को तय समय के अंदर अपने 20 ओवर पूरे करने होते हैं। अगर टीम ऐसा नहीं कर पाती, तो उसे स्लो ओवर-रेट माना जाता है और सजा दी जाती है।

कैसे तय होता है स्लो ओवर-रेट?

एक पारी को आमतौर पर करीब 90 मिनट में पूरा करना होता है। बीच में टाइम-आउट और अन्य ब्रेक को छोड़कर ओवर की गति मॉनिटर की जाती है और मैच रेफरी यह देखते हैं कि टीम निर्धारित समय से पीछे तो नहीं चल रही।

बार-बार गलती करने प र सजा बढ़ती है

अगर टीम सीजन में पहली बार स्लो ओवर-रेट की दोषी पाई जाती है, तो कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाता है।

दूसरी बार करती है, तो कप्तान पर 24 लाख रुपए जुर्माना और बाकी खिलाड़ियों पर भी मैच फीस का कुछ प्रतिशत जुर्माना लगता है। तीसरी बार करने पर कप्तान पर भारी जुर्माना और एक मैच का बैन भी लग सकता है।

मैदान पर सिर्फ 16 खिलाड़ियों को एंट्री

आईपीएल के नए नियम में बाउंड्री के बाहर मूवमेंट पर रोक

सिर्फ 5 एक्स्ट्रा प्लेयर्स ही रहेंगे

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के दौरान बीसीसीआई ने नया नियम लागू किया है। इसके मुताबिक बेंच पर बैठे खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकेंगे। टीम शीट में शामिल 16 खिलाड़ियों के अलावा किसी को मैदान में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

ड्रिंक्स, बैट या मैसेज देने के लिए सिर्फ वही खिलाड़ी मैदान में जा सकेंगे जो इन 16 में शामिल हैं। हाल ही में यह निर्देश टीम मैनेजमेंट को दिए गए हैं। वजह अभी स्पष्ट नहीं है। एक समय में सिर्फ पांच खिलाड़ी बाउंड्री लाइन के पास घूम सकते हैं।

एक टीम में करीब 25 प्लेयर्स होते हैं

आमतौर पर आईपीएल टीमों में करीब 25 खिलाड़ी होते हैं। हर मैच के लिए सिर्फ 16 खिलाड़ियों को टीम शीट में नाम दिया जाता है। नए नियम के मुताबिक बाकी खिलाड़ी डगआउट में रहेंगे। उन्हें बाउंड्री लाइन और एलईडी बोर्ड के बीच आने-जाने की अनुमति नहीं होगी।

टीम सूत्रों के मुताबिक, हमें हाल ही में निर्देश मिले हैं कि सभी सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकते। उन्हें ड्रिंक्स ले जाने की अनुमति नहीं है।

सब्स्टीट्यूट प्लेयर जर्सी पहनने वालों की संख्या 5 से ज्यादा नहीं

यह तय किया गया है कि बिब्स (सब्स्टीट्यूट प्लेयर जर्सी) पहनकर मैदान के किनारे घूमने वाले खिलाड़ियों की संख्या पांच से ज्यादा नहीं होगी। ये खिलाड़ी ड्रिंक्स ले जाने या बाउंड्री से गेंद लौटाने का काम करते हैं।

यह नया नियम मैच प्लेइंग कंडीशंस के क्लॉज 11.5.2 और 24.1.4 को सख्त करता है। क्लॉज 11.5.2 के अनुसार खिलाड़ियों को ड्रिंक्स देने की अनुमति सीमित समय और शर्तों के साथ होती है। क्लॉज 24.1.4 में कहा गया है कि जो खिलाड़ी मैच में नहीं खेल रहे हैं और सब्स्टीट्यूट फील्डर नहीं हैं, उन्हें मैदान के आसपास रहते समय टीम का ट्रेनिंग बिब पहनना जरूरी है।

13 मैच खेले जा चुके

अब तक आईपीएल 2026 के 74 में से 13 मैच खेले जा चुके हैं। 14वां मैच आज दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जा रहा है। यह जानकारी क्रिकबज की रिपोर्ट में सामने आई है।

नया नियम क्यों लाया गया

बीसीसीआई ने आधिकारिक वजह साफ नहीं की। टीम मैनेजमेंट और एक्सपर्ट्स इसे तीन कारणों से जोड़ रहे हैं-

1. मैच की स्पीड बढ़ानाः बार-बार ड्रिंक्स/मैसेज देने से खेल धीमा हो रहा था।
2. अनफेयर एडवांटेज रोकनाः बाहर बैठे खिलाड़ी लगातार कोचिंग/रणनीति पहुंचा रहे थे।
3. सिक्योरिटी और कंट्रोलः बाउंड्री लाइन के पास भीड़ कम कर बेहतर मॉनिटरिंग।

आईपीएल में पहले भी हुए ऐसे बदलाव

आईपीएल में पहले भी ऐसे बदलाव हुए हैं। छोटे नियम बदलाव बड़े असर डाल चुके हैं। इसमें 2023 में लाया गया इम्पैक्ट प्लेयर रूल, कप्तानों पर स्लो ओवर पेनल्टी, नो-बॉल और वाइड पर DRS शामिल हैं।

वैभव सूर्यवंशी को नहीं मिली भारतीय टीम (अंडर 25) में जगह, आयुष म्हात्रे भी बाहर

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे को टीम इंडिया का अगला सुपरस्टार माना जा रहा है लेकिन इन दोनों खिलाड़ियों को भारत की अंडर 25 टीमों में जगह ही नहीं मिली है. बता दें आईपीएल 2026 के बाद बीसीसीआई बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एक टूर्नामेंट आयोजित करेगी जिसका मकसद अगली पीढ़ी के टेस्ट सुपरस्टार्स की पहचान करना है. इसके साथ-साथ भारत की अंडर 19 और अंडर 25 टीमें भी श्रीलंका के रेड बॉल टूर्नामेंट में जाने वाली हैं. बीसीसीआई की अंडर 25 टीम के लिए 25 खिलाड़ियों का चयन किया गया है जिनमें वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे का नाम नहीं है.

बीसीसीआई का नया अंडर-25 टूर्नामेंट क्या है?

आईपीएल के बाद अंडर-25 टीम के लिए चार टीमों के बीच चार दिवसीय मैच होंगे . बीसीसीआई सीओई हेड इन खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक सीओई के अंदर होने वाले इस टूर्नामेंट में देश के 64 टॉप युवा क्रिकेटर हिस्सा लेंगे. 64 प्रतिभाओं में से 25 प्रतिभाएं सीके नायडू और अंडर-23 वनडे खिलाड़ियों में से होंगी. इसके अलावा चयन समिति 25 और खिलाड़ियों का चयन करेगी जो रणजी, विजय हजारे ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से होंगे.

वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे लिस्ट से क्यों बाहर?

बीसीसीआई जिन 64 खिलाड़ियों का चयन करने वाली है उसमें से 25 सीके नायडू और अंडर-23 वनडे टीम से होंगे. इसके अलावा, 25 खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी, वीएचटी और एसएमएटी टीम से होंगे. बाकी बचे हुए टॉप 14 खिलाड़ी आईपीएल से होंगे. इसलिए फैंस को चिंता करने की जरूरत नहीं है. आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी आईपीएल खेल रहे हैं, और उन्हें उन 14 सदस्यीय खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया जाना लगभग तय है. आयुष म्हात्रे चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए खेल रहे हैं और वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा हैं.

बीसीसीआई की भारत अंडर-25 टीम

आयुष दोसेजा, यश ढुल , मयंक वर्मा, आयुष पांडे, शाश्वत रावत, महेश पिठिया, राज लिंबानी, आर्या देसाई, सिद्धार्थ देसाई, आकिब खान, कार्तिक यादव, विद्याधर पाटिल, के हिमातेजा, भुवनगिरी पुन्नैया, पुखराज मान, यशवर्धन दलाल, पार्थ वत्स, ईडन एप्पल टॉम, हिमांशु सिंह, अमन मोखड़े.

बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिपः पीवी सिंधू और एचएस प्रणय की जीत, लक्ष्य और किदांबी को लगा झटका

निंगबो, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप के पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधू और एचएस प्रणय ने पहले राउंड की कड़ी चुनौती को पार कर लिया, जबकि लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत को बाहर होना पड़ा।

सिंधू ने वोंग लिंग चिंग को हराया

सिंधू को मलयेशिया की वोंग लिंग चिंग ने कड़ी टक्कर दी, जिसके बाद उन्होंने तीन गेम में मुश्किल से जीत हासिल की। पहला गेम 15-21 से हारने के बाद, भारतीय शटलर ने खुद को संभाला और दूसरे गेम पर 21-11 से कब्जा कर लिया।

निर्णायक गेम एक तनावपूर्ण मुकाबला बन गया, जिसमें बार-बार मैच का रुख बदल रहा था। जब स्कोर 19-19 पर बराबर था, तो सिंधू ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए आखिरी दो प्वाइंट जीते और एक घंटे सात मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। भारतीय स्टार अब दूसरे राउंड में चीन की वांग झी यी से भिड़ेंगी।

प्रणय ने गुयेन हाई डांग को मात दी

इस बीच, प्रणय ने गुयेन हाई डांग को सीधे गेम में 24-22, 21-12 से हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। उन्होंने पहले गेम में कई 'गेम प्वाइंट' बचाते हुए 24-22 से करीबी जीत हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में पूरी तरह दबदबा बनाया और लय बनाए रखते हुए 21-12 से गेम जीत लिया। अब दूसरे राउंड में उनका मुकाबला चीन के शटलर वेंग होंग यांग से होगा।

लक्ष्य सेन को लगा झटका

इसके विपरीत, लक्ष्य सेन को हांगकांग के ली चेउक यियू के हाथों सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ उनका सफर समाप्त हो गया। 41 मिनट तक चले इस मुकाबले में लक्ष्य को 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में, श्रीकांत को सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू के हाथों तीन गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्होंने पहले गेम में कड़े संघर्ष के बाद 21-18 से जीत हासिल की। हालांकि, लोह ने दूसरे गेम में वापसी की, रैलियों पर अपना दबदबा बनाया और 21-9 से गेम जीतकर मैच बराबर कर दिया। सिंगापुर के खिलाड़ी ने उसी लय को निर्णायक गेम में भी बनाए रखा, लगातार आक्रामक खेल और सात प्वाइंट्स की बढ़त के साथ मैच पर अपना नियंत्रण बनाए रखते हुए 21-11 से गेम अपने नाम कर लिया। भारत की तरफ से सबसे शानदार प्रदर्शन उभरते हुए सितारे आयुष शेट्टी ने किया, जिन्होंने चीन के वर्ल्ड नंबर 7 ली शी फेंग को सीधे गेमों में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए अब उनका मुकाबला ताइपे के वर्ल्ड नंबर 20 ची यू जेन से होगा। दूसरी ओर, विमेंस सिंगल्स में भारत को निराशा हाथ लगी, जहां मालविका बंसोड़ और तन्वी शर्मा अपने-अपने मैचों में सीधे गेम में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

कैमरून ग्रीन के मामले से बीसीसीआई लेगी सबक? आईपीएल में प्लेयर्स की 'बहानेबाजी' को लेकर उठी नए तरह के बैन की मांग

खेल डेस्क, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलकाता नाइटराइडर्स अभी मुश्किल में नजर आ रही है, अभी तक एक भी मैच न जीतने के बावजूद, कोई भी टीम की रणनीति, खिलाड़ियों के सिलेक्शन या नीलामी की रणनीति की आलोचना नहीं कर रहा है. कोई ये नहीं पूछ रहा कि केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने उस मैच में पहले बल्लेबाजी करने का फैसला क्यों किया, जिसमें बारिश के दखल की पूरी संभावना थी. इसके बजाय हर कोई कैमरून ग्रीन पर ही निशाना साध रहा है. इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने किसी भी फ्रेंचाइजी से यह गुजारिश नहीं की थी कि उसे करोड़ों डॉलर दिए जाएं. उसने तो बस खुद को 2 करोड़ रुपये की बेस प्राइस पर रजिस्टर किया था. यह वैसा ही था जैसा कई घरेलू और विदेशी खिलाड़ियों ने किया था. फिर भी, सबसे ज्यादा आलोचना उसी की हो रही है. उसे मिली 25.20 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत की वजह से उसे तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें से ज्यादातर आलोचना बेबुनियाद है. कोई भी देख सकता है कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में आने से पहले ग्रीन बहुत अच्छी फॉर्म में नहीं था. ऑस्ट्रेलिया की टीम में सभी फॉर्मेट में, उसकी जगह पर सवाल उठ रहे हैं. एशेज और टी20 वर्ल्ड कप में उसका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा. उसे एक ऑलराउंडर के तौर पर जाना जाता है, लेकिन न तो उसकी बल्लेबाजी और न ही उसकी गेंदबाजी वैसी है, जैसी 4-5 साल पहले होने की उम्मीद थी.

बीसीसीआई से अहम गुजारिश

बेबुनियाद आलोचना को तो फिर भी समझा जा सकता है. लेकिन भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने सुझाव दिया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड एक मिसाल कायम करे और ग्रीन तथा उनके जैसे अन्य खिलाड़ियों पर बैन लगाए, जो वो परफॉर्म नहीं कर पाते जिसके लिए उन्हें चुना गया था. पंजाब किंग्स के कूपर कोनोली और लखनऊ सुपर जायंट्स के मिशेल मार्श जैसे खिलाड़ियों को भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन की तरह ही गेंदबाजी करने की इजाजत नहीं दी है. गावस्कर इसे बेहद गलत मानते हैं.

सुनील गावस्कर ने की बैन की अपील

कुछ दिन पहले गावस्कर ने सुझाव दिया था कि जो खिलाड़ी गलत कारणों से आईपीएल से हट जाते हैं, उन पर बैन का मियाद बढ़ाई जानी चाहिए; इसके लिए उन्होंने बेन डकेट की मिसाल दी थी. अब गावस्कर चाहते हैं कि बीसीसीआई ग्रीन जैसे खिलाड़ियों पर बैन लगाने पर विचार करे, जो आईपीएल में बिना पूरी तैयारी के ही आ जाते हैं. उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने फ्रेंचाइजियों को ग्रीन, कोनोली या मार्श के बारे में पहले ही इंफॉर्म कर दिया था. आईपीएल, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की नीलामी से होने वाली कमाई का 10% हिस्सा उनके बोर्ड को देता है, और गावस्कर का मानना है कि ये रकम इतनी काफी है कि वो पीछे हटें और फ्रेंचाइजियों को अपने हिसाब से फैसले लेने दें.

सुनील गावस्कर ने कहा एक गेंदबाज एक मैच में सिर्फ 4 ओवर ही फेंक सकता है... तो फिर उन्हें मैच में ऐसा करने से कौन रोक रहा है? ये बिल्कुल सही है कि जो खिलाड़ी पहले दिन से ही पूरी तरह फिट न हो, उसे खुद ही हट जाना चाहिए और फ्रेंचाइजी को किसी और खिलाड़ी को चुनने का मौका देना चाहिए. ये कहना कि फ्रेंचाइजी को 'पहले ही सूचित कर दिया गया था', कोई बहुत अच्छा बहाना नहीं है. शायद बीसीसीआई को अब इस मामले में दखल देना चाहिए और उन खिलाड़ियों के लिए भी कुछ इसी तरह के नियम बनाने चाहिए जो पहले मैच से ही अवेलेबल नहीं होते. क्या फ्रेंचाइजियां खिलाड़ियों से पूरी तरह से कमिटेड होने की उम्मीद नहीं कर सकतीं?'

बांग्लादेशी क्रिकेटरों पर बरसा पैसा

तमीम इकबाल को सैलरी की दोगुने से भी ज्यादा लाभ

ढाका, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में सत्ता परिवर्तन होते ही वहां के खिलाड़ियों की तकदीर ने भी करवट लेनी शुरू कर दी है. तमी इकबाल के कमान संभालते ही वहां के घरेलू क्रिकेटरों पर पैसों की बारिश होती दिखी है. बीसीबी के नए अध्यक्ष बने तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की महिला और पुरुष दोनों ही क्रिकेटरों की सैलरी में इजाफा करने का फैसला किया है. खिलाड़ियों की सैलरी तो दोगुने से ज्यादा बढ़ी ही है. उसके अलावा टी20 और वनडे के लिए उन्हें मिलने वाले मैच फीस में भी बढ़ोत्तरी की गई है. बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर रहे तमीम इकबाल ने फिलहाल 3 महीने के लिए ही बीसीबी की कमान संभाली है. लेकिन, उसकी परवाह ना करते हुए उन्होंने कार्यकाल संभालने के बाद अपनी दूसरी मीटिंग में ही घरेलू खिलाड़ियों के सैलरी स्ट्रक्चर में बदलाव कर उसे बढ़ाने का बड़ा फैसला किया. साल 2023 के बाद ये पहली बार है, जब बांग्लादेश के घरेलू क्रिकेटरों की सैलरी बढ़ाई गई है. तमीम इकबाल के फैसले के बाद सैलरी का जो नया स्ट्रक्चर होगा, उसके मुताबिक बांग्लादेश की महिला क्रिकेटरों की मैच फीस बढ़ाकर लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में सीधे डबल कर दी गई है.

भुवनेश्वर कुमार बनाम जसप्रीत बुमराह

आईपीएल रिकॉर्ड से एक्शन तक, दोनों दिग्गजों में कौन ज्यादा खतरनाक

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल के इतिहास में जब भी सबसे प्रभावशाली भारतीय तेज गेंदबाजों की बात होगी तो भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह के नाम सबसे ऊपर आएंगे। ये दोनों दिग्गज अपनी धारदार गेंदबाजी से बल्लेबाजों के लिए पहेली बने हुए हैं। जहां एक तरफ बुमराह मौजूदा दौर के सबसे घातक गेंदबाज माने जाते हैं वहीं भुवनेश्वर कुमार आईपीएल इतिहास के सबसे सफल तेज गेंदबाज के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं।

भॉहाल ही में भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में इतिहास रचते हुए एक बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया है। वह युजवेंद्र चहल के बाद इस लीग में 200 विकेट का आंकड़ा छूने वाले दूसरे गेंदबाज और पहले भारतीय पेसर बन गए हैं। साल 2011 में पुणे वॉरियर्स के साथ अपने सफर की शुरुआत करने वाले भुवी ने सनराइजर्स हैदराबाद के साथ अपने करियर का लंबा समय बिताया। उन्होंने 2016 में हैदराबाद को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई और लगातार दो साल (2016 और 2017) पर्पल कैप जीतकर अपनी बादशाहत साबित की। दिलचस्प बात यह है कि आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भुवनेश्वर को अपनी टीम में शामिल किया और इसी साल बेंगलुरु का सालों पुराना खिताबी सूखा भी खत्म हुआ। आरसीबी की पहली खिताबी जीत में भुवी के अनुभव का बड़ा हाथ रहा और वह आईपीएल 2026 में भी इसी टीम के लिए अपना जलवा बिखेर रहे हैं।

दूसरी ओर, जसप्रीत बुमराह 2013 से लगातार मुंबई इंडियंस के साथ बने हुए हैं। मुंबई के पांचों खिताबों में बुमराह की गेंदबाजी मुख्य आधार रही है। जसप्रीत बुमराह भले ही अब तक अपने करियर में पर्पल कैप न जीत पाए हों लेकिन उनकी शानदार इकोनॉमी और विकेट लेने की क्षमता उन्हें दुनिया का नंबर-1 गेंदबाज बनाती है। मुंबई इंडियंस ने उन्हें एक रत्न की तरह संभाल कर रखा है और वह आज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी भारत के सबसे बड़े हथियार हैं। आईपीएल 2026 में भी वह मुंबई के पेस अटैक की कमान संभाल रहे हैं और भुवनेश्वर के 200 विकेटों के रिकॉर्ड की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं।

आंकड़ों का विश्लेषण करें तो साफ है कि भुवनेश्वर ने अधिक मैच खेले हैं लेकिन बुमराह कम मैचों में ही उनके काफी करीब पहुंच चुके हैं। बुमराह का औसत और इकोनॉमी रेट भुवी से बेहतर है, जो उन्हें टी20 फॉर्मेट में थोड़ा ज्यादा प्रभावी बनाता है। हालांकि, भुवनेश्वर की स्विंग कराने की क्षमता उन्हें एक अलग ही लीग में खड़ा करती है। वहीं बुमराह की यॉर्कर और तेजी से अंदर आने वाली गेंद दुनियाभर के बल्लेबाजों के लिए टेंशन बनी रहती हैं।

'हम तो मजदूर हैं बस', टीम इंडिया से बाहर रहने पर फूटा मोहम्मद शमी का गुस्सा

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी बीते काफी समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उनकी फिटनेस पर लगातार सवाल खड़े होते रहे लेकिन वो खुद को साबित भी करते आ रहे हैं. उन्होंने आईपीएल 2026 में लखनऊ की तरफ से खेलते हुए कमाल की गेंदबाजी की है. इसी बीच एक कार्यक्रम के दौरान उनसे टीम इंडिया में सिलेक्शन को लेकर सवाल किया गया तो उनके अंदर का दर्द बाहर निकल आया. इस सवाल के जवाब में उन्होंने ऐसे जवाब दिया कि हर कोई देखता ही रह गया. आइए आपको भी बताते हैं कि उन्होंने क्या कहा.

सिलेक्शन पर शमी ने जाहिर की नाराजगी

मोहम्मद शमी आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में आखिरी बार टीम इंडिया के लिए खेलते हुए नजर आए थे. इसके बाद से वो लगातार टीम से बाहर चल रहे हैं. बंगाल प्रो टी20 लीग के एक कार्यक्रम के दौरान शमी ने इस सवाल को लेकर कहा, 'हम मजदूर लोग हैं और हमारा काम सिर्फ गेंदबाजी करना है. जीवन में कई तरह के उतार चढ़ाव आएंगे लेकिन हमें मेहनत करते रहना होगा. अगर आप चीजों के पीछे भागने लगते हैं तो वो आपकी कमजोरी बन जाती हैं. अगर आपको बड़ा खिलाड़ी बनना है तो आपको अंदर जुनून होना चाहिए.'

शानदार फॉर्म में हैं शमी

मोहम्मद शमी को भले ही टीम इंडिया में खेलने का मौका नहीं मिल पा रहा है लेकिन वो घरेलू क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ रहे हैं. उन्होंने हर फॉर्मेट में कमाल का प्रदर्शन किया है और विकेट चटकाए हैं. इसी के चलते इस सीजन आईपीएल ऑक्शन में लखनऊ की टीम ने उनके ऊपर 10 करोड़ खर्च किए. टीम इंडिया के लिए अब तक खेले 108 मैचों में 206 विकेट अपने नाम किए हैं. इसी साथ उन्होंने खेले 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट चटकाए हैं. आईपीएल में अब तक वो 6 टीमों के लिए खेल चुके हैं. इसी के साथ उन्होंने 136 विकेट अपने नाम किए हैं.

विराट कोहली से तुलना करने से बाबर आजम परेशान

इस्लामाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान... बाबर आजम का मुल्क. लेकिन, अपने ही देश में बाबर आजम को चैन नहीं हैं. वो परेशान हैं. बड़ी बात ये है कि उनकी परेशानी की वजह विराट कोहली हैं. आप कहेंगे भला ये कैसे? बाबर आजम को अपने ही देश में विराट कोहली से क्या प्रॉब्लम? तो प्रॉब्लम है. और, वो दोनों के बीच होने वाली बार-बार की तुलना से जुड़ा है. 8 अप्रैल को पीएसएल 2026 में पेशावर जाल्मी और हैदराबाद किंग्समेन के बीच खेले मुकाबले के बाद जब बाबर आजम प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए तो एक बार फिर से विराट कोहली से तुलना वाला सवाल उनके सामने आ खड़ा हुआ. बस फिर क्या था- पीएसएल में पेशावर जाल्मी के कप्तान बाबर आजम झल्ला उठे. कराची में हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में बाबर आजम से पत्रकार ने सवाल किया कि विराट कोहली जब आते हैं तो मैच खत्म करके जाते हैं. लेकिन आपने ऐसा नहीं किया. लोग विराट की तुलना आपसे करते हैं. इस पर आपका क्या कहना है?

विराट कोहली से तुलना वाला सवाल सुनते ही बाबर आजम तो जैसे तिलमिला से गए. उन्होंने पत्रकार को जवाब देने के बजाए कहा कि खत्म कर दें आप. आप जिस वजह से सवाल कर रहे हैं आप छोड़ दें. उन्होंने पत्रकार को ये भी कहा कि फिनिश काफी मैच किए हैं मैंने . आपको लगता है ऐसा नहीं है तो आप देख लें. अब सवाल है कि बाबर आजम के सामने विराट कोहली से तुलना वाला सवाल उठा क्यों? पीएसएल 2026 में बाबर आजम की टीम पेशावर जाल्मी ने 8 अप्रैल को खेला मुकाबला जीत लिया. उस मुकाबले में हैदराबाद किंग्समेन से मिले 146 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बाबर आजम ने 37 गेंदों पर 43 रन बनाए. लेकिन, वो मैच खत्म नहीं कर सके.

राजमार्गों पर 109 ट्रॉमा केंद्र स्थापित करेगा तेलंगाना : राजनरसिम्हा

कोंडापुर में क्रिटिकल केयर ब्लॉक की आधारशिला

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि राज्य सरकार राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के किनारे 109 अत्याधुनिक ट्रॉमा देखभाल केंद्र स्थापित कर रही है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को समय पर उपचार मिल सके। गुरुवार को मंत्री ने विधायक आरिकापुड़ी गांधी के साथ कोंडापुर में 100 शैय्याओं वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस परियोजना पर लगभग 41 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि सरकार ने व्यापक ट्रॉमा देखभाल नीति लागू की है, जिसका उद्देश्य दुर्घटना या आपात स्थिति में घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत किया जा रहा है, ताकि 10 मिनट के भीतर सहायता उपलब्ध हो सके।

इसके तहत 108 एंबुलेंस की संख्या बढ़ाई जा रही है तथा राज्यभर में 31 क्रिटिकल केयर ब्लॉक स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि निजामाबाद, नलगोंडा, करीमनगर, महबूबाबाद, जगत्याल, संगारेड्डी, नारायणपेट और आदिलाबाद में क्रिटिकल केयर ब्लॉक पहले ही शुरू किए जा चुके हैं, जबकि 21 अन्य निर्माणाधीन हैं और उन्हें वर्ष के अंत तक चालू करने का लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि आईटी कॉरिडोर क्षेत्र में निष्क्रिय जीवनशैली के कारण स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। कोंडापुर क्षेत्रीय अस्पताल में वर्तमान में बेहतर चिकित्सा सेवाएं दी जा रही हैं और भविष्य में अत्याधुनिक सुविधाएं जोड़ी जाएंगी, जिससे स्थानीय निवासियों को बड़ा लाभ मिलेगा।

जागरूकता की कमी के कारण समाज में भय, भ्रांतियां : स्वास्थ्य मंत्री

एचआईवी जागरूकता के लिए मानव शृंखला में शामिल हुए मंत्री

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने हैदराबाद के केबल ब्रिज पर आयोजित मानव शृंखला कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम तेलंगाना एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

मंत्री ने कहा कि राज्यभर में रैलियों, मानव शृंखलाओं और चिकित्सा शिविरों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एचआईवी एक वायरस है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता है और समय पर उपचार न मिलने पर एड्स का रूप ले सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह संक्रमण असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त चढ़ाने या सुइयों के उपयोग से फैलता है, जबकि सामान्य संपर्क जैसे हाथ मिलाना, गले लगना या साथ भोजन करना से नहीं फैलता। मंत्री ने कहा कि जागरूकता की कमी के कारण समाज में भय, भ्रांतियां और भेदभाव उत्पन्न होते हैं। उन्होंने एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने और उन्हें समान अधिकार देने की अपील की। उन्होंने बताया कि एचआईवी एवं एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के तहत संक्रमित व्यक्तियों के साथ भेदभाव दंडनीय अपराध है। आधुनिक चिकित्सा के कारण अब एचआईवी से पीड़ित व्यक्ति लंबे समय तक सामान्य जीवन जी सकते हैं। राज्य सरकार द्वारा नि:शुल्क जांच, उपचार और दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य में 127 जांच केंद्रों और 33 एआरटी केंद्रों के माध्यम से लगभग 1.14 लाख मरीजों को सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। मंत्री ने युवाओं से नशीले पदार्थों, विशेषकर इंजेक्शन के माध्यम से लिए जाने वाले मादक द्रव्यों से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की।

मॉडल कॉरिडोर विकास का निरीक्षण

> यातायात सुधार के दिए निर्देश

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार और जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने गुरुवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शैकपेट फ्लाईओवर से मसाब टैंक तक प्रस्तावित मॉडल कॉरिडोर का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने पूरे मार्ग का जायजा लिया और मुख्य सड़क पर बाधाओं को हटाकर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान टोलीचौकी और अन्य स्थानों पर जलभराव की समस्या की पहचान की गई। पैदल यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वृंदावन कॉलोनी रोड नंबर 1 पर फुट ओवर ब्रिज बनाने, पेलिकन सिग्नल लगाने और शैकपेट नाले पर जेब्रा क्रॉसिंग चिन्हित करने का निर्णय लिया गया।

अधिकारियों ने एनएमडीसी क्षेत्र का भी दौरा किया, जहां एसडी नेत्र अस्पताल के पास एक नया फुट ओवर ब्रिज बनाने की योजना है। साथ ही पोचम्मा बस्ती को बंजारा हिल्स रोड नंबर 12 से जोड़ने के लिए स्लिप रोड बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसके अलावा, टोलीचौकी 'यू' टर्न और अल-हसनाथ कॉलोनी में जल निकासी की समस्या को ठीक करने, आइस मैजिक पार्लर से वृंदावन कॉलोनी तक सीसी रोड बनाने, मैजेस्टिक फंक्शन हॉल के पास बस शेल्टर स्थापित करने और शाह घौस होटल के पास पेड़ों को स्थानांतरित करने की योजना बनाई गई है। अधिकारियों का मानना है कि नानलनगर जंक्शन पर गोलचक्कर की चौड़ाई कम करने से यातायात का प्रवाह बेहतर होगा।

रेत ट्रक मालिकों का विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सैंड लॉरी ओनर्स एसोसिएशन ने गुरुवार को रेडियम स्टिकर के शुल्क में संशोधन से जुड़े सरकारी आदेशों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। ऑटोनगर में रेत ट्रक मालिकों ने एकत्र होकर सरकार के आदेश की प्रतियां जलाकर अपना विरोध जताया और इसे वापस लेने की मांग की। एसोसिएशन की अध्यक्ष सुरवी यदैया ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जारी किए गए ये आदेश ट्रक मालिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए रेडियम स्टिकर लगाना अनिवार्य किया है, जिससे वाहन मालिकों की लागत बढ़ रही है।

तेलंगाना आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे आले नरेंद्र : राव

आले नरेंद्र की 12वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने गुरुवार को वरिष्ठ नेता आले नरेंद्र की 12वीं पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने आले नरेंद्र को तेलंगाना आंदोलन का प्रमुख चेहरा और समर्पित जनसेवक बताते हुए उनके योगदान को याद किया।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र ने एक सांसद और केंद्रीय मंत्री के रूप में जनता की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रामचंद्र राव ने विशेष रूप से कागजनगर और सिरपुर मिल्स में श्रमिकों के अधिकारों के लिए आले नरेंद्र के संघर्ष को स्मरण करते हुए कहा कि वे एक मजबूत ट्रेड यूनियन नेता के रूप में हमेशा श्रमिकों की आवाज बने रहे। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में कठिन परिस्थितियों और साम्प्रदायिक तनाव के समय भी अले नरेंद्र ने दृढ़ता के साथ काम किया और अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। उन्हें राष्ट्र, संस्कृति और समाज के प्रति समर्पित नेता बताते हुए रामचंद्र राव ने कहा कि उनके आदर्श आज भी भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आले नरेंद्र के साहस, अनुशासन और समर्पण को अपनाने का आह्वान किया।

केटी रामाराव का जोरदार स्वागत, नेताओं से की मुलाकात

करीमनगर, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव का गुरुवार को करीमनगर में जोरदार स्वागत किया गया। जगतियाल जाते समय वे कुछ देर के लिए करीमनगर में रुके, जहां विधायक शिविर कार्यालय पहुंचने पर विधायक गंगुला कमलाकर, पाडी कौशिक सहित पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान करीमनगर और निजामाबाद जिलों के कई विधायकों, पूर्व विधायकों और बीआरएस नेताओं ने उनसे मुलाकात की। मुलाकात करने वालों में विधायक प्रशांत रेड्डी, डॉ. के संजय कुमार, एमएलसी एल रमना, राज्यसभा सदस्य दिवाकोंडा दामोदर राव सहित अन्य नेता शामिल रहे।

धान खरीद को लेकर केंद्र से उत्तम कुमार रेड्डी की तीन प्रमुख मांगें

> केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को लिखा पत्र

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने राज्य में धान उत्पादन में तेजी और केंद्र की घटती खरीद के बीच असंतुलन को दूर करने के लिए केंद्र सरकार के सामने तीन अहम मांगें रखी हैं। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि राज्य में अतिरिक्त धान भंडारण की समस्या बढ़ रही है, जिससे किसानों को नुकसान का खतरा है।

मंत्री ने रबी 2024-25 के लिए 5 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) उबले चावल (बॉयल्ड राइस) का लक्ष्य पुनः निर्धारित करने की मांग की है। इसके लिए एफसीआई के कच्चे चावल के लक्ष्य में कटौती करने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभी भी 8.45 एलएमटी चावल की आपूर्ति लंबित है और 28 फरवरी 2026 की तय समयसीमा गुजर चुकी है, इसलिए 60 दिनों का अतिरिक्त समय भी मांगा गया है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि तेलंगाना का धान बेहतर गुणवत्ता और कम नमी वाला है, जो उबले चावल के उत्पादन के लिए उपयुक्त है।

राइस मिलर्स ने 5 प्रतिशत ब्रोकन के साथ आपूर्ति करने पर सहमति जताई है। इसके अलावा, मंत्री ने 2025-26 के खरीफ और रबी सीजन के लिए उबले चावल का लक्ष्य 20 एलएमटी तक बढ़ाने की मांग की है, ताकि राज्य के बढ़ते उत्पादन के अनुरूप व्यवस्था की जा सके। उन्होंने रबी 2024-25 की आपूर्ति के लिए दो महीने का अतिरिक्त समय देने की जरूरत पर भी जोर दिया। इसका कारण खरीफ धान के स्टॉक का भौतिक सत्यापन और अतिरिक्त प्रोसेसिंग समय बताया गया है। मंत्री ने कहा कि दिसंबर 2023 में सत्ता में आई कांग्रेस सरकार के बाद राज्य में धान उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। राज्य, केंद्र की ओर से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने के लिए विकेंद्रीकृत खरीद योजना के तहत धान खरीद करता है। हालांकि, केंद्र द्वारा कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) और उबले चावल के लक्ष्यों में कमी के कारण राज्य को अतिरिक्त स्टॉक, भंडारण लागत, मिलिंग खर्च और ब्याज भार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मंत्री ने पत्र में बताया कि 2024-25 में एफसीआई को दिए गए उबले चावल का प्रतिशत घटकर 66.78% रह गया है, जबकि उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि लाखों किसानों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर खरीद जरूरी है, लेकिन पर्याप्त केंद्रीय सहयोग के बिना राज्य पर वित्तीय बोझ बढ़ता जा रहा है। अंत में उन्होंने केंद्र से इन मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की अपील की।

तीर्थयात्रियों के लिए गर्मियों में विशेष पर्यटन ट्रेनों की घोषणा

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु राज्यों के तीर्थयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने 14 अप्रैल से 12 जून के बीच विभिन्न ग्रीष्मकालीन भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इन ट्रेनों के माध्यम से देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा कराई जाएगी। पहली यात्रा अयोध्या-काशी-बैद्यनाथ धाम दर्शन के लिए 28 अप्रैल से 7 मई के बीच आयोजित की जाएगी, जिसमें पुरी, कोणार्क, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज जैसे प्रमुख तीर्थस्थल शामिल हैं। वहीं 12 से 21 मई के बीच हरिद्वार-माता वैष्णो देवी-ऋषिकेश यात्रा कराई जाएगी, जिसमें मथुरा-वृंदावन भी शामिल रहेगा।

इसके अलावा 24 से 31 मई के बीच अरुणाचलम-चिदंबरम दिव्य दक्षिणा यात्रा का आयोजन होगा, जिसमें रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, त्रिची और तंजावुर जैसे धार्मिक स्थल शामिल हैं। वहीं 3 से 12 जून के बीच अयोध्या-काशी यात्रा का एक और विशेष पैकेज भी उपलब्ध कराया जाएगा। इन सभी ट्रेनों का संचालन सिकंदराबाद से किया जाएगा और ये विभिन्न प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी। यात्रियों के लिए स्लीपर, 3एसी और 2एसी श्रेणियों में अलग-अलग किराया निर्धारित किया गया है। रेलवे ने बताया कि इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट या दिए गए संपर्क नंबरों के माध्यम से बुकिंग कर सकते हैं। यह पहल श्रद्धालुओं को सुलभ और सुविधाजनक धार्मिक यात्रा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

बिजली कर्मियों की हड़ताल जारी

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विद्युत कारीगर कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति की हड़ताल गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रही, जिसके चलते कई जिलों में बिजली आपूर्ति बाधित होने की खबरें सामने आई हैं। कारीगरों ने अपनी सेवाओं के नियमितीकरण, वेतन वृद्धि और अन्य लंबित मांगों को लेकर हड़ताल शुरू की है। कारीगर टीजीजीईएनसीओ कार्यालय के पास जीटीएस कॉलोनी में धरना दे रहे हैं। भीषण गर्मी के बावजूद महिला कर्मियों सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और नारेबाजी कर रहे हैं।

हरीश राव का हमला, राजस्व मंत्री से माफी मांगने की मांग

वनपर्थी, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के उपनेता टी हरीश राव ने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनसे कथित अनियमितताओं को स्वीकार कर राज्य की जनता से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राघवा कंस्ट्रक्शंस से जुड़ी अनियमितताओं को मुख्यमंत्री और खान मंत्री पहले ही स्वीकार कर चुके हैं। हरीश राव ने कहा कि यदि मंत्री अनियमितताओं से इनकार करते हैं तो उन्हें अपने कैबिनेट सहयोगियों से सदन को गुमराह करने के लिए माफी मंगवानी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि संबंधित विभागों द्वारा जारी नोटिसों की सच्चाई को रिकॉर्ड पर लाया जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीधे जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत हमलों और ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे अनियमितताओं की बात और मजबूत होती है। हरीश राव ने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा जारी नोटिसों में अवैध गतिविधियों का उल्लेख किया गया है, ऐसे में मंत्री इन आरोपों से कैसे इनकार कर सकते हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि विधानसभा में इस मुद्दे पर मंत्री ने स्पष्ट जवाब क्यों नहीं दिया। नादरगुल भूमि विवाद को लेकर उन्होंने दावा किया कि पिछली बीआरएस सरकार ने भूमि की सुरक्षा के लिए कदम उठाए थे, जबकि वर्तमान सरकार उस पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है।

उन्होंने अतिक्रमण हटाने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

चौराहों पर पशु मूर्तियों से बढ़ी शहर की रौनक

> रखरखाव की कमी भी आई सामने

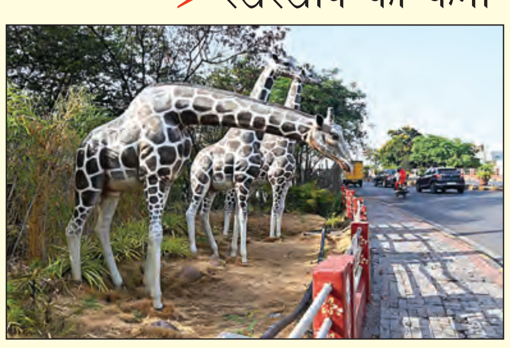

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के सौंदर्यीकरण के तहत विभिन्न चौराहों पर लगाई गई पशु मूर्तियां इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। कहीं हाथी सूंड उठाकर स्वागत करता नजर आता है तो कहीं जिराफ और भालू की आकृतियां चौराहों को अलग ही रूप दे रही हैं। नानल नगर सर्कल पर स्थापित हाथी की मूर्ति खास आकर्षण बनी हुई है, जो गुजरने वालों का ध्यान खींचती है। वहीं शेखपेट फ्लाईओवर पर घोड़ों की मूर्तियां और माधापुर के माइंडस्पेस जंक्शन पर भालू का परिवार कलात्मकता का नया उदाहरण पेश कर रहा है। इसके अलावा खैरताबाद में ऊंट और लकड़ीकापुल मेट्रो स्टेशन के पास राजहंस की मूर्तियां भी लोगों को आकर्षित कर रही हैं।

इन मूर्तियों के कारण व्यस्त चौराहों की छवि में सकारात्मक बदलाव आया है और यह स्थान फोटो खिंचवाने के लिए भी लोकप्रिय बनते जा रहे हैं। हालांकि, कई स्थानों पर इन संरचनाओं के रखरखाव की कमी भी देखने को मिल रही है। कुछ मूर्तियों के आसपास उचित सफाई और भूदृश्य व्यवस्था नहीं है, जबकि कई जगह रंग फीका पड़ गया है और धूल जमा हो गई है। ऐसे में लोगों का मानना है कि इन आकर्षक संरचनाओं की नियमित देखभाल जरूरी है, ताकि शहर की सुंदरता बरकरार रह सके।

आरटीसी बस की टक्कर से सफाईकर्मी की मौत

कर्मचारियों ने किया सड़क जाम

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट में गुरुवार सुबह तेज रफ्तार आरटीसी बस की टक्कर से जीएचएमसी की एक सफाईकर्मी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दी और बस चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मृतका की पहचान एम पुष्पा के रूप में हुई है, जो सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान गोल चक्कर पार करते हुए तेज रफ्तार बस ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही अंबरपेट पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल बुलाया गया।

पुलिस के अनुसार, बस चालक की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ है और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना से गुस्साए जीएचएमसी कर्मचारी सड़क पर बैठ गए और करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रखा। उन्होंने मृतक के परिवार को मुआवजा और आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बाद में अधिकारियों के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

यात्रियों की सुविधा के लिए चेर्लापल्ली-रक्सौल के बीच विशेष ट्रेनों का विस्तार

हैदराबाद , 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने गर्मी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए चेर्लापल्ली-और रक्सौल के बीच चल रही विशेष ट्रेनों के संचालन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार इन ट्रेनों के विस्तार से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। जारी सूचना के मुताबिक, ट्रेन संख्या 07005 चेर्लापल्ली-रक्सौल स्पेशल प्रत्येक रविवार को रात 10 बजे चेर्लापल्ली से प्रस्थान कर दूसरे दिन 4:50 बजे रक्सौल पहुंचेगी। यह सेवा 12 अप्रैल से 31 मई तक कुल 8 फेरों के लिए चलाई जाएगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 07006 रक्सौल-चेर्लापल्ली-स्पेशल प्रत्येक बुधवार को सुबह 3:15 बजे रक्सौल से रवाना होकर अगले दिन 7:40 बजे चेर्रालपल्ली पहुंचेगी। यह ट्रेन 15 अप्रैल से 3 जून तक कुल 8 सेवाएं प्रदान करेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दोनों दिशाओं में कुल 16 सेवाएं संचालित की जाएंगी। ये विशेष ट्रेनें जनगांव, काजीपेट, पेद्दापल्ली, मंचेरियल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चांदा फोर्ट, वडसा, गोंदिया, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, झारसुगुड़ा, राउरकेला, रांची, मुरी, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा, कमतौल, जनकपुर, सीतामढ़ी और बैरगनिया स्टेशनों पर ठहराव करेंगी। इन ट्रेनों में 2एसी, 3एसी, स्लीपर तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। रेलवे ने यात्रियों से अग्रिम आरक्षण कराने की अपील की है, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मादक दवाओं की निगरानी के लिए जल्द लॉन्च होगा डिजिटल पोर्टल

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मादक दवाओं और मनोरोगी पदार्थों की निगरानी के लिए जल्द ही एक रियल टाइम डिजिटल पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। यह पोर्टल दवाओं के निर्माण केंद्र से लेकर अंतिम बिक्री बिंदु तक पूरी प्रक्रिया को ट्रैक करेगा, जिससे ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन को उच्च जोखिम वाली दवाओं की निगरानी में मदद मिलेगी। इस पोर्टल के जरिए मादक और मनोरोगी दवाओं का एक विस्तृत डिजिटल मानचित्र तैयार होगा। हाल ही में इस प्रस्ताव को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की औषधि सलाहकार समिति ने मंजूरी दी है। इसके तहत दवाओं पर क्यूआर कोड भी अनिवार्य किया जाएगा, जिससे उनकी पहचान और ट्रैकिंग आसान होगी।

अधिकारियों के अनुसार, यह प्रणाली दवा विक्रेताओं और वितरकों के लिए रियल टाइम रिपोर्टिंग सुनिश्चित करेगी और अवैध बाजार में दवाओं की आपूर्ति पर रोक लगाने में मदद करेगी। सभी मेडिकल दुकानों को अपने दैनिक बिक्री डेटा को राष्ट्रीय पोर्टल से जोड़ना अनिवार्य होगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी। नई व्यवस्था के तहत उत्पादन, आयात, बिक्री और स्टॉक की जानकारी एक केंद्रीकृत सिस्टम में तुरंत अपडेट करनी होगी। यह प्रणाली नकली दवाओं पर रोक लगाने और मरीजों को सुरक्षित व असली दवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दो जगह आग लगने से हड़कंप, दमकल ने पाया काबू

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात और गुरुवार तड़के आग लगने की दो अलग-अलग घटनाओं से इलाके में हड़कंप मच गया। पहली घटना रेड हिल्स इलाके की है, जहां एक घर में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण आधी रात के आसपास आग लग गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घटना के दौरान घर में मौजूद परिवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, साथ ही आसपास के लोगों को भी एहतियात के तौर पर घर खाली करने को कहा गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वहीं दूसरी घटना गुरुवार सुबह जीदीमेटला औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक रासायनिक भंडारण इकाई में हुई, जहां भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया, जबकि स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। आग से उठते घने धुएं के कारण आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को भी मौके पर बुलाया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.